@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरुवार, 9 अप्रैल 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 154 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

•दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान में होंगी सुपुर्दे खाक

एजेंसी

लखनऊ/नोएडा। गांधी परिवार की भरोसेमंद वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार तड़के 93 वर्ष की आयु में नोएडा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। आज ही उनको सुपुर्दे खाक किया जाएगा। उनके निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। राजनीतिक जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रहीं मोहसिना किदवई नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास में रहती थीं। कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी ने बताया कि कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई का आज सुबह नोएडा के सेक्टर 12 स्थित मेट्रो अस्पताल में निधन हो गया है। उन्होंने बताया कि नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा शुरू होकर दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान पहुंचेगी और शाम पांच बजे उनको सुपुर्दे खाक किया जाएगा।

भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी ने दाखिल किया नामांकन

•समर्थकों के साथ पहुंचीं अलीपुर सर्वे भवन

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को भवानीपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुबह लगभग 10:45 बजे वह अपने आवास से पैदल निकलकर अलीपुर स्थित सर्वे भवन पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ पार्टी समर्थकों और नेताओं की बड़ी रैली भी मौजूद रही। नामांकन के समय उनके साथ कोलकाता के मेयर एवं राज्य के मंत्री फिरहाद हाकिम, पार्षद तथा मुख्यमंत्री के भाई स्वप्न बनर्जी, कार्तिक बनर्जी, भाभी कजरी बनर्जी सहित कई नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की रैली को देखते हुए पुलिस ने भीड़ नियंत्रण के लिए सड़क के एक हिस्से को गार्डरेल से घेर दिया था। मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। इस दौरान ममता बनर्जी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करती हुई आगे बढ़ीं। रैली में शामिल तृणमूल कार्यकर्ता 'जय बांग्ला' के नारे लगाते नजर आए। वहीं, सड़क किनारे खड़ी महिला कार्यकर्ताओं ने शंख बजाकर और उलुध्वनि कर उनका स्वागत किया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने गुजरात वाले बयान पर खेद जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में गुजरात के लोगों पर दिए अपने बयान पर विवाद बढ़ने के बाद खेद जताया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उनका उद्देश्य कभी भी गुजरात के लोगों की भावनाओं को आहत करने का नहीं था। खरगे ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कुछ समय पहले केरल में दिए उनके बयान की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वह जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके मन में गुजरात के लोगों के लिए हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है। यह सम्मान आगे भी ऐसे ही रहेगा। उनका राज्य के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य कभी भी नहीं था। उल्लेखनीय है कि खरगे ने हाल ही में केरल के इडुक्की में चुनावी रैली में कहा था कि केरल के लोग 'पढ़े-लिखे और समझदार' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि वह गुजरात और अन्य जगह के लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, जो 'अनपढ़' हैं।

चार जिलों की सात सीटों पर उम्मीदवार बदले

•20 वर्ष बाद सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए राष्ट्रीय कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र जारी होने के 24 घंटे के भीतर ही दक्षिण बंगाल के चार जिलों की सात विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं। वहीं 20 वर्ष बाद प्रदेश कांग्रेस इस बार राज्य की सभी 294 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार रही है। कोलकाता के एक होटल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी किया गया था। इसके बाद बुधवार को पार्टी के संगठन महासचिव केसी. वेणुगोपाल ने बयान जारी कर उम्मीदवारों में बदलाव की विस्तृत जानकारी दी। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए सभी सीटों पर उम्मीदवारों के नाम भी घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नदीया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और बर्धमान जिलों की सीटों पर बदलाव किया है। इसके तहत नदीया जिले की नाकाशीपाड़ा सीट से गोलाम किबरिया मंडल के स्थान पर ताहिर शेख को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि चापड़ा सीट से रहिदुल मंडल की जगह आसिफ खान को टिकट दिया गया है। उत्तर 24 परगना की हाबड़ा सीट पर पहले किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई थी, लेकिन अब वहां से प्रणब भट्टाचार्य को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं मिनाखा सीट पर वर्णाली नस्कर की जगह सुनयना विश्वास को उम्मीदवार बनाया गया है। दक्षिण 24 परगना जिले की मंदिरबाजार सीट पर पहले कौशिक बैद्य उम्मीदवार थे, लेकिन अब उनकी जगह चांद सरदार को टिकट दिया गया है।

बर्धमान जिले की रायना सीट से अनिक साहा के स्थान पर पम्पा मलिक, केतुग्राम सीट से मफिरुल काशेम की जगह शेख अबु बक्कर और आउसग्राम सीट से निशा बड़ाल के स्थान पर तापस बड़ाल को उम्मीदवार बनाया गया है।

देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर : सरकार

•अबतक 5 किलो के 8,90,000 सिलेंडर की बिक्री

एजेंसी

गुवाहाटी । वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशियामें चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा आपूर्ति शृंखला में आ रही रुकावटों के बीच भारत सरकार ने देशवासियों को बड़ी राहत दी है। अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र ने साफ किया है कि भारत में ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है। एक ओर जहां कोयला और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है, वहीं दूसरी ओर, विदेश में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार का यह आधिकारिक बयान अर्थव्यवस्था और बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है। आइए जानते हैं सरकार की ओर से क्या-क्या कहा गया।

कोयला उत्पादन और बिजली आपूर्ति

कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव संजीव कुमार कस्सी ने देश में बिजली उत्पादन को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश की खदानों और बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार मौजूद है, जिससे उपभोक्ताओं को बहुत ही कम समय के नोटिस पर कोयले की आपूर्ति की जा सकती है। देश की कुल ऊर्जा जरूरतों का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा आज भी कोयला आधारित बिजली से पूरा होता है। कस्सी ने बताया कि बिजली उत्पादन क्षमता में कोई कमी नहीं है क्योंकि कोयले का उत्पादन उसकी खपत के स्तर के साथ पूरी तरह से तालमेल बिठाकर चल रहा है। भारत ने ऊर्जा की एक किफायती और पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखी है तथा लगातार दूसरे वर्ष 1 अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया है। कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने बताया कि भारत के पास बिजली उत्पादन की जरूरतों के लिए 24 दिनों का कोयले का भंडार मौजूद है।

वैश्विक तनाव और नागरिकों की सुरक्षा

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पश्चिम एशिया के संकट पर भारत का आधिकारिक रुख स्पष्ट किया। भारत ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार को बाधित करने वाले इस संघर्ष के बीच हालिया युद्धविराम का स्वागत करते हुए स्थायी शांति की उम्मीद जताई है। भारत लगातार कूटनीति और संवाद पर जोर दे रहा है और हर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से निर्बाध नेविगेशन को आवश्यक मानता है। भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए 24 घंटे का कंट्रोल रूम संचालित किया जा रहा है जो वीजा और रसद जैसी सहायता दे रहा है।

भगवंत मान सरकार द्वारा मोहाली में अत्याधुनिक बहु-उद्देशीय प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर किया जाएगा विकसित: संजीव अरोड़ा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ, 8 अप्रैल। पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, स्थानीय निकाय तथा बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज मोहाली में पल्कशा यूनिवर्सिटी और सेक्टर 83 के इंफोसिस कैंपस के निकट एक अत्याधुनिक बहु-उद्देशीय प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर (ई.सी.सी.) विकसित करने का ऐलान किया। यह निवेश, बुनियादी ढांचे और विश्वव्यापी व्यापारिक अवसरों के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहे पंजाब का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, अरविंद केजरीवाल, राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी नेतृत्व में की जा रही यह ऐतिहासिक पहल पंजाब को निवेश और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए पसंदीदा स्थान बनाने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रोजेक्ट की अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कन्वेंशन सेंटर मोहाली आईटी सिटी के बिल्कुल बीच में लगभग 14 एक? क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। लगभग 250 करो? रुपये की अनुमानित लागत वाला यह प्रोजेक्ट एग्जीकन इवेंट्स मीडिया सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा विकसित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि प्रोजेक्ट के लिए रियायत की अवधि 15 वर्ष होगी। मंत्री ने कहा, इस प्रोजेक्ट के तहत बड़े स्तर पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए एक अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा, जो विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से लैस होगा। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 31 दिसंबर 2026 तक और दूसरा चरण 31 दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। बुनियादी ढांचे के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि ई.सी.सी. में बड़े स्पैन वाले कॉलम-फ्री प्रदर्शनी हॉल होंगे, जिनमें लगभग 40,000 वर्ग फुट और 15,000 वर्ग फुट के दो बड़े हॉल के साथ लगभग 15,000 वर्ग फुट में फैला रिटेल, फूड और बेवरेज जोन तथा लगभग 1000 वाहनों की पार्किंग सुविधा भी शामिल होगी। उन्होंने आगे कहा कि इस सुविधा में विश्व स्तरीय लैंडस्केप वाले पब्लिक स्पेस और आयोजन करने के लिए खुले सार्वजनिक क्षेत्र भी शामिल होंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धर्म में अंधविश्वास क्या है, इसका फैसला करने का हमें अधिकार

सरकार का विरोध

• 'न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के'

एजेंसी

नई दिल्ली । सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है। यह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के। मेहता ने तर्क दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को

बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा 'आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं।' मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है, क्योंकि समाज अत्यंत विविध है।

न्यायमूर्ति बागची का सवाल

इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यदि जादू-टोना को धार्मिक प्रथा का हिस्सा माना जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने मेहता से पूछा कि यदि अदालत के पास अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका आती है कि जादू-टोना की एक धार्मिक प्रथा मौजूद है, और विधायिका खामोश है, तो क्या अदालत 'खाली क्षेत्र के सिद्धांत' का उपयोग करके स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रथा को प्रतिबंधित करने का निर्देश नहीं दे सकती? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि न्यायिक समीक्षा की जा सकती है क्योंकि यह 'स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था' के अंतर्गत आता है, न कि इसलिए कि यह अंधविश्वास है।

कर्मचारियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई का ब्योरा होगा ऑनलाइन, प्रमुख सचिव ने जारी किया शासनादेश

• आदेश में कहा गया है कि एडमिन विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे।

एजेंसी

दिल्ली/जयपुर। अब राज्य कर्मियों के खिलाफ चल रही जांच, विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच संबंधी सूचना मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इस संबंध में प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने शासनादेश जारी कर दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

शासनादेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए। साथ ही विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन उसके सर्विस बुक में भी दर्ज करें। जिस कार्मिक के खिलाफ कोई जांच नहीं है उसके फार्म के आगे नहीं लिखा जाए। जानकारी ऑनलाइन अपडेट करने के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रारूप भी भेजा गया है। आदेश में कहा गया है कि एडमिन विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे। प्रदेश के सभी रिपोर्टिंग कार्यालयों के नोडल ऑफिस एडमिन आईडी के माध्यम से मानव संपदा पोर्टल में लॉगिन करेंगे और इसके बाद ऐसे सभी कार्मिकों की स्थिति को दर्ज करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की 11वीं वर्षगांठ पर सफलता की सराहना की

•यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना देश के युवाओं के लिए स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बनकर उभरी है। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले शुरू की गई इस योजना ने यह साबित किया है कि यदि लोगों को सही अवसर और समर्थन मिले, तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपने संदेश में भी लिखा कि यह योजना युवाओं को सशक्त बनाने में बेहद प्रभावी रही है और आने वाले समय में भी इसी तरह देश की प्रगति को गति देती रहेगी। इस अवसर पर उन्होंने एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, जिसमें एक बुद्धिमान व्यक्ति के गुणों का वर्णन किया- 'आत्मज्ञानं समारंभस्थितिक्षा धर्मनित्यता। यमर्था नापकर्षन्ति स वै पण्डित उच्यते॥ प्रधानमंत्री ने श्लोक का अर्थ बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपनी क्षमताओं को समझता है, आत्मनिर्भर होता है।

विधानसभा चुनाव: असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज

सभी तैयारियां पूरी

निगरानी व्यवस्था और मज़बूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है। इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। वहीं, पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से पांच सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मताधिकार के हकदार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के ज़रिए की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी ज़िम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है।

निगरानी व्यवस्था और मज़बूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे ज़िला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ़्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो पाएगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव - सीईसी ज्ञानेश कुमार ने चुनाव पर्यवेक्षक को ड्यूटी से हटाया

एजेंसी

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा नियुक्त एक चुनाव पर्यवेक्षक को तत्काल हटाने का आदेश दिया। यह चुनाव पर्यवेक्षक उस क्षेत्र के मतदान बूथ नेटवर्क के व्यावहारिक ज्ञान से वंचित था, जिसके लिए आयोग ने उसे नियुक्त किया था। कूच बिहार जिले के कूच बिहार (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक अनुराग यादव के इस ज्ञान की कमी का खुलासा सीईसी की अध्यक्षता में हुई एक वर्चुअल बैठक में हुआ, जिसमें अन्य सामान्य पर्यवेक्षक भी उपस्थित थे। बैठक में हुई घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कूच बिहार (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक को निर्वाचन क्षेत्र में बूथों की संख्या की बुनियादी जानकारी भी नहीं थी। खबरों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ने यादव की जिम्मेदारी की भावना पर भी सवाल उठाए और तुरंत उन्हें सामान्य पर्यवेक्षक के पद से मुक्त करने का आदेश दिया। घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने यह भी टिप्पणी की कि कूच बिहार (दक्षिण) के लिए सामान्य पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त होने के बावजूद, यादव ने अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने के लिए बुनियादी तैयारी नहीं की थी, और ऐसी स्थिति में यह संदेहजनक है कि वे इस पद के लिए कितने प्रभावी होंगे।

शाहजहांपुर में मकान तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाप-बेटे समेत तीन ने लगा ली फांसी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान आत्मघाती कदम उठाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव के मजरेता में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रशासन की टीम एक मकान को चकरोड में बताते हुए उसे ध्वस्त करने के लिए जेसीबी लेकर पहुंची। टीम को देखते ही मकान स्वामी और उसके परिजनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बाप-बेटे समेत परिवार के तीन सदस्यों ने घर के समीप एक पेड़ पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए फौरन दो लोगों को नीचे उतारकर बचा लिया, लेकिन तीसरे व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर शाम सिटी मजिस्ट्रेट ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले भी प्रशासन इस मकान को तोड़ने की कोशिश कर चुका था।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इसी बीच, प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले से भी एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। कटरी क्षेत्र के कुआं खेड़ा वजीर आलम गांव में 35 वर्षीय महिला चांदनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। ससुराल पक्ष का दावा है कि वह लंबे समय से बीमारी से परेशान थी और इसी तनाव में उसने जान दे दी। घटना के समय मौजूद मृतका की छोटी बहन नीलम ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया और मायके पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रदेश के इन दो अलग-अलग जिलों में हुई घटनाओं ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारिवारिक तनाव के मुद्दों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस दोनों ही मामलों की गहनता से जांच कर रही है।

अजित पवार के विमान हादसे को लेकर भ्रामक वीडियो बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जालना जिले के युवक उद्धव भगवान काप्से को सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो बनाने और वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की छवि धूमिल करने और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस विभाग की साइबर सेल ने आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया। बांद्रा की अदालत ने काप्से को 10 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई साइबर पुलिस के अनुसार, काप्से द्वारा अपलोड किए गए वीडियो को हटाने से पहले करीब 1.5 लाख बार देखा जा चुका था। जांच में सामने आया कि वीडियो में मुख्यमंत्री फडणवीस को निशाना बनाकर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री थी और विमान हादसे से संबंधित तथ्य भी गलत तरीके से प्रस्तुत किए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने वायरल वीडियो का गंभीर संज्ञान लेकर साइबर सेल को केस दर्ज करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया से वीडियो हटवाकर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ फर्जी वीडियो वायरल करने और सार्वजनिक हस्तियों को बदनाम करने की एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी विश्लेषण से वीडियो का स्रोत जालना जिले के बुट्टेगांव गांव से पाया गया। पुलिस की टीम ने काप्से को हिरासत में लिया। पूछताछ में काप्से ने स्वीकार किया कि उसने उपलब्ध फुटेज को संकलित कर एआई टूल्स की मदद से वीडियो बनाकर साझा किया। काप्से बुट्टेगांव का निवासी है, कक्षा 10 तक पढ़ा है और अपने माता-पिता के साथ रहता है।

पंचकूला में हेरोइन तस्कर गिरफ्तार, 3.4 किलो हेरोइन और 15 लाख बरामद

पंचकूला (एजेंसी)। पंचकूला पुलिस क्राइम ब्रांच-26 ने एक बड़े हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने बताया कि आरोपी लवजोत को सेक्टर-20 के कुंडी गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पंजाब के जलालाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में चंडीगढ़ में किराए के मकान में रहकर ट्राईसिटी क्षेत्र में नशे का जाल फैला रहा था। पुलिस ने बताया कि लवजोत के पास से 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 4 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। जांच के दौरान सामने आया कि लवजोत का नेटवर्क पहले से पकड़े गए दो अन्य आरोपियों से जुड़ा था। 3 अप्रैल को रायपुररानी के टाबर गांव से साहिल को 310 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद साहिल के बयान पर 5 अप्रैल को सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया। सतनाम ने लवजोत को अपना मुख्य सप्लायर बताया। डीसीपी ने बताया कि हेरोइन का स्रोत पाकिस्तान है और सप्लाई चैन की पहचान कर ली गई है। आरोपी नेटवर्क के अन्य हैंडलर्स की भी जल्द गिरफ्तारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सिरसा के बाद यह पंचकूला में पकड़ी गई सबसे बड़ी हेरोइन खेप है। पुलिस लगातार इस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों के नामों का खुलासा होने की संभावना है। रिमांड के दौरान लवजोत से और पूछताछ की जाएगी ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

रामपुर में बूंदाबांदी और ठंड से किसान चिंतित, बिजली आपूर्ति प्रभावित

रामपुर(एजेंसी)। शहर में मंगलवार शाम से मौसम ने रुख बदला और तेज आंधी के बाद बुधवार सुबह बूंदाबांदी शुरू हो गई। किसानों में कटाई के दौरान गेहूं की फसल को नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। तेज हवा और बारिश के कारण शहर की बिजली आपूर्ति मंगलवार से बाधित रही। सिविल लाइंस, पहाड़ी गेट, नवाब गेट सहित कई क्षेत्रों में आधा घंटा तक आपूर्ति प्रभावित रही। अधिशासी अभियंता अनुराग सिंह ने बताया कि आपूर्ति अब सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही है। किसानों के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि कटे हुए गेहूं को खुले में न छोड़ें और खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें ताकि फसल को बारिश से नुकसान न पहुंचे। बूंदाबांदी के चलते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और ठंड का अहसास हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने बदला नियम, अब बड़े मामलों की सुनवाई केवल सीजेआई ही करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने तत्काल सुनवाई की प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। नए नियम के तहत अब अत्यंत आवश्यक मामले, जिनमें नियमित सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया का इंतजार नहीं किया जा सकता, उनका उल्लेख केवल मुख्य न्यायाधीश के समक्ष ही किया जा सकेगा। यह नियम तब भी प्रभावी रहेगा जब मुख्य न्यायाधीश किसी संविधान पीठ की अध्यक्षता करने में व्यस्त हों। न्यायालय के इस कदम का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में स्पष्टता लाना और तत्काल सुनवाई के मामलों के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

छह अप्रैल को जारी आधिकारिक परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि अत्यंत आवश्यक मामलों का उल्लेख अब केवल अदालत संख्या-1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) के समक्ष ही करने की अनुमति है। परिपत्र में जोर देकर कहा गया है कि भले ही प्रधान न्यायाधीश किसी भी विशेष पीठ या संविधान पीठ का हिस्सा हों, वकीलों को ऐसे मामलों के लिए किसी अन्य पीठ के सामने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह निर्देश 29 नवंबर, 2025 के पिछले परिपत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, ताकि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में होने वाले किसी भी भ्रम को दूर किया जा सके। बता दें कि इस प्रशासनिक बदलाव के बीच, मुख्य न्यायाधीश ने हाल ही में न्यायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती पर भी अपने विचार साझा किए थे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि देश भर में न्यायिक परिसरों का विस्तार हो रहा है और सभी राज्य सरकारें अब यह स्वीकार कर रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक कार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान निर्माताओं का न्याय तक पहुंच के सिद्धांत में अटूट विश्वास था, और प्रत्येक राज्य के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना इसी संवैधानिक दायित्व का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश के अनुसार, यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र की एक गंभीर प्रतिबद्धता है।

पुरानी व्यवस्था में बदलाव

इससे पहले की व्यवस्था के अनुसार, यदि मुख्य न्यायाधीश उपलब्ध नहीं होते थे या किसी संविधान पीठ की सुनवाई में व्यस्त रहते थे, तो अत्यावश्यक मामलों के उल्लेख के लिए उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज (सीनियर मोस्ट जज) के पास जाने का प्रावधान था। वकीलों को तत्काल राहत पाने के लिए वरिष्ठ जजों की पीठ के सामने अपनी अर्जी रखने की अनुमति थी। हालांकि, नए सर्कुलर ने अब इस प्रक्रिया को पूरी तरह मुख्य न्यायाधीश की पीठ तक ही सीमित कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में फिर बनेगी ममता सरकार, अखिलेश यादव का दावा

भाजपा पर साधा निशाना, निर्वाचन आयोग और महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और भाजपा को जनता करारा जवाब देगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहे कितनी भी कोशिश, बेईमानी या साजिश कर ले, पश्चिम बंगाल की जनता उसे सत्ता में नहीं आने देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में जनता का समर्थन बना हुआ है और यही चुनाव परिणामों में भी दिखाई देगा। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को जोड़ने के बजाय उन्हें हटाने पर केंद्रित दिखाई देता है, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। सांसद अखिलेश यादव ने संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे में वर्तमान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उनका कहना था कि चुनाव के बाद इन समस्याओं में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

आप का बड़ा फैसला: उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी पार्टी

-इसुदान गढ़वी बोले— कांग्रेस और बीजेपी में हो सीधा मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजनीति में एक अहम मोड़ लेते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा, पार्टी अब पूरी तरह से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गढ़वी ने मंगलवार को अपने एक बयान में स्पष्ट किया कि आप इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और चाहती है कि मुकाबला सीधे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हो। उन्होंने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह खुद को मजबूत विपक्ष मानती है, तो उसे भाजपा को हराकर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम उमरेठ उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। हमारा फोकस केवल स्थानीय निकाय चुनावों पर है। हम चाहते हैं कि भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो, क्योंकि कांग्रेस अक्सर हमें भाजपा की 'बी-टीम' कहती है। अब उनके पास मौका है कि वे सीधे भाजपा का सामना करें।'

आप के इस फैसले को राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी फिलहाल जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने और स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। गुजरात में पिछले कुछ वर्षों में आप ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन विधानसभा और उपचुनावों में उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में पार्टी का यह कदम संकेत देता है कि वह अपनी ऊर्जा और संसाधनों को अधिक प्रभावी चुनावी क्षेत्रों में लगाना चाहती है।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- हम अभी नहीं देखेंगे...

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने फिलहाल इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए गोपनीय रिकॉर्ड की जांच करने से इनकार कर दिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए यह सुनवाई खुली अदालत के बजाय जज के चेंबर में आयोजित की गई, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे एक बेहद संवेदनशील मुद्दा बताया था।

इससे पहले की सुनवाइयों में हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था कि राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता से संबंधित शिकायतों पर अब तक क्या प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। इसके बाद अदालत ने स्वयं गृह मंत्रालय से संबंधित सभी मूल रिकॉर्ड तलब किए थे। हालांकि, मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, बेंच ने इन दस्तावेजों का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया। हाईकोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ अदालत में उपस्थित थे, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि वह इस स्तर पर राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच करने का प्रस्ताव नहीं करती है, इसलिए रिकॉर्ड को नहीं देखा गया।

यह पूरी कानूनी प्रक्रिया भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर आधारित है। याचिकाकर्ता ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि किसी नागरिक की नागरिकता तय करने का वैधानिक अधिकार उसके कार्यक्षेत्र में नहीं आता है। याचिकाकर्ता ने अपनी अर्जी में राहुल गांधी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की मांग की है। हाईकोर्ट में हुई इस सुनवाई के बाद अब मामले की अगली तारीख 15 अप्रैल तय की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस मामले में गहन जांच की आवश्यकता है, जबकि निचली अदालत ने तकनीकी आधार पर इसे खारिज कर दिया था। अब 15 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं, क्योंकि कोर्ट इस बात पर विचार करेगा कि क्या इस मामले में हस्तक्षेप की कोई कानूनी गुंजाइश है या नहीं। फिलहाल, राहुल गांधी के लिए राहत की बात यह है कि उच्च न्यायालय ने केंद्र के रिकॉर्ड पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी या तत्काल जांच शुरू नहीं की है।

सीएम नीतिश ने 4954 एएनएम को नियुक्ति पत्र बांटा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 4954 एएनएम (ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ) को नियुक्ति पत्र बांटा है। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे भी मौजूद रहे। यह कदम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों पर नर्सिंग स्टाफ की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण बताया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ये नियुक्तियां लंबे समय से लंबित प्रक्रिया का हिस्सा थीं, जिन्हें अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार सरकार का उद्देश्य राज्य के हर क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। एएनएम स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं, जो टीकाकरण, प्रसव सेवाओं और प्राथमिक चिकित्सा में अहम रोल निभाती हैं। इतनी बड़ी संख्या में एएनएम की नियुक्ति को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पहल से बिहार सरकार न केवल रोजगार सृजित कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने की दिशा में भी मजबूत कदम उठा रही है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल सीजफायर पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज... पाकिस्तान को थैंक्यू नोट, भारत को मिला तेल

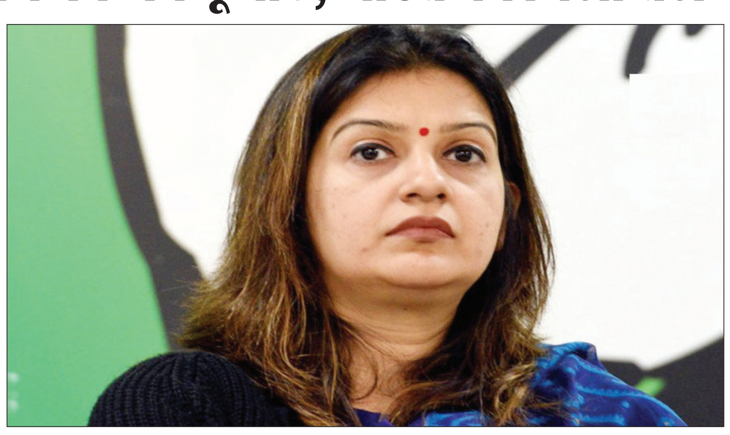

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच करीब 40 दिनों से जारी तनाव के बाद युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा कर दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के अस्थायी सीजफायर का ऐलान किया है। इस बीच भारत में इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी टिप्पणी करते हुए विभिन्न देशों की भूमिका पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ÷ईरान को अपना पक्ष रखने का मौका मिला, अमेरिका ने अपनी इज्जत बचा ली, इजरायल को हकीकत का सामना करना पड़ा, पाकिस्तान को थैंक्यू नोट मिला और भारत को उसका तेल मिल गया। दुनिया को अस्थायी रूप से ही सही, शांति मिल गई।÷ प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया के जरिए यह भी सवाल उठाया कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में भारत की भूमिका को लेकर हो रही आलोचना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह युद्ध भारत का नहीं था, इसलिए भारत की सीधी भागीदारी की अपेक्षा करना तर्कसंगत नहीं है। शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह सीजफायर उसके लिए ÷एक ऐसे दलाल÷ की तरह है, जो पैसे लेकर संकट का समाधान करने का दावा करता है। यह टिप्पणी उन्होंने भारत के विदेश मंत्री के उस बयान के संदर्भ में की, जो सर्वदलीय बैठक में दिया गया था। वहीं, युद्धविराम को लेकर ईरान ने अमेरिका के सामने 10 सूत्रीय प्रस्ताव रखा है। इसमें भविष्य में हमले न करने, लेबनान पर कार्रवाई रोकने और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई जैसी शर्तें शामिल हैं। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह ईरान के पावर प्लांट, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, मध्य पूर्व में स्थिरता कायम करने के लिए 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच अहम बैठक भी प्रस्तावित है। अब वैश्विक समुदाय की नजर इस वार्ता और सीजफायर की स्थिरता पर टिकी हुई है।

सौराष्ट्र के अमरेली में लगातार भूकंपीय झटकों से दहशत, 5 घंटे में 8 बार हिली धरती

सावरकुंडला-खांभा क्षेत्र में लगातार हल्के भूकंप के झटके; 3.58 तीव्रता का सबसे बड़ा झटका दर्ज

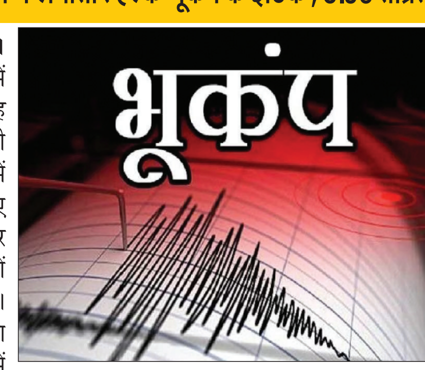

अमरेली (एजेंसी)। सौराष्ट्र के अमरेली जिले में मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक धरती के अंदर हो रही असामान्य हलचलों ने लोगों में चिंता और कौतूहल दोनों बढ़ा दिए हैं। जिले के सावरकुंडला और खांभा पंथक में भूकंप के झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। सबसे अधिक असर मीतियाला और उसके आसपास के गांवों में देखा गया, जहां रात से सुबह 9 बजे तक महज 5 घंटे के भीतर 8 बार हल्के झटके महसूस किए गए। भाड, नानूड़ी, धजड़ी, साकरपारा, वांकिया, खांभा और इंगोराला जैसे कई गांवों में धरती हिलने से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी विभाग ने इन सभी झटकों की पुष्टि की है, जिसके बाद प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ गया है। झटकों की शुरुआत सुबह 4¬15 बजे 1.8 तीव्रता के साथ हुई, जिसके ठीक एक मिनट बाद 4:16 बजे 2.3 तीव्रता का झटका महसूस हुआ। इसके बाद 4:24 बजे 1.0 और 4:57 बजे 1.4 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। सुबह 7:00 बजे फिर 2.2 तीव्रता का झटका आया, जबकि 7:15 बजे दिन का सबसे तेज झटका 3.58 तीव्रता का दर्ज किया गया। इस दौरान घरों की वस्तुएं तक हिलने लगीं, जिससे लोगों में डर का माहौल और गहरा गया। इसके बाद भी 7:51 और 8:57 बजे 1.5-1.5 तीव्रता के झटके महसूस होते रहे।

सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अमरेली से करीब 43 किलोमीटर दूर स्थित था। लगातार आ रहे झटकों के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि कहीं यह किसी बड़े भूकंप का संकेत तो नहीं। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने तथा सतर्क रहने की अपील की गई है।

गुजरातियों पर टिप्पणी को लेकर घिरे मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांगी माफी, सियासत में फिर उबाल

भाजपा ने उठाए देरी पर सवाल, राहुल गांधी के इशारे पर बयान देने का लगाया आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरातियों को लेकर की गई टिप्पणी पर मचे विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आखिरकार माफी मांग ली है। उनके इस बयान के बाद गुजरात की राजनीति में काफी गर्माहट देखने को मिली थी। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई देते हुए कहा कि केरल में दिए गए उनके चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इसके बावजूद उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए खेद जताया। उन्होंने लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। उनका कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

हालांकि, भाजपा ने इस माफी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। पार्टी के प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा कि माफी का स्वागत है, लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि इसे देने में इतनी देर क्यों हुई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ÷देर आए दुरुस्त आए।÷ अनिल पटेल ने आरोप लगाया कि खड़गे कांग्रेस के 'युवराज' यानी राहुल गांधी के इशारे पर बयान देते हैं। हालांकि, उन्होंने खड़गे को एक सम्मानित व्यक्ति भी बताया। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस बार-बार गुजरातियों का अपमान करती है और जब विरोध बढ़ता है, तब माफी मांगती है। प्रवक्ता ने खड़गे के पुराने 'सांप' वाले विवादित बयान का जिक्र करते हुए उस पर भी माफी मांगने की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि खड़गे का इरादा अपमान करने का नहीं था, तो उन्होंने तुरंत माफी क्यों नहीं मांगी? क्या विवाद बढ़ने का इंतजार किया गया?

गुजरात के लोग अपनी अस्मिता और सम्मान के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब किसी पूरे समुदाय को लेकर बयान दिए जाते हैं, तो उसका असर राष्ट्रीय राजनीति तक देखने को मिलता है। खड़गे की यह माफी भले देर से आई हो, लेकिन फिलहाल इसने राजनीतिक विवाद को शांत करने की कोशिश जरूर की है। अब देखना होगा कि आने वाले चुनावों में यह मुद्दा किस तरह से उभरता है।

दिल्ली पुलिस ने टिल्लू गैंग के शूटर को दबोचा, गोली मारकर दुकानदार की थी हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने बवाना के हरेवली गांव में गैंगवार के दौरान एक दुकानदार की गोली मारकर हत्या करने वाले टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक शूटर को बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दरियापुर निवासी आकाश उर्फ बिट्टू के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे बिहार के बेगूसराय से गिरफ्तार किया, जहां वह पहचान छिपाकर रह रहा था। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि 19 मार्च की शाम बवाना थाना पुलिस को हरेवली गांव में गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि बाइक सवार तीन बदमाशों ने परचून की दुकान चलाने वाले रवि भारद्वाज पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। इस घटना में रवि के साथ उसके पिता अनिल भारद्वाज, उसका 8 वर्षीय भांजा और पड़ोस में रहने वाला राजकुमार घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने सभी को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य का इलाज जारी रहा। बवाना पुलिस ने जांच के बाद हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। जांच में सामने आया कि रवि हाल ही में जेल से बाहर आया था और पिछले 15 दिनों से दुकान चला रहा था। वह गोगी गैंग से जुड़ा हुआ था। गैंगवार की आशंका को देखते हुए पुलिस ने टिल्लू गैंग पर वारदात का शक जताया। नारकोटिक्स सेल के निरीक्षक गौरव चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने करीब 650 सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसके बाद आकाश की पहचान हुई। तकनीकी जांच से उसके बिहार भागने की जानकारी मिली। करीब दो हजार किलोमीटर का सफर तय कर पुलिस ने उसे बेगूसराय से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 21 वर्षीय आकाश टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सक्रिय सदस्य और शूटर है। उसके माता-पिता का निधन हो चुका है और वह अपनी दादी के साथ रहता है, जो एमसीडी में सफाईकर्मी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि एक जन्मदिन की पार्टी में सह-आरोपियों से मुलाकात के बाद वह गैंग में शामिल हुआ।

महंगी किताब-कॉपियों का दबाव, अभिभावकों की जेब पर प्रहार

नई दिल्ली । एक अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने जा रहा है। सत्र से पहले ही महंगी कॉपी-किताबों और स्टेशनरी के कारण अभिभावकों की जेब पर भारी बोझ पड़ रहा है। किताबों से ज्यादा कॉपियों कीमतों से अभिभावक परेशान हैं। बीते साल के मुकाबले इस साल केवल कॉपी-किताबों व स्टेशनरी कीमतों में स्कूलों की श्रेणी के हिसाब से पांच से दस फीसदी तक की बढ़ोतरी हो गई हैं। निजी स्कूल छात्रों को निजी प्रकाशकों की किताबें ही दे रहे हैं, जो एनसीईआरटी के मुकाबले तीन से चार गुणा तक महंगी हैं। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल इस साल भी शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों की अनदेखी करते हुए निजी प्रकाशकों की किताबें अनिवार्य कर रहे हैं। पहली व दूसरी कक्षा में मुख्य तीन विषयों की एनसीईआरटी की तीन किताबें 400 से 500 रुपये तक मिल जाती हैं। वहीं, निजी स्कूल किताबों के साथ स्टेशनरी मिलाकर चार से छह हजार में उपलब्ध करा रहे हैं। ऊंची कक्षाओं के किताब व कॉपी के सेट की कीमट आठ से दस हजार रुपये है। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन उन्हें बाजार से किताबें खरीदने की अनुमति नहीं देते। स्कूल से निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। शिक्षा निदेशालय हर साल स्कूलों को केवल एनसीईआरटी या निर्धारित सिलेबस की किताबें ही अनिवार्य करने और किसी खास दुकान या प्रकाशक को बढ़ावा नहीं देने का निर्देश जारी करता है। लेकिन, अभिभावकों का कहना है कि आदेश देर से जारी किए जाते हैं, जिसका फायदा स्कूल प्रबंधन उठाते हैं और पहले ही किताबें बेच देते हैं। निदेशालय नए सत्र से पहले निजी स्कूलों को अपनी वेबसाइट पर कम से कम पांच दुकानों की सूची जारी करने का आदेश भी देता है, लेकिन वेबसाइट पर दुकानों के नामों की सूची नहीं मिली। दिल्ली अभिभावक संघ की अध्यक्ष अपराजिता गौतम कहती हैं कि निजी स्कूलों में प्राइवेट प्रकाशकों की किताबें, कॉपी व स्टेशनरी देने का खेल शुरू हो चुका है। साल बदल गया है, लेकिन सूरत नहीं बदली। अब अभिभावक इनसे थकने लगे हैं। प्लास्टिक कवर व लोगो लगाकर ज्यादा कीमत पर कॉपियों बेचीं जातीं हैं। बुक सेट जो स्कूल से लेना अनिवार्य है, उसे तोड़कर नहीं लिया जा सकता। हर साल यही होता है लेकिन अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं।

डीडीए की सड़कों पर दिखा सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली में सड़क की धूल से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत 24 दिसंबर को निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सड़कों का निरीक्षण कर धूल कम करने के उपायों की समीक्षा की गई। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि डीडीए के अधीन आने वाली सड़कों पर पहले की तुलना में काफी सुधार देखने को मिला है, जिन 27 सड़क हिस्सों पर 12 दिसंबर को ज्यादा धूल पाई गई थी। दोबारा निरीक्षण में उनमें से एक भी हिस्सा अब 'ज्यादा धूल' की श्रेणी में नहीं पाया गया। इनमें 19 हिस्सों पर कम धूल, 7 पर मध्यम धूल और एक हिस्से पर बिल्कुल भी दिखाई देने वाली धूल नहीं मिली। पीडब्ल्यूडी की ओर से रखरखाव की जा रही 106 सड़कों के निरीक्षण में हालात उतने संतोषजनक नहीं पाए गए। इनमें से 9 हिस्सों पर बहुत ज्यादा धूल, 16 पर मध्यम और 37 हिस्सों पर कम धूल दर्ज की गई, जबकि 44 हिस्सों पर धूल नहीं पाई गई। कई जगहों पर सड़क किनारे कूड़ा, निर्माण व तोड़फोड़ का मलबा और खुले में कचरा जलाने की घटनाएं भी सामने आईं। आयोग ने पीडब्ल्यूडी को सख्त निर्देश दिए कि सड़क की नियमित मैकेनिकल सफाई, धूल और कचरे को समय पर उठाना, पानी का छिड़काव, सेंट्रल वर्ज का रखरखाव और खुले में जलाने पर पूरी तरह रोक सुनिश्चित की जाए।

भगवंत मान सरकार द्वारा मोहाली में अत्याधुनिक बहु-उद्देशीय प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर किया जाएगा विकसित: संजीव अरोड़ा

प्रथम पृष्ठ का शेष

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, ई.सी.सी. एक लचीला, बहु-कार्यात्मक स्थान के रूप में काम करेगा, जो 5,000 से 10,000 डेलिगेट्स वाली कॉन्फ्रेंस और सम्मेलनों की मेजबानी, 2,000 लोगों की सुविधा के लिए लगभग 20,000 वर्ग फुट के मीटिंग एरिया, 200 से 500 बूथों वाले व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों, 1,000 से 10,000 श्रोताओं वाले कॉर्पोरेट कार्यक्रमों, 1,000 से 10,000 लोगों वाले सांस्कृतिक और विविध कार्यक्रमों तथा 15,000 लोगों तक के सामाजिक आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है। आधुनिक डिजाइन और स्थिरता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस सुविधा में उन्नत कॉलम-फ्री संरचनात्मक प्रणालियां, कुशल ट्रैफिक सर्कुलेशन और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग, आधुनिक एमइपी, एवी, आइटी सिस्टम का एकीकरण, एनबीसी मानकों का पालन, अग्नि सुरक्षा और पहुंच-योग्यता मानक तथा ग्रीन 5-स्टार सस्टेनेबल डिजाइन सिद्धांत अपनाए जाएंगे। मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, यह कन्वेंशन और प्रदर्शनी केंद्र पंजाब के लिए एक नुहार बदलने वाला प्रोजेक्ट साबित होगा। यह ग्लोबल कार्यक्रमों की मेजबानी, निवेश आकर्षित करने और बड़े स्तर पर रोजगार सृजन की हमारी क्षमता को प्रभावी ढंग से बढाएगा। मोहाली एक आधुनिक शहरी और टेक्नोलॉजी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है और ऐसा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा इसके विकास की गति को और तेज करेगा। आर्थिक प्रभावों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पहले पांच वर्षों में 15,000 से 25,000 के बीच रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। साथ ही पर्यटन, आतिथ्य और सहायक क्षेत्रों को ब ?ावा देते हुए पंजाब को एक अग्रणी माइस डेस्टिनेशन के रूप में पंजाब की स्थिति मजबूत करेगा। मंत्री संजीव अरोड़ा ने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट मोहाली को 21वीं सदी के आईटी और सेवाओं के हब के रूप में विकसित करने, व्यवसाय करने में आसानी बढाने, निवेशक इकोसिस्टम को मजबूत करने और विश्व स्तरीय सहयोग एवं आयोजनों को समर्थन देने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने के पंजाब सरकार के व्यापक विजन से पूरी तरह मेल खाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एग्जीकन ग्रुप के चेयरमैन एम. क्यू. सईद, पुडा के ए.सी.ए. विकास हीरा, प्रोजेक्ट के आर्किटेक्ट संजय सूर्या और राहुल शाह, डायरेक्टर उपस्थित थे।

28 वर्ष 4 माह की उत्कृष्ट सेवाओं के बाद रणबीर सिंह सांगवान सेवानिवृत्त

चंडीगढ़। हरियाणा सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग मुख्यालय के अतिरिक्त निदेशक (फील्ड) श्री रणबीर सिंह सांगवान 28 वर्ष 4 माह की संतोषजनक एवं समर्पित सेवा पूर्ण करने के उपरांत आज सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विभाग द्वारा उनके सम्मान में एक गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभाग के महानिदेशक श्री के. मकरंद. पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खाँगवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री सांगवान को भावभीनी विदाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। वक्ताओं ने उनके अनुशासित कार्यशैली, समर्पण और सौम्य व्यवहार की सराहना करते हुए विभाग में उनके योगदान को प्रेरणादायक बताया। श्री सांगवान मूल रूप से चरखी दादरी जिले के झोझू खुर्द गांव के निवासी हैं। उन्होंने केन्द्रीय विद्यालय से अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात मास कम्युनिकेशन में डिग्री हासिल की और 21 नवंबर, 1997 को जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में विभाग में अपनी सेवाएं आरंभ कीं। अपने करियर की शुरुआत उन्होंने विभाग की प्रेस शाखा से की, जिसके बाद उन्होंने सिरसा, जींद, हिसार, रोहतक, गुरुग्राम एवं फतेहाबाद जैसे विभिन्न जिलों में जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं दीं। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं पर उनकी मजबूत पकड़ तथा उनका मृदुभाषी व्यक्तित्व उन्हें प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाता रहा। वर्ष 2012 में उन्हें उपनिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया। इसके उपरांत उन्होंने हरियाणा भवन, नई दिल्ली तथा एनसीआर में उपनिदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। अतिरिक्त निदेशक (फील्ड) के रूप में उन्होंने विभिन्न अतिविशिष्ट राजनेताओं एवं प्रमुख हस्तियों के कार्यक्रमों के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे विभाग की कार्यक्षमता और छवि को नई ऊंचाइयां मिलीं। विदाई समारोह में डॉ. कुलदीप सैनी, डॉ. साहिब राम गोदारा, श्री बी.एल. धीमान, संयुक्त निदेशक श्री नीरज टुटेजा, श्री राज सिंह कादियान सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री सांगवान के परिवारजन और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस भावनात्मक पल को और भी यादगार बना दिया।

दिल्ली की नई ईवी नीति में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारें हो सकती हैं सस्ती

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2.0 के तहत राजधानी में इलेक्ट्रिक और मजबूत हाइब्रिड कारों की कीमतों में कमी आ सकती है। अधिकारियों के अनुसार, सरकार नई नीति के तहत इलेक्ट्रिक कारों के साथ-साथ स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों को भी प्रोत्साहन देने की योजना पर विचार कर रही है। यह लाभ उन वाहनों को दिया जा सकता है जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 20 लाख रुपये तक होगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा ईवी नीति में ई-रिक्शा, इलेक्ट्रिक दोपहिया और तीनपहिया वाहनों को मिलने वाली रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट को नई नीति में इलेक्ट्रिक कारों और मजबूत हाइब्रिड वाहनों तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य पेट्रोल और डीजल वाहनों की जगह अधिक लोगों को कम उत्सर्जन वाले वाहनों की ओर आकर्षित करना है, जिससे वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद नई नीति को वित्त वर्ष 2026-27 से लागू किया जा सकता है। नीति के तहत यह भी तय किया जाएगा कि सब्सिडी कितने वाहनों पर लागू होगी और इसकी अवधि एक वर्ष होगी या उससे अधिक। नई नीति में महिलाओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन अपनाने के लिए भी प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। इसके तहत 10 हजार महिला निवासियों को इलेक्ट्रिक दोपहिया खरीदने पर 12 हजार रुपये प्रति किलोवाट घंटा के हिसाब से अधिकतम 36 हजार रुपये तक की सब्सिडी देने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा हल्के मालवाहक इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बढ़ावा देने की योजना है। प्रस्ताव है कि कुछ श्रेणी के इलेक्ट्रिक मालवाहक वाहनों को कुछ सड़कों पर नो-एंट्री समय की पाबंदियों से छूट दी जा सकती है। सरकार कुछ इलाकों को स्पेशल मोबिलिटी जोन के रूप में विकसित करने की संभावना भी देख रही है, जहां केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। ऐसे क्षेत्र पर्यटन स्थलों, अस्पतालों और विरासत स्थलों के आसपास बनाए जा सकते हैं

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. ABINASH PRASAD SINGH** is purchasing the Plot No. 102-B, area measuring 100 sq. yards, out of Khasra No. 59/12, situated in the area of Village Hastsal, colony known as Mohan Garden, in Block-K-1, New Delhi-110059 from Mrs. Arti Henary who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 11.02.2004 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
I Nisha D/O Krishan Kumar R/O House no. 169, near chopal, Memarpur (12), PO: Jainpur, DIST: Sonipat, Haryana-131027 UNDERTAKE THAT I Nisha CHANGE MY NAME Nishchay AND GENDER AS MALE. I Nisha HENCEFORTH BE KNOWN AS Nishchay S/O Krishan Kumar . THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

Public Notice
It is for general information that, I SALEEM AHMAD S/o ZARIF AHMAD R/o B-221 Gali No-4 Shri Ram Colony Delhi-94, Declare that name of mine and my father has been wrongly written as MOHD SALIM and ZAFIR AHMAD in my 10th & 12th Class Educational Documents . The actual name of mine and my father are SALEEM AHMAD and ZARIF AHMAD respectively, which may be amended accordingly

Public Notice
It is for general information that I RASHID ALI S/O MOHD YUSUF , R/O D-435 Gali No-13, Shri Ram Colony Rajeev Nagar, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi 110094, declare that name of my father has been wrongly written as MOHAMMAD YOUSUF in my passport no E0308614.The actual name of my father is MOHD YUSUF,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RIHAN S/o Mohammad Simul R/o S-46/62, Indra Gandhi Camp-2, Taimoor Nagar, Delhi-110025 , have changed my name to REHAN permanently

NAME CHANGE
I, MADHU W/o Dinesh Kumar R/o Flat No.614, Sector-13, Pocket-B, Dwarka, Delhi-110075 , have changed my name from MADHU to MADHU RANI permanently.

NAME CHANGE
I hitherto known as Giraraj S/O Puran Singh, R/O vill-borra khurd, ETAH, Awagarh, PO: Pondri, Etah, Uttar Pradesh - 207301, have changed my name and shall hereafter be known as Dharvendra kumar.

NAME CHANGE
I, HARIBHAU Father of No-15688644K Rank-HAV Name-GITE RAJENDRA HARIBHAU Residing at VILL-PIMPRI LOUKI AJAMPUR, PO-ASHVI KHURD, TEHSIL-SANGAMNER, DISTT-AHMED NAGAR, MAHARASHTRA-413738, have changed my name from HARIBHAU to HARIBHAU KARBHARI GITE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1960 vide Affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Nizamuddin Saifi S/o Bhurey Saifi R/o H.No.D-132A, Near Firdos Masjid, Garima Garden, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 declare that name of mine has been wrongly written as Nizamuddin in my minor Son Faiz aged 17 years in his10th Class Educational Documents. Correct name is Nizamuddin Saifi

NAME CHANGE
I, hitherto known as Aachal Nagar D/o Vinod Kumar R/o Dhoom Manikpur, Ibadullapur Urf Badalpur, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207, have changed my name and shall hereafter be known as Anchal Nagar.

NAME CHANGE
I hitherto known as KUMAR SHANTANU S/O UMESHWAR KUMAR R/O FLAT NO-11110, Tower-7, Society GH-7, Crossing Republik, Ghaziabad,Uttar Pradesh - 201016, have changed my name and shall hereafter be known as SHANTANU SAMDARSHI.

NAME CHANGE
I hitherto known as AMAN KANOJIA S/o RAJU KANOJIA R/o Old Haibatpur, Yusufpur Chak Saberi, Chipyana, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009 have changed my name and shall hereafter be known as AMAN.

NAME CHANGE
I, MENAJ W/O AMIR ALVI R/O FK-1, 35/1A, Kashiram Madhuban, Bapudham Govindpuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201013, have changed the name of my minor son AHAT ALVI aged 7 years and he shall hereafter be known as AHAD ALVI.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मोहम्मद अबरार, पुत्र दत्ता बख्श, निवासी बी-2/303 जेजे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली 110076, ने अपने पुत्र शाहरुख, पत्नी चांदनी बानो और पुत्र अनस, निवासी बी-2/303 जेजे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली 110076, से सभी पारिवारिक संबंध तोड़ लिए हैं और उनके बुरे, विश्वासघाती और अपमानजनक व्यवहार के कारण उन्हें और उनकी पत्नी को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। इसके बाद, मेरे मुवक्किल और उनके परिवार के सदस्यों की सूचना पुलिस स्टेशन कालिंदी कुंज के एसएचओ को दी जाएगी।
JAY KUMAR(ADVOCATE)
High Court & District
Court of Delhi.
Ch. No.969 Patiala House Court
New Delhi 110002

NAME CHANGE
I, JC-562788N, Rank-NB SUB, Name-DHRANGI KALABHAI VAHATABHAI residing at VILL-KANSARA, PO-IQBALGADH, TEHSIL-AMIRGADH, DIST-BANASKANTHA, GUJARAT, have changed my minor son's name from VIRMA BHAI to DHRANGI VIRMABHAI KALABHAI for all future purposes vide affidavit dated 08/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Ravi Shankar S/0 Harish Chandra Maurya R/0 D - 5/175 Sangam Vihar Delhi 110062 Changed my name to Ravi Shankar Maurya

NAME CHANGE
I, BOBBY S/O RAMKALA R/O H NO 83, SECTOR 23A VILLAGE CARTERPURI, GURGAON, HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY NAME TO BOBY YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE.

Religion Changed
I, NILOFER YASIN KHAN D/O YASIN KHAN W/O VISHAL CHAUHAN R/O B-150, NEW ASHOK NAGAR, NEAR AMAN BHARTI PUBLIC SCHOOL, PO-VASUNDHRA ENCLAVE, DIST-EAST DELHI, DELHI-110096 do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDU Religion and renounced ISLAM Religion w. e .f. 23.01.2025.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHOORVIR SINGH TYAGI S/O JALAM SINGH TYAGI, Permanently Residing at- 0125 NEAR R.S.M. COLLEGE DHAMPUR, SHAKTI NAGAR, DHAMPUR, DIST-BIJNOR, UTTAR PARDESH-246761 Presently Residing at-BLOCK-02, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI-110003 declare that name of mine and my father has been wrongly written as SOORBIR SINGH and ZALAM SINGH in my Service Records. The actual name of my mine and my father are SHOORVIR SINGH TYAGI and JALAM SINGH TYAGI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NILOFER YASIN KHAN D/O YASIN KHAN W/O VISHAL CHAUHAN R/O B-150, NEW ASHOK NAGAR, NEAR AMAN BHARTI PUBLIC SCHOOL, PO-VASUNDHRA ENCLAVE, DIST- EAST DELHI, DELHI-110096 have changed my name and shall hereafter be known as ISHA.

सार्वजनिक सूचना
मैं विजय कुमार पुत्र नारायण दास (आधार कार्ड संख्या 8856-4026-5163), मकान संख्या डी-1/183, गली संख्या 4, हर्ष विहार, मंडोली, उत्तर पूर्वी दिल्ली-110093 का निवासी, एतद्द्वारा पूर्णत: प्रतिज्ञा करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र अक्षय को तत्काल प्रभाव से अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया है। मेरी संपत्तियों में उसका कोई अधिकार, हक, हित या दावा नहीं होगा। मेरी सभी संपत्तियों के संबंध में अक्षय से कोई भी लेन-देन करने वाला व्यक्ति अपने स्वयं के जोखिम और खर्च पर ऐसा करेगा और अक्षय या उसके किसी भी साथी द्वारा किए गए किसी भी कार्य या लेन-देन के लिए मैं उत्तरदायी नहीं रहूँगा।

NAME CHANGE
I, No-15446577Y Rank-NK Name-RAKENDRA SINGH SISODIYA Father of JIYA Presently residing at VILL-SHIV NAGAR COLONY, PO-GANESH MARKET, PS-GOLAMBER (THANA KOTWALI), DIST-SHEOPUR, MADHYA PRADESH-476337, have changed my minor daughter's name from JIYA to JIYA SISODIYA for all future purposes vide Affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GAURA BAI, is legally mother of Army No. 2810279L, Rank – Hav, Name – SANTOSH NARAYAN VADDEBAILKAR, presently residing at Vill – Garlgunji, Post – Garlgunji, Teh – Khanapur, Dist – Belgaum, State – Karnataka, Pin – 591302, have changed my name from GAURA BAI to GAURABAI NARAYAN VADDEBAILKAR and date of birth from 15/07/1965 to 01/01/1958 for all future purposes. Vide affidavit dated 08/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VIRENDRA KUMAR S/O NAND RAM GOSWAMI R/O B-272 GD COLONY MAYUR VIHAR PHASE 3 EAST DELHI 110096, CHANGED MY NAME TO VIRENDER GOSWAMI.

NAME CHANGE
I Army no -2803215x Rank - Hav, Name - P Bazeer Ahamad Presently residing At - Sankarankovil Post-Sankarankovil , Teh - Sankarankovil, Dist - Tirunelveli, State- Tamil Nadu, Pin - 627756 have changed my minor son name from BEER JAVED to B PEER JAVED for all future purposes. Vide affidavit dated 08/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I Army no -2803215x Rank - Hav, Name - P Bazeer Ahamad Presently residing At - Sankarankovil Post-Sankarankovil , Teh - Sankarankovil, Dist - Tirunelveli, State- Tamil Nadu, Pin - 627756 have changed my minor son name from BEER HANASH to B PEER HANASH for all future purposes. Vide affidavit dated 08/04/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AFSANA W/o MOHD AZAZ R/o H.No. E-567, E-Block, Inder Enclave, Phase-2, Kirari Suleman Nagar, Sultanpuri, C-Block, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as AFRIN and MOHD IJAJ in my minor daughter namely KHUSHBOO aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my husband are AFSANA and MOHD AZAZ respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JILANI BEGAM mother of Army No-2810755Y, Rank-SEP, Name-SHAIK ZUBEIR, Unit-22 MARATHA LI Presently residing at VPO-ARDHAVEEDU, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH PIN-523335, have changed my name from JILANI BEGAM to SHAIK JEELANI BEGUM for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/07/1972 instead of my correct date of birth as 01/01/1974 Vide Affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KRISHANPAL S/o Rajpal, R/o Vijay Nagar Modinagar, Rori, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201201, have changed the name of my minor son CHATEN aged 12 years and he shall hereafter be known as CHETAN, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, DHARMA SINGH S/O GUTERI R/O VILLAGE MOHANPUR PALANHEDA DAUSA RAJSTHAN 321612 HAVE CHANGED MY NAME TO DHARM SINGH MEENA

NAME CHANGE
I, KM FURZANA W/O NASIR HUSSAIN R/O B 301 MAIN MARKET BADARPUR NEW DELHI 110044 HAVE CHANGED MY NAME TO FARZANA

NAME CHANGE
I, AMIT KUMAR S/O YUDHVIR SINGH R/O 260 PAYLA MOHALLA VILL BADARPUR NEW DELHI 110044 HAVE CHANGED MY NAME TO AMIT PAYLA

NAME CHANGE
I, JYOTI NIWARIA W/O RAHUL CHAUHAN R/O S/10/4 SEC 75 BALLABGARH FARIDABAD 121004 HAVE CHANGED MY NAME TO JYOTI CHAUHAN

NAME CHANGE
I, JADHAV RUPALI KIRAN Wife of No-14670251P Rank-HAV Name-JADHAV KIRAN MADHUKAR Presently residing at JAT GALLI, VPO-RAHIMATPUR, APSHINGE, TEH-KOREGAON, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415511, have changed my name from JADHAV RUPALI KIRAN to RUPALI KIRAN JADHAV for all future purposes vide Affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14670251P Rank-HAV Name-JADHAV KIRAN MADHUKAR Father of JADHAV KUNAL KIRAN Presently residing at JAT GALLI, VPO-RAHIMATPUR, APSHINGE, TEH-KOREGAON, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415511, have changed my minor son's name from JADHAV KUNAL KIRAN to KUNAL KIRAN JADHAV for all future purposes vide Affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14670251P Rank-HAV Name-JADHAV KIRAN MADHUKAR Father of JADHAV KANAK KIRAN Presently residing at JAT GALLI, VPO-RAHIMATPUR, APSHINGE, TEH-KOREGAON, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415511, have changed my minor daughter's name from JADHAV KANAK KIRAN to KANAK KIRAN JADHAV for all future purposes vide Affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NASINA ASHA NANDINI W/O VENKATA SUBBA RAO Residing at 8-57, POTHANAKATTAVARIPALEM, POTHANANAKATTAVARIPALEM, KHAJIPALEM, KHAJIPALEM, PO: KHAJIPALEM, DIST. GUNTUR, ANDRA PRADESH-522329, have changed my name and shall hereafter be known as YENUMULA ASHA NANDINI It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती संजीवा देवी (खरीदार) ने उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड की शाखा, पता- भूतल, दुकान संख्या 20, तहखाना, सेक्टर 14, गुड़गांव से, 237 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली कार्यालय इकाई संख्या जी-248, यूएफजी (अतिरिक्त संपत्ति) के लिए आवास ऋण की स्वीकृति और वितरण हेतु संपर्क किया। यह संपत्ति सुशांत शॉपिंग आर्केड, जी ब्लॉक, सुशांत लोक फेज-1, गुड़गांव 122009, हरियाणा में स्थित है। हरकमल जीत सिंह महल (हिंदू अविभाजित परिवार) अपने कर्ता हरकमल जीत सिंह महल (विक्रेता) के माध्यम से बिक्री विलेख/हस्तांतरण विलेख दस्तावेज़ संख्या 16738, बुक संख्या 1, दिनांक 09.03.2004 के अनुसार उक्त संपत्ति का मालिक था, जिसे मेसर्स अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा निष्पादित किया गया था। एक हिस्सेदार श्री सिमरनजीत सिंह पुत्र हरकमलजीत सिंह महल का निधन हो गया है। मृत्यु के समय अविवाहित थीं। अब उक्त संपत्ति को हरकमल जीत सिंह महल (हिंदू अविभाजित परिवार) अपने कर्ता श्री हरकमल जीत सिंह महल के माध्यम से श्रीमती संजीवा देवी, पत्नी श्री मनोज कुमार यादव को बेचना चाहता है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था/वित्तपोषक/बैंक का उक्त संपत्ति में दस्तावेजों के आधार पर या अन्यथा किसी भी प्रकार का अधिकार, दावा, हक या हित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे को संबंधित दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
दीपक मलिक (अधिवक्ता)
दुकान ङ्क 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स
दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

NAME CHANGE
I Subhash Chander Sethi S/O: Ram Bheja Mal Sethi, R/o 401, Starlite Appartment, Sector-14 Extension Rohini, Rohini Sector-14, PO:Rohini Sector-7, DIST:North West Delhi, Delhi, 110085 have changed my name to Subhash Sethi for all future purposes.

NAME CHANGE
I Shafali W/o Pallav Parmar R/o House No. 635, Ground Floor, Sector 5, Gurgaon - 122001 Haryana have changed my name to Shafali Parmar for all future purposes.

NAME CHANGE
I Vipin Rajpal Sharma S/o Kishan Chand R/o House No. 914, Sector 7 EXTN, Gurgaon - 122001 have changed my daughter name from Ishita to Ishita Rajpal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Laxman Prasad S/O Shri Gopichand. Residing at- Ayodhya Kunj Colony, Village- Naujheel, Mathura, Uttar Pradesh-281203. I have Changed My Name from Laxman Prasad Agarwal to Laxman Prasad in future known as Laxman Prasad for all future Purposes.

NAME CHANGE
I Nikhil Kumar S/o Rajdev Singh R/o G-19/A KUNWAR SINGH NAGAR Nangloi, West Delhi, DELHI 110041 have changed my name to Nikhil Singh for all future purposes.

उत्तर रेलवे
इ-निविदा (इ-प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	नई दिल्ली के अजमेरी गेट स्थित एनडीएलएस सिक लाइन में कार्यालयों और शेड की मरम्मत और नवीनीकरण, जिसमें फर्श का काम, छत की मरम्मत, टूटे दरवाजों और खिड़कियों की मरम्मत, शौचालय का प्रावधान, शौचालय ब्लॉक का नवीनीकरण (सैनिटरी फिटिंग को बदलकर), सफेदी और अन्य विविध कार्य शामिल हैं। यह कार्य एडीईएन/एनडीएलएस के अंतर्गत एसएसई/डब्ल्यू/एनडीएलएस अनुभाग में किया जाएगा।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs. 1,99,17,362.47/- (रुपये एक करोड़ निन्यानवे लाख सत्रह हजार तीन सौ बासठ और सैंतालीस पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	Rs. 3,98,400.00/- (रूपये तीन लाख अट्ठानवे हजार चार सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	30.04.2026 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04-410-32

• ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। **सं.: 128-W/280/इ-निविदा सूचना/02/2026-27/W-3 दिनांक : 07.04.2026** **1164/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोनिस** पुत्र लियाकत निवासी नूरानी मस्जिद के पास, मोहल्ला लोक प्रिय विहार, संडे बाजार खोरा कॉलोनी, थाना खोरा, गाजियाबाद ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 104/2018 धारा 356/379/34 भा.द.स, थाना गाजीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोनिस** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **मोनिस** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **मोनिस, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 104/2018 धारा 356/379/34 भा.द.स, थाना गाजीपुर, दिल्ली** के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री सचिन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
पूर्वी जिला, न्यायालय संख्या 16
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4541/ED/2026

NAME CHANGE
I, ANURAG GOYAL S/O SARVESH KUMAR R/O IOH NO-1/11427, GALI NO-1, SUBHASH PARK EXT, NAVEEN SHAHDARA, NORTH EAST DELHI-110032. have changed my name to ANURAG GOEL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RAJWATI DEVI Mother of No-3210947P Rank-NK Name-MUNENDRA CHAUDHRY residing at VILL-JAMALPUR SIYA, PO-AMROLI, ALIGARH, UTTAR PRADESH-202122, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 17/03/1953 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KIRAN DEVI Mother of No-15720222P, Rank-L/NK, Name-DEEPAK SINGH Residing at VILL-SOHAT, PO-KAIMA, TEH-NICHLAUL, DISTT-MAHARAJGANJ, UTTAR PRADESH-273163, have changed my name from KIRAN DEVI to KIRAN SINGH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 04/07/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1957 vide Affidavit dated 08/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RADHIKA SINGH W/O Late VIKRANT, R/O 1/7074A, FIRST FLOOR, GOVIND MARG, SHIVAJI PARK EXTN, SHAHDARA, DELHI-110032, have changed the name of my minor son KRITANSH SINGH, aged 13 years and he shall hereafter be known as KAARTIK SINGH. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, BOHTI DEVI mother of No-2706282Y, Rank HAV, Name-RAKESH KUMAR Unit-04 GDRS residing at VPO-HATHIRA, TEH-THANESAR, DISTT-KURUKSHETRA, HARYANA-136119 have changed my name from BOHTI DEVI to BOHTI for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RANJANA DEVI W/O RAJ KUMAR R/O B-1/162, J J COLONY, MADANPUR KHADAR, SARITA VIHAR, DELHI-110076. have changed my name and shall hereafter be known as RANJAN DEVI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डीसी व एसपी ने किया जुलाना अनाज मंडी का दौरा

एजेंसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा व पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने जुलाना की नई अनाज मंडी का दौरा कर रबी सीजन 2026-27 के लिए गेहूं और सरसों की खरीद प्रक्रिया का संयुक्त रूप से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों से भी बातचीत की और उन द्वारा रखी गई मांगों के बारे में जानकारी ली। किसानों ने डीसी को आश्वस्त किया कि फसल खरीद कार्य में प्रशासन व किसानों का पूरा सहयोग करेंगे। डीसी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि किसानों के लिए दी जाने वाली जरूरी सुविधाओं के लिए किसी प्रकार की कोई कोर कसर बाकी न रहे। इस दौरान उनके साथ जुलाना के एसडीएम होशियार सिंह, डीआरओ राजकुमार, डीएफएससी राजेश कुमार आर्य, नायब तहसीलदार सिराज खान, सचिव कोमिला, मार्केट कमेटी के चेयरमैन मनोज कुमार, मंडी प्रधान पवन लाठर, सतीश कुमार के अलावा आढ़ती तथा किसान उपस्थित रहे। डीसी ने मंडी में किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, फसल सत्यापन प्रक्रिया, बिजली, पानी, साफ.-सफाई और बायोमैट्रिक प्रणाली सहित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

सोनीपत में विधायक ने करोड़ों के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

सोनीपत। सोनीपत में कच्चे क्वार्टर मार्केट क्षेत्र में विकास कार्यों का विधायक निखिल मदान और पूर्व मेयर राजीव जैन ने पूर्व पार्षद इंदु संजीव वलेचा के साथ नारियल तोड़कर कार्य आरंभ कराया। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों की उपस्थिति रही और लोगों ने विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। कच्चे क्वार्टर मार्केट, कल्याण नगर, बत्रा कॉलोनी, भीम नगर और ज्ञान नगर की जर्जर गलियों का सीसी से निर्माण किया जाएगा। लंबे समय से टूटी सड़कों और अधूरे कार्यों के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब इन क्षेत्रों में नई सीसी गलियां बनाकर समस्या का समाधान किया जाएगा। विधायक निखिल मदान ने बताया कि कच्चे क्वार्टर क्षेत्र की पुरानी और टूट चुकी गलियों को नए सिरे से बनाया जा रहा है। कई स्थानों पर सीवरेज और पेयजल लाइन बिछाने के बाद सड़क निर्माण अधूरा रह गया था। अब इन सभी गलियों का निर्माण पूरा किया जाएगा। इस हिस्से के कार्यों पर लगभग 83 लाख रुपए खर्च होंगे, जिससे आवागमन सुगम और सुरक्षित बनेगा। पूर्व मेयर राजीव जैन ने कहा कि कल्याण नगर, बत्रा कॉलोनी, भीम नगर और ज्ञान नगर की गलियों का निर्माण भी इसी योजना का हिस्सा है।

शहरवासी पीएनजी कनेक्शन लगवाएं: उपायुक्त नेहा सिंह

सोनीपत। उपायुक्त नेहा सिंह ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में पीएनजी लाइन बिछ चुकी है, वहां नागरिक एलपीजी की जगह पीएनजी कनेक्शन अवश्य लगवाएं। जिन घरों में पहले से पीएनजी कनेक्शन मौजूद हैं, वे एलपीजी सिलेंडर न लें और केवल पीएनजी का ही उपयोग करें। पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि पीएनजी लाइन बिछाने वाली कंपनी यदि एनओसी के लिए आवेदन करे तो उस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए एनओसी जारी की जाए। प्रतिदिन वितरित किए गए गैस सिलेंडरों का डाटा उपायुक्त कार्यालय में भेजें। बैठक में गेहूं खरीद और किसानों से जुड़े मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर चल रही डाटा सत्यापन प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करें ताकि किसानों को फसल बेचते समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रत्येक किसान का बायोमेट्रिक पंजीकरण अनिवार्य रूप से किया जाएगा। किसानों से अपील की गई कि वे फसल को अच्छी तरह सुखाकर और साफ अवस्था में ही मंडी लाएं, जिससे खरीद प्रक्रिया तेज और गुणवत्तापूर्ण बनी रहे। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों और गैस वितरण कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र, एसडीएम गोहाना डॉ. अनमोल, एसडीएम खरखौदा अमित कुमार, एसडीएम गन्नौर प्रवेश कादियान, गोहाना शुगर मील की एमडी अंकिता वर्मा, नगराधीश सिमरन, डीआरओ सुशील शर्मा, डीडीपीओ मनीष मलिक, तहसीलदार कीर्ति, डीएफएससी विसेंल सहरावत सहित संबंधित सभी अधिकारी व गैस वितरण करने वाली कंपनियों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

डीएचबीवीएन ने दिए निष्क्रिय 33 केवी व 11 केवी बिजली लाइनों को हटाने के निर्देश

हिसार। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने प्रदेश में निष्क्रिय 33 केवी एवं 11 केवी बिजली लाइनों को हटाने के लिए सभी ऑपरेशन सर्किलों को निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में मुख्यअभियंता, पीडी एंड सी कार्यालय द्वारा इस संबंध में सभी ऑपरेशन के अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश जारी किए गए हैं। प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह की ओर से मंगलवार को जारी निर्देशों में कहा गया है कि निगम की होल टाइम डायरेक्टर्स (डब्ल्यूटीडी) की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। सभी एसई (ऑपरेशन) सर्कल तथा निर्माण सर्कल संयुक्त रूप से अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसी 33 केवी लाइनों की पहचान करें, जो वर्तमान में उपयोग में नहीं हैं या भविष्य में 33 केवी सब-स्टेशनों के मुख्य या वैकल्पिक स्रोत के रूप में उपयोग नहीं की जाएंगी। इसी प्रकार सभी सर्कलों को निष्क्रिय 11 केवी लाइनों की भी पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं, जो भविष्य में 11 केवी फीडरों के लिए उपयोग में नहीं लाई जानी हैं।

बंगाल में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बन रही है सरकार : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बंगाल की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनाना चाहते हैं। इसलिए बंगाल में चारों तरफ भाजपा की लहर चल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान श्रीरामपुर विधानसभा के प्रत्याशी का नामांकन भरने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने श्रीरामपुर विधानसभा के प्रत्याक्षी के पक्ष में रोड शो कर लोगों से भाजपा के समर्थन में वोट डालने की अपील की। मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लगातार कम्युनिष्ट पार्टी ने बंगाल के लोगों का शोषण किया है। बड़ी अपेक्षा के साथ लोगों ने ममता बनर्जी की सरकार बनाई थी, लेकिन इस सरकार ने कम्युनिस्टों से भी ज्यादा अत्याचार किए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल के लोगों ने अब मन बना

लिया है कि बीजेपी सरकार बनानी है बंगाल में ना रोजगार है, ना किसानों की एमएसपी पर फसल बिक रही है और न ही उचित मूल्य दिया जा रहा है। बंगाल में महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी महिलाओं की सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार ने जिस प्रकार का ताण्डव किया है, उससे जनता त्रस्त हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने घुसपैठियों को संरक्षण देने का कार्य किया है। इससे हमारी आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने को ठेस पहुंचाने का काम किया है। भ्रष्टाचार में फसी हुई ममता सरकार स्वंय को साधारण होने का दिखावा करती है लेकिन उनकी सरकार में बड़े बड़े घोटाले हो रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार गरीब लोगों की भलाई के लिए कार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने अब तक 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का कार्य किया है। भाजपा की नीतियों से गरीब व्यक्तियों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की बहुत सारी जनहितैषी नीतियां हैं लेकिन पश्चिमी बंगाल में एक भी नीति को लागू नहीं किया गया। आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं राजनीतिक द्वेष के चलते बंगाल में लागू नहीं की गई। इसका परिणाम है कि बंगाल में और अधिक गरीबी बढ़ती जा रही है। जिसके चलते बंगाल के लोग ममता सरकार से निजात पाना चाह रहे हैं।

किसान संगठनों ने शर्तों व नियमों को हटाने की मांग पर किया प्रदर्शन, डीसी को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

सिरसा। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसान संगठनों ने सिरसा के लघु सचिवालय में फसल खरीद पर लगाई गई बेतुकी शर्तों और नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। किसान रघुबीर सिंह नकौड़ा, इकबाल सिंह, डा. सुखदेव सिंह आदि ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा फसलों की खरीद के लिए लगाई गई शर्तों और नए नियमों के कारण किसान परेशान हैं। बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन, ट्रैक्टर रजिस्ट्रेशन, ओटीपी और पोर्टल के न खुलने व नेटवर्क की समस्या किसानों के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। गेटपास बनवाने में एक किसान का आधा घंटा लग जाता है। अंगूठे से पहचान नहीं हो पा रही है। सब किसानों के पास अपने ट्रैक्टर नहीं हैं। छोटे किसानों को किराए के ट्रैक्टर ले जाने पड़ते हैं। मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के बाद भी ई-फरीद पर डाटा अपलोड नहीं हो रहा। पोर्टल पर

फसल बूढ़े और बीमार पिता के नाम पर दर्ज है। बेटा या पोता लेकर आता है तो गेट पास नहीं बनता। किसानों ने इन शर्तों और नए नियमों को वापस लेने की मांग की। इस हरजिंदर सिंह नानूआना, लक्खा सिंह अलीकां, तिलक राज विनायक, भजन लाल बाजेकां, इकबाल सिंह नेजाडेला, धन्ना सिंह रायसर, जस्सा नानूआना, होशियार सिंह नेजाडेला, कृष्ण लाल फौजी सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

अनाज मंडियों में फसल की सुरक्षा को पुलिस का पहरा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि फसली सीजन के मद्देनजर जिले की अनाज मंडियों में सुरक्षा के व्यापक और सख्त प्रबंध किए गए हैं। मंडियों में पुलिस जवानों की तैनाती कर दी गई है। साथ ही एसपी ने थाना प्रभारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र की अनाज मंडियों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी सतर्कता बरतें। उन्होंने बताया कि फसल की आवक और सरकारी खरीद प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसके चलते आने वाले दिनों में फसलों की आवक तेज होगी। किसानों और व्यापारियों के बीच बड़ी मात्रा में नकद लेन-देन होता है, जिससे असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने की संभावना बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस द्वारा सभी प्रमुख अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि प्रत्येक अनाज मंडी के आसपास पुलिस टीमें तथा मोटरसाइकिल राइडर लगातार गश्त करेंगी। इसके अलावा, संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। मंडियों के आसपास नाकाबंदी कर आने-जाने वाले व्यक्तियों की जांच की जा रही है, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

गेहूं खरीद सीजन की व्यवस्थाओं को लेकर डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

एजेंसी

कैथल। रबी खरीद सीजन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उपायुक्त अपराजिता ने सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी अपनी ड्यूटी के दौरान मंडियों में मौजूद रहें, ताकि किसानों को अपनी समस्या के समाधान के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। लघु सचिवालय स्थित वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में आयोजित बैठक में डीसी अपराजिता ने कहा कि यदि कोई किसान गेहूं लेकर मंडी में पहुंचता है और उसे गेट पास, बायोमेट्रिक, बारदाना या अन्य किसी प्रक्रिया में परेशानी आती है तो मौके पर ही उसकी समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सुचारु बनाए रखना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

डीसी ने निर्देश दिए कि खरीद

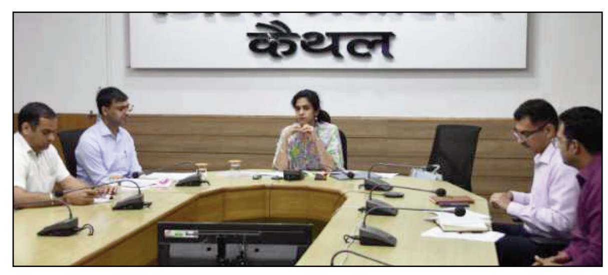

एजेंसियों के अधिकारी प्रतिदिन शाम तक बायोमेट्रिक, गेट पास, खरीद, फसल उठान और भुगतान से संबंधित रिपोर्ट डीसी कार्यालय में प्रस्तुत करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मंडियों में गेट पास के दौरान जाम जैसी स्थिति उत्पन्न न हो और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से संचालित हों। फसल सत्यापन (वेरिफिकेशन) को लेकर भी उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी किसान को मंडी गेट से वापस न लौटाया जाए और उसकी एंट्री तुरंत दर्ज की जाए।डीसी अपराजिता ने कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को डेटा मिलान का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में अब तक 4,659 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है, जिसमें से 4,500 मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है। इसके अलावा 3,877 क्विंटल सरसों की आवक दर्ज की गई, जिसकी पूरी खरीद कर ली गई है। डीसी ने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह सुखा कर ही मंडी में लेकर आएं, ताकि खरीद प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके और किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

एचसीएस की परीक्षा में सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना आयोग की प्राथमिकता: सोनिया त्रिखा

•26 अप्रैल को दो सत्रों में होगी परीक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश

•हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सोनिया त्रिखा खुल्लर ने ली बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा आयोजित एचसीएस (एक्जीक्यूटिव ब्रांच) एवं अन्य संबद्ध सेवाओं की प्रारंभिक परीक्षा-2025 के सफल आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एचपीएससी सदस्य सोनिया त्रिखा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और बेहतर समन्वय के साथ संपन्न कराया जाए। उपायुक्त अजय कुमार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य का गुरुग्राम पहुंचने पर स्वागत किया और पूर्व में आयोजित परीक्षाओं के अनुभव भी सांझा किए।

उन्होंने बताया कि परीक्षा 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को दो सत्रों में होगी। प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय

सत्र शाम तीन बजे से पांच बजे तक का होगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। बैठक में परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए गए कि सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी रखी जाए और बायोमेट्रिक सत्यापन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज की जाए। मोबाइल जैमर के जरिए नेटवर्क नियंत्रित रखने, फ्रिस्किंग और बैगेज प्रबंधन को सख्ती से लागू करने तथा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू कर भीड़ एकत्र होने से रोकने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा केंद्रों के 500 मीटर के दायरे में पार्किंग और अनावश्यक गतिविधियों पर रोक लगाने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश भी दिए गए। सोनिया त्रिखा ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की नकल या अनुचित गतिविधि को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए तथा परीक्षा के दौरान लगातार निरीक्षण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अधिकारी और ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी परीक्षार्थियों के साथ संवेदनशील और सकारात्मक व्यवहार रखें। उन्हें अपने बच्चों के समान समझते हुए उनकी सुविधा, सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा केंद्रों पर आने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रवेश से लेकर परीक्षा समाप्ति तक हर व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की जाए।

उपायुक्त ने कहा,जिले में गैस आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, अफवाहों से दूर रहें

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर जिले में घरेलू और व्यावसायिक गैस की उपलब्धता को लेकर प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उपायुक्त प्रीति की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों और एजेंसियों से विस्तृत जानकारी ली गई। बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि विभिन्न गैस कंपनियों के माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही व्यावसायिक उपयोग के लिए भी गैस की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी है, जिससे उद्योगों और व्यवसायों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ रहा।

उपायुक्त ने कहा कि शहर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन पहुंच चुकी है, वहां के उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने ऐसे उपभोक्ताओं से अपील की कि वे स्वेच्छा से अपने एलपीजी कनेक्शन एजेंसियों में जमा कर दें, ताकि आपूर्ति व्यवस्था और अधिक संतुलित हो सके। प्रशासन के अनुसार पिछले एक सप्ताह में हजारों घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की गई है, जबकि पीएनजी कनेक्शन धारकों को भी नियमित रूप से गैस उपलब्ध कराई जा रही है।

इससे स्पष्ट है कि जिले में गैस वितरण प्रणाली सुचारु रूप से संचालित हो रही है। उपायुक्त ने आम नागरिकों और श्रमिक वर्ग से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करें। प्रशासन द्वारा सभी उपभोक्ताओं तक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैस आपूर्ति से जुड़ी व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए और किसी भी स्तर पर बाधा उत्पन्न न होने दी जाए।

जिला व उपमंडल स्तर पर निरीक्षण कमेटियों का गठन

रबी सीजन की उपज की अवैध जमाखोरी, भंडारण व मंडी शुल्क की चोरी पर रखेंगी नजर

एजेंसी

तावडू। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड पंचकूला के निर्देशानुसार रबी विपणन सीजन-2026 के दौरान जिला नूंह की मंडियों में सरसों, गेहूं सहित अन्य कृषि उपज की अवैध जमाखोरी, भंडारण तथा मंडी शुल्क की चोरी की संभावना को खत्म करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला एवं उपमंडल स्तर पर निरीक्षण कमेटियों का गठन किया गया है।

अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति ने बताया कि जिला स्तरीय कमेटी में अतिरिक्त उपायुक्त अध्यक्ष होंगी व सदस्य के रूप में पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि, जिला राजस्व अधिकारी, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक, जिला प्रबंधक हैफेड के प्रतिनिधि व जिला प्रबंधक एचएसडब्ल्यूसी के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसी प्रकार उपमंडल स्तरीय कमेटी नूंह में एसडीएम नूंह अध्यक्ष होंगे तथा सदस्य के रूप में नूंह शहर थाना प्रभारी, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नूंह, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से तारिफ, हैफेड से

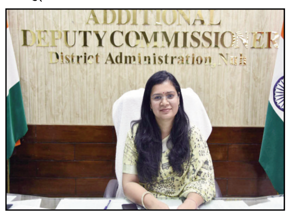

मुकेश कुमारी, एचएसडब्ल्यूसी से पर्चेजर जमील शामिल हैं। इसी प्रकार उपमंडल स्तरीय कमेटी पुन्हाना में एसडीएम पुन्हाना अध्यक्ष होंगे तथा सदस्य के रूप में पुन्हाना शहर थाना प्रभारी, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी पुन्हाना, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से अब्दुल अजीज, हैफेड से मनोज कुमार, एचएसडब्ल्यूसी से पर्चेजर राजेंद्र सिंह शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उपमंडल स्तरीय कमेटी तावडू से एसडीएम तावडू अध्यक्ष होंगे तथा सदस्य के रूप में तावडू शहर थाना प्रभारी, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी तावडू, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से नासिर खान, हैफेड से एजीएम नीरज कुमार, एचएसडब्ल्यूसी से पर्चेजर विकास बूरा शामिल हैं। इसी प्रकार उपमंडल स्तरीय कमेटी फिरोजपुर झिरका से एसडीएम फिरोजपुर झिरका अध्यक्ष होंगे तथा सदस्य के रूप में फिरोजपुर झिरका शहर थाना प्रभारी, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी फिरोजपुर झिरका, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से रणसिंह, हैफेड से मोहम्मद हुसैन, एचएसडब्ल्यूसी से पर्चेजर सुनील कुमार शामिल हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कमेटियां अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करेंगी तथा सरसों, गेहूं एवं अन्य कृषि उपज की अवैध जमाखोरी व भंडारण के मामलों की जांच करेंगी। साथ ही यह सुनिश्चित करेंगी कि मंडी शुल्क की किसी भी प्रकार की चोरी न हो। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल में एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं, 3723 सिलेंडरों का मजबूत स्टॉक: कैप्टन मनोज कुमार

एजेंसी

नारनौल। जिले में रसोई गैस की किसी प्रकार की कमी नहीं है और जिला प्रशासन उपभोक्ताओं को बिना किसी बाधा के गैस उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

यह जानकारी उपायुक्त ने हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक के दौरान दी। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ एलपीजी और पीएनजी वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बताया कि छह अप्रैल तक के आंकड़ों के अनुसार जिले की विभिन्न गैस एजेंसियों के पास कुल तीन हजार सात सौ 23 एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इसके साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक ही दिन में तीन हजार दो सौ 93 सिलेंडरों की सफल डिलीवरी सुनिश्चित की गई है, जो प्रशासन की सक्रियता और बेहतर प्रबंधन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वितरण प्रणाली को मजबूत बनाए रखने के लिए एजेंसियों को लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं, ताकि किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना न करना पड़े।

उपायुक्त ने जानकारी दी कि छोटे उपभोक्ताओं और तात्कालिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जिले के विभिन्न केंद्रों पर पांच किलो वाले 245 भरे हुए सिलेंडर भी स्टॉक में उपलब्ध हैं।

पीएनजी कनेक्शन वाले स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से बंद होगी सिलेंडरों की सप्लाई: अजय कुमार

पीएनजी कनेक्शन के लिए तीन माह के भीतर आवेदन करने की अपील

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला में स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) व्यवस्था का विस्तार किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में अधिकृत एजेंसी द्वारा पीएनजी पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां के निवासियों को इस आधुनिक सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि ऐसे सभी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को इस खबर के प्रकाशित होने से तीन माह के भीतर अधिकृत एजेंसी से घरेलू पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन कर इसे प्राप्त करना चाहिए। इससे वे निरंतर, सुरक्षित और बिना किसी झंझट के गैस

आपूर्ति का लाभ ले सकेंगें। उन्होंने कहा कि पीएनजी गैस न केवल सुरक्षित है, बल्कि इसमें सिलेंडर बदलने की परेशानी भी नहीं होती और यह पर्यावरण के लिए भी बेहतर विकल्प है। इससे उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ-साथ समय की बचत भी होगी। डीसी ने कहा कि निर्धारित तीन महीने की अवधि के बाद संबंधित क्षेत्रों में एलपीजी की आपूर्ति को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग पीएनजी जैसी आधुनिक सुविधा से जुड़ सकें। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस पहल को सकारात्मक रूप से अपनाते हुए समय रहते पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करें और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग में भागीदार बनें।

गुरुग्राम निगम क्षेत्र में एक सप्ताह में सडक़ों की एमआईएस मैपिंग हो पूरी: प्रदीप दहिया

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शहर में विकास कार्यों की प्रभावी निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अत्याधुनिक मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) मैपिंग पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल पर विभिन्न विकास कार्यों की मैपिंग का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में सहायक अभियंताओं और कनिष्ठ अभियंताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका सहित कार्यकारी अभियंता व सहायक अभियंता उपस्थित थे।

प्रशिक्षण के दौरान अभियंताओं को पोर्टल पर कार्यों की मैपिंग प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें निर्देश दिए गए कि प्रथम चरण में एक सप्ताह के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों की सडक़ों की मैपिंग का कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। साथ ही, यदि किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता की आवश्यकता हो तो संबंधित तकनीकी टीम से तुरंत संपर्क करने को कहा गया। निगम अधिकारियों ने बताया कि सडक़ों के बाद आगामी चरणों में सीवरेज, ड्रेनेज, स्ट्रीट फर्नीचर सहित अन्य विकास कार्यों को भी पोर्टल पर मैप किया जाएगा। इससे न केवल कार्यों की निगरानी अधिक प्रभावी, सरल और पारदर्शी होगी, बल्कि फेक बुकिंग और अनियमितताओं पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा। बैठक के दौरान निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने आगामी मानसून सीजन को लेकर भी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अभियंता अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। जलभराव जैसी समस्याओं से निपटने के लिए पहले से ही पर्याप्त मशीनरी, पंप और अन्य संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि इस मानसून के दौरान शहर में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं होनी चाहिए और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि एमआईएस मैपिंग पोर्टल के माध्यम से नगर निगम गुरुग्राम तकनीक का उपयोग कर प्रशासनिक कार्यों को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

शेयर बाजार बंपर उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 2,946.32 , निफ्टी 873 अंक उछला निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए का फायदा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के भारी तेजी रही। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये बंपर तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक के उछाल के साथ ही 77,563.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 873.70 अंक बढ़कर 23,997.35 पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष थमने के बाद बाजार में चौतरफा तेजी रही। रियल्टी और ऑटो स्टॉक्स में आज भारी तेजी रही। निफ्टी रियल्टी, और निफ्टी ऑटो की मजबूती के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे। निफ्टी निजी बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरबेल्स और निफ्टी इन्फ्रा बढ़त के साथ बंद हुआ। एक भी सूचकांक में गिरावट नहीं रही। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2,198.95 अंक की बढ़त के साथ 56,799.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 694.75 अंक की बढ़त के साथ 16,538.05 पर पहुंचा। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एसबीआई के शेयर लाभ में रह जबकि टेक महिंद्रा, सन फार्मा और पावर ग्रिड में गिरावट रही।

बाजार में तेजी के कारण कंपनियों का बाजार पूंजीकर 17 लाख करोड़ रुपए बढ़कर करीब 446 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 429 लाख करोड़ रुपए था। बाजार जानकारों के अनुसार युद्ध विराम की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 14 फीसदी नीये आकर 94 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा। इसी प्रकार आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता नजर आया।

वैश्विक स्तर पर सकारात्मक माहौल और एशियाई बाजारों में मजबूती का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखाई दिया। सेंसेक्स 3

फीसदी से अधिक उछलकर 77,000 के पार खुला। वहीं ``निफ्टी भी तेजी के साथ 23,800 के ऊपर पहुंच गया।

हुंदै मोटर इंडिया मई से वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माता कंपनी हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने बढ़ती लागत के कारण मई से अपने वाहनों की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की बुधवार को जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने मई 2026 से अपने सभी मॉडल की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की योजना बनाई है। यह मूल्य संशोधन विभिन्न लागतों में वृद्धि के कारण किया जा रहा है। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी विभिन्न मॉडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा` कि हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि बढ़ती लागत को खुद वहन कर ग्राहकों को कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाया जाए। हालांकि, कच्चे माल की लागत में लगातार वृद्धि से इसका एक हिस्सा मामूली मूल्य वृद्धि के रूप में ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है।

यूएस-ईरान युद्धविराम और आरबीआई की नीति से बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट

- बॉन्ड प्रतिफल 0.12 प्रतिशत घटकर सात प्रतिशत से नीचे आया

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को 5.25 फीसदी पर यथावत रखने के फैसले से बुधवार को भारत के बॉन्ड बाजार में राहत देखने को मिली। इस फैसले के बाद 10-वर्षीय मानक बॉन्ड का प्रतिफल 7 प्रतिशत से नीचे आ गया जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। भारतीय समाशोधन निगम के अनुसार, सुबह के कारोबार में 10-वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल 7.04 फीसदी से घटकर 6.92 फीसदी पर आ गया। पश्चिम एशिया में युद्धविराम के बाद बॉन्ड बाजार की धारणा बेहतर हुई, जिससे निवेशकों ने बिकवाली कम की। युद्धविराम के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 94.94 डॉलर प्रति बैरल पर बनी, जो कुछ दिन पहले 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई थी। इससे भारत जैसे तेल आयातक देशों में आयातित मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ। अप्रैल में आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर 5.25 फीसदी पर स्थिर रखने से बॉन्ड प्रतिफल को अतिरिक्त समर्थन मिला। नीति निर्णय ऐसे समय आया है जब करीब 40 दिन से पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी और बॉन्ड प्रतिफल बढ़कर 7 फीसदी से ऊपर चला गया था।

खुदरा मुदास्फीति के चालू वित्त वर्ष में 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान आरबीआई

– महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा महंगाई दर को 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह दर केंद्रीय बैंक के निर्धारित लक्ष्य के भीतर है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल की बैठक में आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर बढ़ती अनिश्चितताओं के मद्देनज़र रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी करते हुए बुधवार को कहा कि अप्रैल-जून की पहली तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। दूसरी तिमाही में इसके 4.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.2 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पाया कि पिछली नीतिगत बैठक के बाद से भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं काफी बढ़ गई हैं। कुल महंगाई नियंत्रण में है और लक्ष्य से नीचे है। हालांकि, महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ गया है। इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव और मौसम में बदलाव है जिसकी वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ सकता है।''इसके अलावा, मुख्य महंगाई का दबाव भी कम बना हुआ है। हालांकि, आपूर्ति श्रृंखला की दिक्कतों और दूसरे दौर के प्रभाव का जोखिम भविष्य में महंगाई के रास्ते को अनिश्चित बना देता है। मल्होत्रा ने साथ ही कहा कि अर्थव्यवस्था को आपूर्ति में झटके का सामना करना पड़ रहा है। बदलते हालात, आर्थिक वृद्धि तथा महंगाई के बदलते दृष्टिकोण पर नजर रखना समझदारी होगी। इसी को देखते हुए एमपीसी ने रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर ही बनाए रखने का फैसला किया है।

खुदरा महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई थी। फरवरी के महंगाई के आंकड़े नई उपभोक्ता मूल्य श्रृंखला पर आधारित थे जिसका आधार वर्ष 2024 है।

अमेरिकी अदालत में गौतम-सागर अदाणी की एसईसी याचिका पर सुनवाई तय

– अदाणी पक्ष अब 30 अप्रैल तक फाइनल मोशन दाखिल कर मामले को खारिज कराने की दलीलें पेश करेगा

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा दायर धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से याचिका खारिज करने की अनुमति मांगी। न्यूयॉर्क की पूर्वी जिला अदालत ने प्रतिवादियों की प्री-मोशन कॉन्फ्रेंस याचिका को मंजूरी देते हुए दोनों पक्षों को बातचीत का समय तय करने का निर्देश दिया। मुकदमा नवंबर 2024 में शुरू हुआ था। एसईसी का आरोप है कि अदाणी समूह ने भारत में सौर ऊर्जा ठेके प्राप्त करने के लिए अधिकारियों को कथित रूप से 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का प्रयास किया और अमेरिकी निवेशकों तथा बैंकों को योजना की जानकारी नहीं दी। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिकी विदेशी भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कोई उल्लंघन नहीं हुआ। अदाणी के वकीलों ने कहा कि मामला पूरी तरह भारत में हुआ और अमेरिकी कानून का क्षेत्राधिकार लागू नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि बॉन्ड बिक्री 75 करोड़ डॉलर की अमेरिका के बाहर हुई, निवेशकों को कोई नुकसान नहीं हुआ, और कथित बयान केवल सामान्य प्रशंसात्मक बातें थीं। अदालत को बताया गया कि अदाणी ग्रीन का अमेरिकी निवेशकों तक पहुंचने में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। न्यूयॉर्क की पूर्वी जिला अदालत ने प्रतिवादियों की याचिका स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों को प्री-मोशन

बातचीत का समय तय करने का निर्देश दिया। अदाणी पक्ष अब 30 अप्रैल तक फाइनल मोशन दाखिल कर मामले को पूरी तरह खारिज कराने की दलीलें पेश करेगा।

युद्धविराम से कच्चा तेल छह प्रतिशत टूटकर निचले सर्किट में पहुंचा

कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव 640 रुपये टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल

–नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बुधवार को कच्चे तेल के वायदा भाव में तेज गिरावट आई और यह छह प्रतिशत लुढ़ककर निचले सर्किट स्तर पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव 640 रुपये या छह प्रतिशत टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल पर आ गया जो इसका निचला सर्किट स्तर है। इसी तरह मई में आपूर्ति वाला अनुबंध भी 565 रुपये फिसलकर 8,860 रुपये प्रति बैरल के निचले सर्किट स्तर पर पहुंच गया। तनाव कम होने से आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं घटने के बीच बाजार में तेज बिकवाली देखी गई। वैश्विक बाजारों में भी अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद तेल कीमतों में गिरावट आई। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मई में आपूर्ति वाला वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल 17.11 डॉलर या 15.15 प्रतिशत फिसलकर 95.84 डॉलर प्रति बैरल रह गया। वहीं जून में आपूर्ति वाले ब्रेंट क्रूड के अनुबंध का भाव 14.52

डॉलर या 13.29 प्रतिशत कम होकर 94.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद भू-राजनीतिक जोखिम घटने से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनने के बाद वह ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को स्थगित करेंगे। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने संकेत दिया कि इस अवधि के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन की अनुमति दी जाएगी जिससे आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं कम हो गई हैं।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर का मिलाजुला प्रदर्शन

- वेस्ट एशिया संकट और महंगे कच्चे माल ने बढ़ाई चुनौतियां

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। शुरुआती महीनों में मांग मजबूत थी, लेकिन मार्च के अंत में वैश्विक और मौसमी कारकों ने स्थिति को प्रभावित किया। बाजार के जानकारों के मुतो बिक इस सेक्टर की कुल आय में लगभग 12 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है, लेकिन शुद्ध मुनाफा करीब 5 प्रतिशत घटने का अनुमान है। ऐ बि टिडा लगभग स्थिर रहने की संभावना है। लागत बढ़ने के कारण ऑपरेटिंग मार्जिन घटकर लगभग 10 प्रतिशत रह सकता है। केबल और वायर सेगमेंट में जनवरी और फरवरी में इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और इंडस्ट्रियल सेक्टर से मजबूत मांग देखने को मिली। लेकिन मार्च में वेस्ट एशिया संकट से सप्लाई में बाधा आई और मिडिल ईस्ट के लिए एक्सपोर्ट प्रभावित हुए। साथ ही कॉपर और एल्युमिनियम जैसी कच्ची वस्तुओं की कीमतें बढ़ी, जिससे लागत और मार्जिन पर दबाव पड़ा। एयर कंडीशनर की मांग उत्तर और मध्य भारत में गर्मी के शुरुआती दिनों में बढ़ी, लेकिन मार्च के अंत में बेमौसमी बारिश से मांग अचानक कमजोर हो गई। दक्षिण और पूर्व भारत में गर्मी देर से आई, जबकि पश्चिम भारत में स्थिति सामान्य रही। वॉशिंग मशीन की मांग सामान्य रही, जबकि टीवी और फ्रिज की मांग आईपीएल सीजन और बढ़ते तापमान के कारण धीरे-धीरे सुधार दिखाने लगी। एफएमईजी सेगमेंट में जैसे फैन, लाइट और स्विच, कमजोर उपभोक्ता भावना के कारण मांग कमजोर रही। कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी ने इस सेगमेंट के मार्जिन पर भी दबाव डाला।

आरबीआई का 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.9 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह वित्त वर्ष 2025-26 के अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है। आरबीआई ने इसे पश्चिम एशिया संकट, जिंस की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी वैश्विक चुनौतियों से जोड़कर बताया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और बढ़ी हुई ढुलाई एवं बीमा लागत से माल निर्यात पर दबाव पड़ सकता है।

ऊर्जा और अन्य जिंस की ऊंची कीमतें, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान, घरेलू उत्पादन की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा वैश्विक वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता भी वृद्धि संभावनाओं पर दबाव डाल रही है। मल्होत्रा ने बताया कि घरेलू मांग को कई कारक समर्थन देंगे-

* **सेवा क्षेत्र की मजबूती**
* **माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों का युक्तिकरण**
* **विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग में वृद्धि**
* **वित्तीय संस्थानों और कॉरपोरेट के मजबूत बही-खाते**

इसके अलावा, केंद्रीय बजट 2026-27 में रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयास दीर्घकालिक वृद्धि के लिए सकारात्मक हैं।

तिमाही आधार पर वृद्धि का अनुमान- आरबीआई के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में तिमाही आधार पर वृद्धि दर का अनुमान इस प्रकार है-

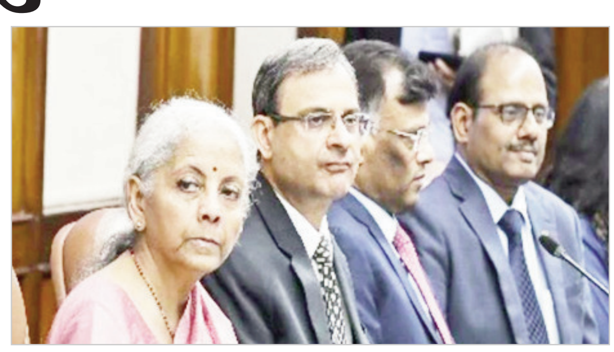

* पहली तिमाही- 6.8 फीसदी
* दूसरी तिमाही 6.7 फीसदी
* तीसरी तिमाही- 7.0 फीसदी
* चौथी तिमाही 7.2 फीसदी

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव, 5.25 फीसदी पर बरकरार

ईएमआई में राहत, मिडिल ईस्ट तनाव और महंगाई के जोखिम के बीच आरबीआई ने अपनाया सतर्क रुख

–नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और भू-राजनीतिक तनावों के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने 6 से 8 अप्रैल तक चली बैठक के बाद यह स्पष्ट किया कि फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। समिति ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉज़िट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी तथा बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि, अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है, लेकिन वैश्विक हालात इसे चुनौती दे रहे हैं। दुनिया भर में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का खतरा बना हुआ है, जिस पर तेल की बढ़ती कीमतों का असर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि तेल बाजार पर जियोपॉलिटिकल तनाव का साया अब भी मंडरा रहा है। इससे कीमतों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके साथ ही वैश्विक सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतें हालात को और जटिल बना रही हैं। वहीं वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी है और दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई को लेकर चिंता कम होने का नाम नहीं ले रही। ऐसे माहौल में, मजबूत घरेलू बुनियाद के बावजूद भारत को वैश्विक चुनौतियों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। एमपीसी बैठक का नतीजा बिज़नेस स्टैंडर्ड के सर्वे के मुताबिक रहा। सर्वे 10 अर्थशास्त्रियों के बीच किया गया था।

इसमें सभी प्रतिभागियों ने कहा था कि मौद्रिक नीति समिति नीतिगत रीपो दर को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकती है क्योंकि वह युद्ध के वृद्धि और मुद्रास्फीति पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर रही है। आरबीएल बैंक को छोड़कर सर्वेक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों का कहना था कि मौद्रिक नीति पर तटस्थ रुख में कोई बदलाव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि न्यूट्रल रुख केंद्रीय बैंक को जरूरत के हिसाब से किसी भी दिशा में कदम उठाने की सहूलियत देता है। रीपो रेट वह दर है, जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक बैंकों को कर्ज देता है। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। जब रेपो रेट बढ़ती है, तो बैंक भी लोन महंगे कर देते हैं, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ जाती है।

इसके उलट, जब रीपो रेट घटती है तो लोन सस्ते हो जाते हैं और ईएमआई का बोझ कम हो सकता है। हालांकि, इस स्थिति में सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत का हरित उत्थान

बिनोद कुमार सिंह

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

ईरान - इजराईल -अमेरिका तनाव और भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भरता की नई इबारत...

विश्व व्यवस्था के वर्तमान दौर में ऊर्जा केवल विकास का ईंधन नहीं, बल्कि सामरिक शक्ति,कूटनीतिक प्रभाव और आर्थिक स्थिरता का मूलाधार बन चुकी है।आज जब पश्चिम एशिया में ईरान,ईराक और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा संतुलन को अस्थिर कर दिया है,तब भारत का नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँचना केवल उपलब्धि नहीं,बल्कि एक दूरदर्शी राष्ट्रीय संकल्प की परिणति है।पश्चिम एशिया,जिसे विश्व की ऊर्जा धुरी कहा जाता है,लंबे समय से भू-राजनीतिक संघर्षों का केंद्र रहा है।ईरान और अमेरिका के बीच टकराव, ईरान की आंतरिक जटिलताएँ और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ आज उस स्थिति की ओर संकेत कर रही हैं जहाँ ऊर्जा आपूर्ति किसी भी क्षण बाधित हो सकती है।होर्मुज जलडमरूमध्य, जहाँ से विश्व के एक बड़े हिस्से का कच्चा तेल गुजरता है,इस तनाव का सबसे संवेदनशील बिंदु बन चुका है।यदि इस मार्ग में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है,तो उसका सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा–तेल की कीमतों में उछाल,महँगाई में वृद्धि और विकास की गति में मंदी के रूप में।भारत जैसे उभरते हुए राष्ट्र के लिए यह परिदृश्य एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है। देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है, इसका प्रमुख स्रोत यही पश्चिम एशिया है।ऐसे में वहाँ की अस्थिरता भारत की आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकती है।किंतु भारत ने इस चुनौती को केवल संकट के रूप में नहीं देखा,बल्कि इसे अवसर में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।पिछले एक दशक में भारत ने अपनी ऊर्जा नीति को पुनर्परिभाषित किया है।जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी,स्वच्छ तथा सतत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में एक व्यापक रणनीति अपनाई गई है।इसी का परिणाम है कि आज भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँच चुका है।केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस परिवर्तन की गवाही देते हैं।वर्ष 2025-26 भारत के ऊर्जा इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरा है।इस वर्ष 55 गीगावॉट से अधिक की गैर-जीवाश्म क्षमता वृद्धि ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल योजनाओं तक सीमित नहीं,बल्कि क्रियान्वयन के स्तर पर भी नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 274 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान सर्वाधिक है।सौर ऊर्जा ने 150 गीगावॉट का आँकड़ा पार कर लिया है, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत ने सूर्य की शक्ति को अपनी ऊर्जा रणनीति का केंद्र बना लिया है।पवन ऊर्जा भी इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरी है। 56 गीगावॉट से अधिक की स्थापित क्षमता यह दशार्ती है कि भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया है। इन दोनों स्रोतों - सौर और पवन– का संयुक्त योगदान अब देश के कुल बिजली उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।वर्ष 2025-26 में इनसे 276 बिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन हुआ, जो कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत है।यह परिवर्तन केवल आँकड़ों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सोच में आए व्यापक बदलाव का प्रतीक है।एक समय था जब भारत की ऊर्जा व्यवस्था कोयला और आयातित तेल पर आधारित थी,लेकिन आज वही व्यवस्था हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर है।यह बदलाव न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी अनिवार्य बन चुका है।

भारत ने इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि तब हासिल की जब जून 2025 में उसने अपने कुल स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर लिया।यह लक्ष्य पेरिस समझौता के तहत 2030 के लिए निर्धारित था,जिसे भारत ने पाँच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया। यह उपलब्धि वैश्विक मंच पर भारत की विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को और सुदृढ़ करती है।

सरकार की नीतिगत पहलों ने इस परिवर्तन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।सौर उपकरणों पर करों में कमी, बैटरी निर्माण को प्रोत्साहन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी योजनाओं ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, जिसे भविष्य का ईंधन माना जा रहा है,भारत को ऊर्जा निर्यातक देश बनने की दिशा में अग्रसर कर सकता है।ऊर्जा क्षेत्र में यह क्रांति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह रोजगार,निवेश और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी सृजित कर रही है।सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।हालाँकि इस विकास यात्रा में कुछ चुनौतियाँ भी हैं। ऊर्जा भंडारण की सीमित क्षमता,ग्रिड अवसंरचना का विस्तार,भूमि अधिग्रहण जैसी समस्याएँ अभी भी सामने हैं।जिस प्रकार भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है,उससे यह विश्वास मजबूत होता है कि आने वाले समय में इन बाधाओं को भी पार कर लिया जाएगा।

ईरानझ्र इजराईल- अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता किसी भी देश के लिए जोखिमपूर्ण हो सकती है। भारत ने इस सच्चाई को समय रहते समझ लिया और अपनी ऊर्जा नीति को उसी अनुरूप ढाल लिया। यही कारण है कि आज जब विश्व ऊर्जा संकट की आशंका से घिरा हुआ है, तब भारत एक स्थिर और आत्मनिर्भर ऊर्जा मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। निस्संदेह,यह समय ऊर्जा कूटनीति का है,जहाँ संसाधनों का नियंत्रण ही शक्ति का निर्धारण करता है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से इस शक्ति को हासिल करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।यह केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं,बल्कि भविष्य की अनिवार्यता भी है।

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

संपादकीय

मंडी पोर्टलों की बाधा

कहने को तो देश डिजिटल क्रांति के दौर में पहुंच चुका है और वित्तीय लेनदेन से लेकर तमाम क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक वरदान साबित हो सकती है। लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि देश का परंपरागत किसान डिजिटल सुविधाओं के उपयोग में खुद को सहज महसूस नहीं करता। आधुनिक डिजिटल तकनीक का प्रयोग नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप है, लेकिन पुरानी पीढ़ी इसके उपयोग में खुद को असहज पाती है। कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था। लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से द ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है। अब राज्य में फसलों की बिक्री के लिये अनिवार्य पोर्टल- ई-खरीद और मेरी फसल,मेरा ब्योरा यानी एमएफएमबी- साइट क्रैश, डेटा विसंगतियों और सत्यापन की विफलताओं से ग्रस्त है। जिससे कई तरह की समस्याओं से किसानों को रूबरू होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई जिलों में, किसानों को गेट पास तक नहीं दिए गए हैं। वजह यह बतायी जा रही है कि किसानों का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। कई बार अंतिम व महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वर ने काम नहीं किया। जिसका खमियाजा फसल बेचने आने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है। दरअसल, ऐसी अनेक तकनीकी जटिलताओं के परिणाम तात्कालिक व गंभीर बताये जाते हैं। किसानों की फसल तो बिक्री के लिये तैयार है, लेकिन कतिपय कारणों से उसे मंडियों में प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है किसान अपने खून-पसीने की फसल निजी व्यापारियों को बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान की मजबूरी ये होती है कि वह जल्द से जल्द फसल बेचना चाहता है। उसे अपने पहले के खर्च निकालने हैं और अगली फसल की तैयारी करनी है। जिसके चलते वह तुरंत भुगतान की आस में कम दाम में भी व्यापारियों को फसल बेचने को बाध्य हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एजेंसियां खरीद नहीं कर रही हैं, लेकिन फसल की आवक का एक छोटा हिस्सा ही खरीद पायी हैं। जो फसल खरीद के वायदे और वास्तविक तैयारी के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है। कुछ आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। विशेष रूप से, हरियाणा में गेहूं की खरीद को 80 लाख टन से घटाकर 72 लाख टन करने से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर्याप्त रूप में नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक घाटा उठाना पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का आहार है साधना

तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है, कहीं ऊपर स्वर्ग में। मन में बैठी इस धारणा के संग तुम ईश्वर से कुछ मांगना चाहते हो और उनसे कुछ लेना। परन्तु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नही होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। तुम ईश्वर को धारण किये हो। तुम्हें अपने गर्भ का ध्यान रखना है और इस शिशु को संसार में जन्म देना है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। ईश्वर पोषण के लिए पुकारते रहते हैं। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं।

तुम ऐसा क्यों सोचते हो कि ईश्वर एक ही हैं? ईश्वर भी अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वस्तुओं की इतनी विविधताएं क्यों है? वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। कुछ भी सिर्फ एक प्रकार का नहीं है, तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए?

जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता की प्रेमी है, वह चेतना नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्य होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचारधारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप-वर्दी में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपने रूप को बदलते हो तो कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो?

हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे और इसीलिए उन्होंने दिव्यता के अनंत

शर्तों के साथ ईरान और अमेरिका के बीच 15 दिन का सीज फायर

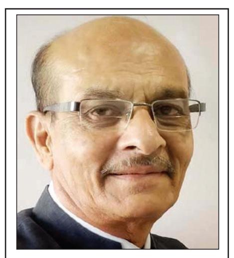

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम के लिए सहमति बन गई है। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया। ईरान ने भी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा की। सीज फायर के बाद हमले तत्काल रूप से बंद हो गए हैं। ईरान ने इसके लिए अधिकृत रूप से आदेश जारी किए हैं। युद्ध विराम को लेकर 10 शर्तों के साथ ईरान ने प्रस्ताव पेश किया है। चीन द्वारा दोनों पक्षों को समझाइस दिए जाने के बाद 15 दिन के लिए युद्ध विराम घोषित किया गया है। इसकी घोषणा होते ही, इसके सकारात्मक परिणाम भारत सहित दुनिया के सभी देशों में देखने को मिले हैं। एक नई आशा की किरण जागी है। दोनों पक्ष गंभीरता के साथ विचार करके स्थाई रूप से युद्ध रोकने और शांति के लिए प्रयास करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों का एक मंच पर आना जरूरी था। पाकिस्तान ने तीनों पक्षों के बीच बातचीत के लिये जो प्रयास किया, वह सार्थक हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा इस फैसले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर का उल्लेख किया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह उल्लेख किया है, ईरान को स्टेट आफ हार्मोज को फिर से खोलना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया, अमेरिका ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। अमेरिका अब तेहरान के साथ निर्णायक फैसले की स्थिति में आ गया है। अब जो भी समझौता होगा वह दीर्घकालिक शांति के लिए होगा। ईरान की ओर से शीर्ष अधिकारी बातचीत करने के लिए पाकिस्तान आएंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति इस बातचीत में शामिल होंगे। इस फैसले के आते ही सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा संबंधी संकटों और युद्ध को लेकर जो स्थिति बनी हुई थी। उससे सारी दुनिया को अस्थाई रूप से राहत मिली है। भारत में इसका बड़ा असर देखने को मिला। शेयर बाजार ने 2800 अंकों की छलांग लगाई। कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के साथ गिरे। इस युद्ध में अमेरिका द्वारा ईरान को खत्म करने की जो धमकी दी जा रही थी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया के इस युद्ध में शामिल होने की संभावना बन गई थी। पिछले एक साल से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ को लेकर दबाव बना रहे थे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठाकर अमेरिका में बंधक बनाया गया। इसके तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया। इससे सारी दुनिया के देश अमेरिका से नाराज थे। अमेरिका के अंदर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी लिए बिना जिस तरह से ईरान पर हमला किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार केवल 45 दिन तक वह इस तरह की कार्रवाई राष्ट्रपति कर सकते थे। इसके पहले उन्हें संसद की अनुमति लेना अनिवार्य था। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। एक महीने से अधिक युद्ध चलते हुए हो गए थे। युद्ध में ईरान के साथ-साथ इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन खाडी के देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने लगभग सभी में ध्वस्त कर दिये हैं। अमेरिका की जो साख दुनिया में बनी हुई थी, इस युद्ध में वह लगभग खत्म हो गई है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे। इसमें पाकिस्तान ने पहल की। चीन ने अपनी सामरिक और आर्थिक शक्ति का एहसास कराकर अमेरिका और ईरान दोनों को एक मंच पर लाने का जो काम किया है। युद्ध विराम से सारे विश्व को राहत मिली है। अमेरिका और ईरान के इस युद्ध में सबसे ज्यादा भूमिका इजरायल की थी। ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना पर काम कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद द्वारा जो अमेरिका को जो जानकारी दी गई थी, वह सही नहीं थी। अति उत्साह में डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कूद गए। जिसके कारण अब उन्हें राष्ट्रपति पद को बचा पाना मुश्किल दिख रहा है। इसके अलावा अमेरिका में नवंबर माह में जो चुनाव होने हैं। उसको लेकर उन्हें अपनी पार्टी से चुनौती मिलने लगी है। डोनाल्ड ट्रंप का स्वभाव है वह आक्रामक होकर अपनी विपक्षी के ऊपर हमला करते हैं। पिछले 1 साल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में एक्सपोज हुए हैं। उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति की जो छवि होती थी, उसमें बहुत बड़ा बट्टा लग गया है। अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से कई तरह की चुनौतियां मिलना शुरू हो गई हैं। डॉलर मुद्रा को चुनौती मिल रही है। नाटो और यूरोपीय देशों ने अमेरिका का साथ एक तरह से छोड़ दिया है। ऐसी स्थिति में ईरान से ज्यादा अमेरिका को युद्ध विराम की जरूरत थी। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसमें सबसे बड़ी बाधा बने हुए थे। जिस तरह से ईरान ने तेल अवीव और इजरायल के विभिन्न हिस्सों में हमला करके जो नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण अब इजराइल भी ठंडा पड़ गया है। इजराइल का इतिहास रहा है कि वह अपनी बात पर ज्यादा देर कायम नहीं रहता है। इस युद्ध विराम में यदि कोई पलीता लगाने का काम करेगा, तो वह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु ही होंगे। इन 15 दिनों में कोई हमला नहीं हुआ तो निर्णायक समझौते के लिए वातावरण बनने में अब कोई दिक्कत नहीं है। ईरान ने अपनी ताकत का एहसास कर दिया है। पिछले 47 सालों से उसके ऊपर लगातार प्रतिबंध थोपे जा रहे थे। इस युद्ध के बाद अब उसके साथ बातचीत में समान रूप से व्यवहार करना होगा। इस युद्ध ने सभी के अहंकार को तोड़ दिया है। सभी पक्षों को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। सारी दुनिया के देशों को इस युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। कच्चा तेल, गैस, खाद्यान्न एवं अन्य सामान की आपूर्ति दुनिया भर में बाधित हुई है। सारी दुनिया के देश चाहते थे, जल्द से जल्द इस मामले का कोई हल निकले। जो हुआ है, वह बहुत अच्छा हुआ है। ईरान इस बार पूरी तरह सतर्क है। उसके पास जो अस्त्र-शस्त्र हैं। जितना अच्छा उपयोग इस युद्ध में ईरान ने किया है, उसके बाद लगता नहीं है, अमेरिका और इजरायल ईरान के साथ कोई खेल करेंगे। कच्चे तेल के दाम घटने के साथ गैस की निर्बाध आपूर्ति शुरू होगी। कुल मिलाकर इस युद्ध विराम का स्वागत सभी देशों द्वारा किया जा रहा है। रूस-चीन जैसी महाशक्तियां भी युद्ध खत्म कराने मे अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास कर रहे थे। बातचीत में स्थाई समाधान खोज लिया जाता है। तो यह दुनिया के लिए शांतिपूर्ण प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

णमोकार महामंत्रः श्रद्धा, समता और आत्मशुद्धि का शाश्वत मंत्र

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

जैन धर्म की आराधना परंपरा में णमोकार महामंत्र को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह केवल एक धार्मिक मंत्र नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, समता और विनय का सार्वभौमिक संदेश है। इसकी महिमा का उल्लेख प्राचीन जैन आगम ग्रंथ भगवती सूत्र के प्रारम्भ में महामंगल वाक्य के रूप में मिलता है.-

'णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं।'

यह मंत्र अनादि और अविनाशी माना गया है। सभी तीर्थंकरों ने इसकी महत्ता को स्वीकार किया है। इसे जैन धर्म का मूल मंत्र और जिनागम का सार कहा जाता है।

गुण-पूजा का अद्वितीय संदेश

णमोकार महामंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी व्यक्ति-विशेष या देवता की स्तुति नहीं की गई, बल्कि उनके गुणों को नमन किया गया है। यह व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि गुण-पूजा का संदेश देता है। इसमें किसी प्रकार की याचना या कामना नहीं है, केवल निस्वार्थ श्रद्धा, समर्पण और आत्मशुद्धि का भाव है। यही कारण है कि यह मंत्र किसी एक संप्रदाय या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वभौमिक और सर्वग्रा' है।

णमोकार महामंत्र में पांच पद है, 35 अक्षर है। इनमें 11 अक्षर लघु हैं, 24 गुरु हैं, 15 दीर्घ हैं और 20 हस्व हैं। 35 स्वर हैं और 34 व्यंजन हैं। यह एक अद्वितीय बीज संयोजना है। णमो अरिहंताणं में सात अक्षर है, णमो सिद्धाणं में पांच अक्षर हैं, णमो आयरियाणं में सात अक्षर हैं, णमो उवज्झायाणं में सात अक्षर है, णमो लोए सव्व साहूणं में नौ अक्षर हैं। इस प्रकार इस महामंत्र में कुल 35 अक्षर हैं। स्वर और व्यंजन का विश्लेषण करने पर नमो अरिहंताणं में 7 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो सिद्धाणं में 5 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो उवज्झायाणं में 7 स्वर और 7 ही व्यंजन हैं। नमो लोए सव्व साहूणं में 6 स्वर तथा 6 व्यंजन हैं। इस प्रकार नमोकार महामंत्र में 35 स्वर और 34 व्यंजन हैं। यह महामंत्र जैन आराधना और साधना का ध्रुव केन्द्र है, इसकी शक्ति अपरिमेय है। इस महामंत्र के वर्णों के संयोजन पर चिन्तन करें तो यह बड़ा अद्भुत और पूर्ण वैज्ञानिक है। इसके बीजाक्षरों को आधुनिक शब्द विज्ञान की कसौटी पर कसने पर साधक यह पाते हैं कि इसमें विलक्षण ऊर्जा है और शक्ति का भण्डार छिपा हुआ है। प्रत्येक अक्षर का विशिष्ट अर्थ है, प्रयोजन और सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।

पंच परमेष्ठियों का वंदन

इस मंत्र में पंच परमेष्ठियों को नमस्कार किया गया हैकृअरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु।

अरिहंत वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओंकृराग, द्वेष, मोह और वासनाओंकृपर विजय प्राप्त कर सर्वज्ञता को उपलब्ध किया।

सिद्ध वे मुक्त आत्माएँ हैं जो जन्म-मृत्यु के चक्र से परे मोक्ष में स्थित हैं।

आचार्य संघ के आध्यात्मिक पथप्रदर्शक हैं।

उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता एवं अध्यापक हैं।

साधु वे तपस्वी आत्माएँ हैं जो आत्मकल्याण और लोककल्याण हेतु धर्म का आचरण करती हैं।

जैन दर्शन के अनुसार आध्यात्मिक उत्कर्ष में न तो वेष बाधक है और न ही लिंग। स्त्री हो या पुरुष, सभी आत्मिक उन्नति के अधिकारी हैं।

साधना और मानसिक शांति

श्रद्धा, शुद्ध उच्चारण और एकाग्र भाव से णमोकार महामंत्र का जप मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। शास्त्रों में इसे 'सर्व पापों का नाश करने वाला और परम मंगलकारी' कहा गया है। प्रत्येक अक्षर स्वयं में मंत्रस्वरूप है और इसका जप किसी भी क्रम में किया जा सकता है। ध्यानपूर्वक जप करने से चित्त की चंचलता कम होती है और साधक आत्मस्वरूप के निकट पहुँचता है। यह मंत्र हमें भीतर की पवित्र चेतना से जोड़ता है।

भाषिक एवं वैज्ञानिक संरचना

णमोकार महामंत्र प्राकृत भाषा में रचित है और इसकी रचना आर्या छंद में की गई है। इसके पाँच मुख्य पदों में कुल 35 अक्षर माने गए हैं। ध्वनि-विज्ञान की दृष्टि से इसमें लघु-गुरु, ह्रस्व-दीर्घ वर्णों का संतुलित संयोजन है। स्वर और व्यंजन की विशिष्ट व्यवस्था इसे अद्वितीय बीज-संरचना प्रदान करती है।

आधुनिक ध्वनि-विज्ञान के अनुसार, मंत्रोच्चारण से उत्पन्न कंपन मानसिक और शारीरिक संतुलन में सहायक होते हैं। प्रत्येक अक्षर में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मजागरण की क्षमता निहित है।

आत्मजागरण का मार्ग

णमोकार महामंत्र बाह्य आडंबरों से हटाकर साधक को आत्मा के शुद्ध स्वरूप की ओर ले जाता है। इसमें भौतिक उपलब्धियों की कामना नहीं, बल्कि आत्मोन्नति का मार्ग निहित है। यह समता, विनय और करुणा का संदेश देता है।

वास्तव में, णमोकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मूल मंत्र नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आत्मजागरण का शाश्वत उद्घोष है। गुणों की आराधना ही आत्मा को परम शांति और मोक्ष की दिशा में अग्रसर करती है और यही इस महामंत्र का सार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया : पुलिस-नागरिकों पर हमले, 26 मरे

अबूजा, एजेंसी। उत्तरी नाइजीरिया में तीन अलग-अलग हमलों में 26 की मौत हो गई। नाइजीरियाई सेना ने कहा, शनिवार को उत्तर-मध्य बेनू प्रांत के ग्वेर वेस्ट क्षेत्र में म्बालोम समुदाय 17 लोग मारे गए। उत्तर-पूर्व स्थित बोर्नो प्रांत में इसी दिन पुलिस और आईएस से जुड़े समूह में लंबी मुठभेड़ में 4 पुलिस अफसर मारे गए। रविवार को अरिको गांव में ईस्टर के मौके पर एक प्रार्थना सभा में पांच लोगों की हत्या कर दी गई।

पाकिस्तान : दियामेर बांध पर अशांति बढ़ी प्रदर्शनकारियों ने रोका काराकोरम मार्ग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान में दियामेर बांध से प्रभावित समुदायों का विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने दियामेर जिले में काराकोरम राजमार्ग (केकेएच) के कई हिस्सों को अवरुद्ध कर दिया और मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने बांध निर्माण स्थल की ओर मार्च किया। इस दौरान बांध प्रभावित समिति ने 'हुकूक दो, बांध बनाओ' जैसे नारे भी लगाए। दियामेर-भाशा बांध प्रभावित समिति चिलास और थोरे में लगातार पांच दिनों से धरना दे रही है। यह आंदोलन पिछले साल संघीय सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच हुए समझौते के लागू न होने के विरोध में शुरू हुआ था। आयोजकों ने कहा-चिलास, गोनर फार्म, गोहरबाद और आसपास के इलाकों के निवासी धरने में शामिल होने थोरे घाटी पहुंचे।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से कहा टीटीपी को आतंकी गुट घोषित करें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने मांग की है कि अफगानिस्तान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को औपचारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित करे और दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने की शर्त के तौर पर उसके बुनियादी ढांचे को खत्म करे। ये बातचीत चीन में हुई थी।

चीन में नया ट्रेंड, प्रियजनों की अस्थियों को खाली फ्लैट में रखने लगे हैं लोग

बीजिंग, एजेंसी। चीन में बदलते हालात के बीच एक चौंकाने वाला नया ट्रेंड सामने आया है। अंतिम संस्कार की बढ़ती लागत और कब्रिस्तान में जगह की कमी के चलते कई परिवार अपने प्रियजनों की अस्थियों को खाली फ्लैट में रखने लगे हैं। अब सरकार ने इस पर नया कानून बनाकर प्रथा पर लगाम कसने की तैयारी की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बोन एश अपार्टमेंट्स के नाम से पहचाने जाने वाले इन फ्लैट्स में रिश्तेदारों की अस्थियों के कलश रखकर धार्मिक रस्मे निभाई जाने लगी हैं। इस ट्रेंड का कारण आर्थिक दबाव है क्योंकि संपत्ति के दाम 40 फीसदी तक गिरे हैं। सरकार यहां भी धार्मिक गतिविधियों को अंजाम देने से रोकने जा रही है।

पाकिस्तान में ऊर्जा बचाने के लिए मार्केट और मॉल जल्दी बंद होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन संकट के चलते बाजार और शॉपिंग मॉल जल्दी बंद करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री शेहबाज शरीफ की अध्यक्षता में इस पर बैठक हुई। पंजाब, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद और पाकिस्तान-नियंत्रित कश्मीर में मार्केट और मॉल मंगलवार से रात 8 बजे बंद होंगे। खैबर-पख्तूनख्वा में मुख्य शहरों में 9 बजे तक खुलने की छूट रहेगी। सिंध में समय तय करने के लिए मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने व्यवसाय प्रतिनिधियों से परामर्श लेने की बात कही।बेकरी, रेस्टोरेंट और खाने-पीने की दुकानों को रात 10 बजे बंद करने का निर्णय लिया गया। शादी हॉल भी रात 10 बजे बंद होंगे। मेडिकल स्टोर और फार्मेसियों पर समय का प्रतिबंध नहीं होगा। सरकार का उद्देश्य ईंधन की खपत कम करना और विदेशी मुद्रा बचाना है।

वेनेजुएला की डेल्सी रोड्रिग्ज अभी भी कार्यवाहक राष्ट्रपति

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में डेल्सी रोड्रिग्ज 90 दिनों की अंतरिम अवधि पूरी होने के बाद भी कार्यवाहक राष्ट्रपति बनी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निकोलस मादुरो अभी भी राष्ट्रपति हैं, लेकिन उनकी जबरन अनुपस्थिति के कारण उप-राष्ट्रपति की भूमिका रोड्रिग्ज ने संभाली। अंतरिम नियुक्ति 90 दिनों तक होती है, और राष्ट्रीय सभा इसे 90 दिन और बढ़ा सकती है। राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को जनवरी में न्यूयॉर्क में ड्रग से जुड़ी कानूनी कार्रवाई के लिए ले जाया गया। दोनों निर्दोष होने का दावा कर चुके हैं।

ट्रम्प के हमलों से निपटने के लिए ईरान में बनेगी मानव श्रृंखला, ढाल का करेंगे काम

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल के हमले तीव्र हो गए हैं, मिसाइलें आसमान में झूल रही हैं और धमाके शहरों में भय और तबाही फैला रहे हैं। तेल और गैस की आपूर्ति खतरे में है, वैश्विक बाजार अस्थिर हैं। होर्मुज जलसंधि की ब्लॉकिंग से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बढ़ रहा है। हर पल संघर्ष और विकराल होता जा रहा है और शांति के संकेत कहीं नजर नहीं आते। ट्रंप की डेडलाइन से पहले ईरान ने अपनाई मानव श्रृंखला बनाने की योजना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा नजदीक आने से पहले ईरान ने बड़ी योजना बनाई है। तेहरान ने कथित तौर पर युवा ईरानियों से ईरान के प्रमुख बिजली संयंत्रों के चारों ओर प्रतीकात्मक मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया है। ईरान के खेल और युवा मंत्रालय ने एथलीटों, कलाकारों और छात्रों सहित देश के युवाओं से मंगलवार को दोपहर दो बजे (स्थानीय समय) से इन स्थलों के आसपास इकट्ठा होने का आह्वान किया है। ईरान के युवा मामलों के उप मंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'कई विश्वविद्यालय के युवाओं, युवा कलाकारों और युवा संगठनों ने प्रस्ताव दिया कि हम देश के बिजली संयंत्रों के चारों ओर एक मानव घेरा या मानव श्रृंखला बनाएं। न्यूजीलैंड बोला- ईरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ अमेरिकी धमकियां 'निरर्थक' न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने ईरानी नागरिक अवसंरचना के खिलाफ ट्रंप की हालिया धमकियों को निरर्थक बताया है। उन्होंने कहा कि यह मददगार नहीं है, क्योंकि और अधिक सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मूल बात यह है कि इस संघर्ष को और अधिक फैलने से रोकने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि इस सप्ताह वॉशिंगटन में होने वाली बैठक में न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स का अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को संदेश होगा कि संघर्ष को कम किया जाए। ईरान ने जनवरी से हिरासत में लिए गए जापानी नागरिक को किया रिहा जापान ने मंगलवार को कहा कि जनवरी से ईरान में हिरासत में लिए गए एक जापानी नागरिक को रिहा कर दिया गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने पत्रकारों को बताया कि उनकी रिहाई की पुष्टि सोमवार को हुई थी। जिस व्यक्ति को रिहा किया गया है, वह जापान के एनएचके सार्वजनिक टेलीविजन में पत्रकार बताया जा रहा है। किहारा ने कहा कि व्यक्ति स्वस्थ है, लेकिन उन्होंने आगे कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान युद्ध में अब तक 13,000 से अधिक ठिकानों पर किया हमला अमेरिकी सेना ने ईरान युद्ध में अब तक 13,000 से अधिक लक्ष्यों पर हमले किए हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य अभियानों के लिए जिम्मेदार और ईरान पर हमलों का नेतृत्व कर रही अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेनाओं ने 13,000 से अधिक ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। सेंट्रल कमांड ने यह भी कहा कि 155 से अधिक ईरानी जहाजों को नुकसान पहुंचाया गया है या नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी परमाणु-संचालित विमानवाहक पोत और पनडुब्बियां ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में भाग ले रही हैं। इसके साथ ही एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट से लेकर बी-52 बमवर्षक विमानों तक का एक बेड़ा भी इसमें शामिल है। इराक में ड्रोन हमले में पति-पत्नी की मौत, ईरान पर आरोप इराक के उत्तरी हिस्से में एक बड़ा हमला सामने आया है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, एरबिल प्रांत में ईरान की ओर से आए ड्रोन हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई। बताया गया कि यह हमला देर रात हुआ, जब एक विस्फोटक से भरा ड्रोन एरबिल के दराशाकरान इलाके के जरका ज़ोय गांव में एक घर पर गिरा। इस हमले में एक शादीशुदा जोड़े की जान चली गई। एरबिल के गवर्नर ओमिद खोशनॉव ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और युद्ध अपराध बताया है। स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां इस हमले की जांच कर रही हैं और मामले को गंभीर मान रही हैं।

ईरान में जंग के बीच नया तनाव: चीन ने 40 दिन के लिए ताइवान का हवाई क्षेत्र बंद किया

बीजिंग/ताइपे, एजेंसी। दुनिया जहां पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर ध्यान लगाए हैं वहीं चीन इस फिराक में है कि वह अपने एक चीन एजेंडे को कैसे अमल में लाए। इसके लिए उसने ताइवान द्वीप के पास 40 दिनों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने का कदम उठाया है।

बता दें, ताइवान को चीन अपना ही क्षेत्र मानता है और इस जलक्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान तथा जंगी विमानवाहक पोत भेजता रहा है। उसने छह मई तक यह बड़ा हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रविवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने बिना कोई स्पष्टीकरण दिए अपने क्षेत्र को 40 दिनों के लिए बंद करने का नोटिस जारी किया है। यह हवाई क्षेत्र दक्षिण कोरिया के पास पीत सागर से जापान के पास पूर्वी चीन सागर तक फैला हुआ है। चीन का यह कदम ये ऐसे वक्त हो रहा है जबकि अमेरिका इन दिनों ईरान में उलझा हुआ है और इस क्षेत्र से सैन्य साजो सामान भी पश्चिम एशिया ले जाया गया है। पहले ऐसे हवाई क्षेत्र की बंदी सैन्य अभ्यासों के लिए महज कुछ दिनों की ही होती थी। इतने लंबे हवाई क्षेत्र की बंदी के फैसले के पीछे की वजह चीनी विदेश मंत्रालय ने किसी को नहीं बताई है। आशंका है कि चीन मौजूदा हालात में ताइवान पर आक्रामक हो सकता है और इसीलिए ऐसी साजिशें कर रहा है।

ताइवान के पास 3 चीनी जहाज और 6 पोतों की मौजूदगी दिखी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार सुबह अपने क्षेत्रीय जलक्षेत्र के आसपास तीन चीनी सैन्य विमानों, छह नौसैनिक जहाजों और दो सरकारी जहाजों की मौजूदगी का पता लगाया। तीनों विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और पूर्वी भाग के रक्षा सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। सशस्त्र बलों ने स्थिति पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की। इससे पहले रविवार को, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने छह चीनी सैन्य जहाजों और एक सरकारी जहाज की मौजूदगी का पता लगाया था। गोपनीय अभियान की बढ़ी संभावना चीन आरक्षित क्षेत्र ताइवान के मुख्य द्वीप से बड़े क्षेत्र में है। इसमें शंघाई के उत्तर व दक्षिण स्थित अपतटीय हवाई क्षेत्र भी शामिल है। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, यह क्षेत्र दक्षिण कोरिया की ओर पीत सागर से लेकर दक्षिण में जापान की ओर पूर्वी चीन सागर तक फैला हुआ है। क्षेत्र में इतनी लंबी बंदी से शक है कि वह गुप्त मुहिम चलाने की योजना बना रहा है।

ईरानी बुनियादी ढांचों पर हमले की अमेरिकी धमकी से संयुक्त राष्ट्र चिंतित, प्रवक्ता ने जताई आपत्ति

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने अमेरिका के उस बयान पर चिंता जताई है, जिसमें ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले की धमकी दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह की भाषा को लेकर संगठन चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, 'सोशल मीडिया पर किए गए उस पोस्ट में अमेरिका द्वारा बिजली संयंत्रों, पुलों और अन्य ढांचों पर हमले की बात कही गई थी, जिसे लेकर हम चिंतित हैं, खासकर अगर ईरान किसी समझौते के लिए तैयार नहीं होता।' उन्होंने कहा कि महासचिव पहले भी साफ कर चुके हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन जरूरी है और सभी पक्षों को संघर्ष के दौरान अपने दायित्वों का सम्मान करना चाहिए। प्रवक्ता के मुताबिक, गुटेरेस ने दोहराया कि आम लोगों से जुड़ी सुविधाओं, जैसे बिजली और ऊर्जा से जुड़े ढांचे, पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, भले ही कुछ मामलों में उन्हें सैन्य लक्ष्य माना जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि सभी पक्ष इस संघर्ष को खत्म करें, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान ही सबसे सही रास्ता है। जब यह पूछा गया कि क्या ऐसे हमले युद्ध अपराध माने जाएंगे, तो दुजारिक ने कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होंगे। यह तय करना कि यह अपराध है या नहीं, अदालत का काम है। उन्होंने साफ कहा, 'किसी भी नागरिक ढांचे पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने तेहरान स्थित शरिफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पर अमेरिका और इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की। इस हमले में यूनिवर्सिटी के सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र की इमारत और पास में स्थित गैस स्टेशन को भारी नुकसान पहुंचा। ईरान की सेना ने रविवार को बताया कि उसने दक्षिणी इज़रायल में स्थित पेट्रोकेमिकल उद्योगों और पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, उसने कुवैत स्थित एक सैन्य अड्डे पर मौजूद अमेरिकी उपकरणों के गोदामों, उपग्रह संचार इकाइयों और वहां तैनात अमेरिकी सैनिकों पर भी हमला किया है।

सिर पर बंदूक रखकर बातचीत नहीं: सेतारेह सादेकी

ट्रंप की धमकियों पर फिर भड़का ईरान, तेहरान की महिला प्रोफेसर का कड़ा जवाब

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी चेतावनियों पर ईरान से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। तेहरान विश्वविद्यालय की महिला सहायक प्रोफेसर सेतारेह सादेकी ने साफ कहा कि हमारे सिर पर बंदूक रखकर बातचीत की बात करना ईरान के लिए कभी स्वीकार्य नहीं होगा।

दरअसल, ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि यदि मंगलवार रात तक कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने यहां तक कहा कि एक रात में ईरान को खत्म कर सकते हैं।

धमकियों के बीच बातचीत नहीं : सादेकी ने कहा कि अमेरिका की ये धमकियां कोई नई बात नहीं हैं, बल्कि पहले दिए गए डेडलाइन का विस्तार हैं। उनके मुताबिक ईरान इसे ऐसे देखता है जैसे हमारे सिर पर बंदूक तानकर बातचीत करने को कहा जा रहा हो, जो कभी काम नहीं करेगा। उन्होंने दोहराया कि जब तक ईरान के शहरों पर हमले और बमबारी जारी रहेगी, तब तक अमेरिका के साथ न तो बातचीत होगी और न ही किसी युद्धविराम पर सहमति बनेगी।

अमेरिका पर नागरिक ढांचे पर हमले का आरोप : तेहरान यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने अमेरिका पर गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों में विश्वविद्यालयों, रिसर्च सेंटर, टीकाकरण केंद्रों और पुलों को निशाना बनाया गया है। सादेकी के अनुसार, संभावना है कि अमेरिका आगे भी नागरिक ढांचे पर हमले तेज कर सकता है।

ईरान देगा जवाब : उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने पहले भी अमेरिकी हमलों का जवाब प्रभावी तरीके से दिया है। ईरान ने क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और इस्राइली इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर अपनी क्षमता दिखाई है। सादेकी ने चेतावनी दी कि ईरान भविष्य में भी ऐसे ही जवाब देगा जिससे अमेरिका की हमले करने की क्षमता कमजोर हो सके।

ट्रंप का अल्टीमेटम और 'क्रिटिकल पीरियड': व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह क्रिटिकल पीरियड है और ईरान को समझौते के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। उन्होंने कहा हमने उन्हें 10 दिन दिए हैं। अब उनके पास मंगलवार रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक का समय है। इसके बाद उनके पास न पुल होंगे, न पावर प्लांट।

ईरान के सुप्रीम लीडर को मार गया लकवा, बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती: रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इजारयल के साथ युद्ध के बीच ईरान में सुप्रीम लीडर को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को यह जिम्मेदारी दी गईहै। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि उनकी हालत ठीक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक वह बेहोश हैं और कोम शहर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। यूएस और इजरायली इंटेलिजेंस ने अपने सहयोगी खाड़ी देशों को बताया है कि मोजतबा खामेनेई की हालत बेहद खराब है और इस स्थिति में वह कोई भी निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। हालांकि ईरान की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। युद्ध के समय कई बार ऐसी खबरें मनोवैज्ञानिक हमला करने के लिए भी फैलाई जाती हैं।

पहली बार लोकेशन की जानकारी : रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया एजेंसियों की तरफ से दिए गए मेमो में कहा गया है कि उनकी हालत लकवा मारने जैसी है और वह कुछ भी सोचने-समझने के लायक नहीं बचे हैं। पहली बार है जब सुप्रीम लीडर की लोकेशन के बारे में भी जानकारी दी गई है।

बनाई जा रही कब्रगाह : बता दें कि कोम ईरान का पवित्र शहर है। इंटेलिजेंस मेमो में कहा गया है कि अली खामेनेई को भी कोम में दफनाने की तैयारी चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यहां एक बड़ी कब्रगाह बनाई जाएगी। इसमें यह भी कहा गया है कि खमेनेई परिवार के अन्य लोग और मौत के बाद मोजतबा को भी यहीं दफनाया जाएगा।

ईरान ने पहले ही यह कन्फर्म कर दिया था कि जिस एयरस्ट्राइक में मोजतबा के पिता अली खामेनेई, मां और पत्नी जहरा हद्दा आदेल मारी गई थीं। उसमें मोजतबा भी घायल हुए थे। जब से मोजतबा का नाम सुप्रीम लीडर के तौर पर आगे किया गया है तब से ही वह सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। अब इसको लेकर कई तरह के चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

एक दिन पहले जारी किया गया था मोजतबा का बयान : एक दिन पहले ही ईरान के अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सार्वजनिक बयान जारी कर रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया। खामेनेई ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि मेजर जनरल मजीद खादमी अपने प्राण न्योछावर करने वाले ''योद्धाओं और लड़ाकों की पंक्ति'' में शामिल हो गए हैं। बता दें कि अमेरिका ने ईरान को मंगलवार रात 8 बजे तक का समय दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अगर इस समय के भीतर ही होर्मुज को खोलने का समझौता नहीं होता है तो ईरान के सारे पुल और पावर प्लांट ध्वस्त कर दिए जाएंगे।

ट्रंप ने समयसीमा तय की ईरान पर हमलों की चेतावनी दी

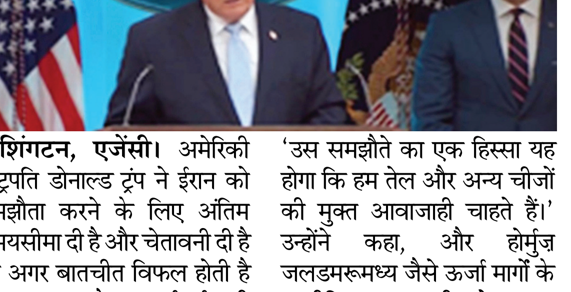

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को समझौता करने के लिए अंतिम समयसीमा दी है और चेतावनी दी है कि अगर बातचीत विफल होती है तो व्यापक सैन्य कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है, जिसका वैश्विक ऊर्जा और सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'उनके पास कल तक का समय है और जोड़ा कि कूटनीति की गुंजाइश तेजी से खत्म हो रही है। उन्होंने बताया कि बातचीत जारी है लेकिन अनिश्चित बनी हुई है। उन्होंने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा 'हमें लगता है कि वे ईमानदारी से बातचीत कर रहे हैं... हमें जल्द ही पता चल जाएगा।

इसके साथ ट्रंप ने साफ किया कि सैन्य विकल्प अब भी खुले हैं। 'हम उन्हें बुरी तरह हिला सकते हैं,' उन्होंने कहा, संभावित अमेरिकी कार्रवाई के पैमाने को रेखांकित करते हुए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि संभावित लक्ष्यों के मामले में 'बहुत कम चीजें सीमा से बाहर हैं,' जिससे संकेत मिलता है कि यदि ईरान ने पालन नहीं किया तो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी हमला किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना अमेरिका की मांगों का एक प्रमुख हिस्सा है। 'उस समझौते का एक हिस्सा यह होगा कि हम तेल और अन्य चीजों की मुक्त आवाजाही चाहते हैं।' उन्होंने कहा, और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे ऊर्जा मार्गों के रणनीतिक महत्व की ओर इशारा किया। ट्रंप ने हालिया अमेरिकी अभियानों के बाद ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, 'उनके पास नौसेना नहीं है... उनके पास वायु सेना नहीं है... उनके पास वायु रक्षा प्रणाली नहीं है।' हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि असममित खतरे अब भी मौजूद हैं। उन्होंने संघर्ष के अगले चरण को लेकर अनिश्चितता भी स्वीकार की। ट्रंप ने कहा, 'मैं आपको नहीं बता सकता... यह इस पर निर्भर करता है कि वे क्या करते हैं।' ये टिप्पणियां दबाव और कूटनीति के मिश्रण को दर्शाती हैं, जहां अमेरिका रियायतें हासिल करने की कोशिश कर रहा है, साथ ही हमलों को तेज करने का विकल्प भी खुला रख रहा है। ट्रंप ने कहा कि कई देश इस संकट के समाधान के प्रयासों में लगे हुए हैं। 'इस युद्ध से बहुत से लोग प्रभावित हो रहे हैं।' यह स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव रखती है, खासकर यदि तनाव के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों में बाधा आती है, जो तेल आपूर्ति की एक प्रमुख धुरी है।

अमेरिका-भारत संबंधों में तेजी आने के साथ ही प्राथमिकताओं के तालमेल पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ने अपनी रणनीतिक साझेदारी में नई गति का संकेत दिया है। यह संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के लिए आयोजित व्हाइट हाउस रात्रिभोज से पहले मिला। वहीं वॉशिंगटन में हुई उच्चस्तरीय बैठकों की श्रृंखला ने सुरक्षा और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर बढ़ती समानता को भी रेखांकित किया। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति भारत में अमेरिकी राजदूत के साथ एक रात्रिभोज में भाग लेने वाले हैं। गोर इस समय अमेरिकी राजधानी में हैं और कई बैठकों में शामिल हो रहे हैं। गोर ने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों, जिनमें एफबीआई निदेशक काश पटेल भी शामिल हैं, के साथ बैठकों के बाद सहयोग के विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'रचनात्मक चर्चा' की, जिसमें 'सीमा पार खतरों, साइबर अपराध, मादक पदार्थों और अवैध नेटवर्क' से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा प्राथमिकताओं पर मजबूत तालमेल है,' और जोड़ा कि पटेल 'एफबीआई में शानदार काम कर रहे हैं।' उन्होंने हालिया कानून-प्रवर्तन उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और कहाः '2025 मेंः हिंसक अपराधों में गिरफ्तारियों में साल-दर-साल 112% की वृद्धि। हत्याओं में 20 प्रतिशत की कमी। डकैती में 20 प्रतिशत की कमी!'

ये संपर्क वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच साझा सुरक्षा चुनौतियों, विशेष रूप से साइबर खतरों और संगठित आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ परिचालन सहयोग को गहरा करने के व्यापक प्रयासों के बीच हो रहे हैं। गोर ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ अपनी बैठक के बाद संबंधों के राजनीतिक पहलू पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'अभी-अभी उपराष्ट्रपति के साथ शानदार बैठक समाप्त हुई। अमेरिका-भारत संबंधों पर उपराष्ट्रपति के निरंतर नेतृत्व और ध्यान के लिए धन्यवाद।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में व्हाइट हाउस इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय है,' और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र तथा उसमें भारत की भूमिका पर अमेरिका के निरंतर ध्यान की ओर इशारा किया।

कूटनीतिक प्रयासों में गोर और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के बीच बैठक भी शामिल रही, जो दोनों पक्षों के बीच करीबी समन्वय को दर्शाती है। गोर ने कहा, 'मेरे मित्र क्वात्रा से मिलकर हमेशा खुशी होती है। वे हमारे रणनीतिक संबंधों की गहराई से परवाह करते हैं!'

क्वात्रा ने इस बातचीत को दोनों लोकतंत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के जारी प्रयासों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'वॉशिंगटन डीसी की यात्रा के दौरान अपने मित्र, राजदूत सर्जियो गोर से मिलकर खुशी हुई। उनके सहयोग का सम्मान करता हूं और हम दोनों देशों के नेताओं द्वारा तय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपने मजबूत प्रयास जारी रखेंगे।' ये बातचीत सुरक्षा, कूटनीति और राजनीतिक नेतृत्व को शामिल करते हुए बहु-स्तरीय जुड़ाव को दर्शाती है, जिसमें दोनों पक्ष प्रमुख प्राथमिकताओं पर तालमेल पर जोर दे रहे हैं।

कार्डियोवस्कुलर हृदय रोग के लक्षण और उपचार

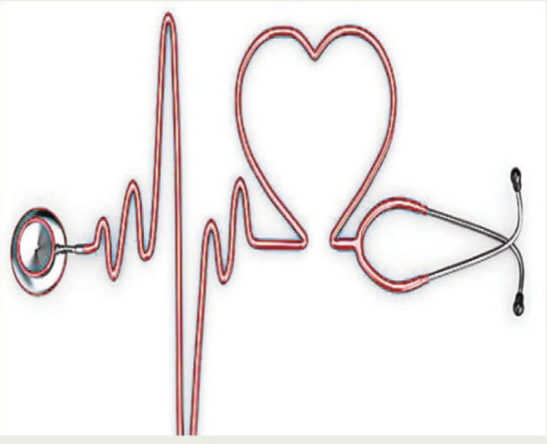

हृदय (दिल) हमारे शरीर का अहम अंग है। छाती के मध्य से थोड़ी बायीं ओर स्थित दिल पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह करता है। दिल को ऑक्सीजन कोरोनरी धमनियों द्वारा प्रदान की जाती है, जो कि रक्त के माध्यम से मिलती है। अलग-अलग कारणों की वजह से दिल में कई प्रकार की बीमारी जैसे रुमेटिक हृदय रोग, जन्मजात खराबियां, हृदय की विफलता तथा पेरिकार्डियल बहाव, कोरोनरी धमनी रोग, हार्ट अटैक, हार्ट वाल्व रोग, हार्ट फेल्योर, स्ट्रोक आदि हो सकते हैं।

क्यों होता हैं कार्डियोवस्कुलर

हृदय रोग (कार्डियोवस्कुलर हार्ट डिजीज) होने का मुख्य कारण है कोलेस्ट्राल के स्तर में वृद्धि। यदि हाइ डेन्सिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) की मात्रा है तो वे कम प्रभावशाली होते हैं। एचडीएल को अच्छा कोलेस्ट्राल माना जाता है। यदि लो डेन्सिटी लिपोप्रोटीन अणुओं का आकार छोटा है तो उनके रक्तवाहनियों में जमने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापा दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण है। वजन घटाने नियमित व्यायाम तथा साधारण भोजन करना चाहिए। वजन घटाने भूखे रहना और ज्यादा कसरत करना ठीक नहीं है, इससे दिल पर बुरा असर पड़ता है। दिल को स्वस्थ रखने के लिए सुबह या शाम चहलकदमी करनी चाहिए। व्यायाम से हाथ-पैरों की धमनियां स्वस्थ रहती हैं धूम्रपान भी दिल के रोग का प्रमुख कारण है। इसके लिए पौष्टिक भोजन किया जाए। भोजन में वसा की मात्रा को सीमित हो। फास्ट फूड, जंक फूड, तला-भुना और चिकनाई युक्त खाना नहीं खाना चाहिए। चिकनाई वाला खाना शरीर का वजन बढ़ने के साथ ही ऑयल रक्त धमनियों में जम जाता है। जिन व्यक्तियों में कोलेस्ट्राल का स्तर सामान्य से अधिक हो उन्हें प्रतिदिन 20 से 25 ग्राम सोया प्रोटीन लेना चाहिए। इससे कोलेस्ट्राल का स्तर कम होता है। ट्रीग्लिसीराइड कार्डियोवस्कुलर रोग का कारण हो सकता है। सोया प्रोटीन लेने से शरीर में एचडीएल कोलेस्ट्राल की मात्रा बढ़ती है, इसे गुड़ कोलेस्ट्राल माना जाता है। यह रक्त नलिकाओं से बुरे कोलेस्ट्राल को हटाने में सहायक होता है।

मांसपेशियों की थकान और कमजोरी का कारण हो सकता है म्यास्थीनिया

म्यास्थीनिया एक खतरनाक बीमारी है, जो धीरे-धीरे बढ़ती है। शुरुआत में इस रोग के लक्षण बेहद सामान्य हो सकते हैं, जैसे- सीढ़ी चढ़ते हुए थक जाना, चलने में सांस फूलना, आंखों में सूजन आदि। कई बार छोटी-मोटी शारीरिक मेहनत के बाद ही आप बहुत ज्यादा थका महसूस करने लगते हैं।

म्यास्थीनिया का पहला लक्षण है थकान और कमजोरी।

समस्या बढ़ने पर निगलने और सांस लेने में परेशानी होती है।

म्यास्थीनिया रोग जानलेवा भी हो सकता है।

म्यास्थीनिया रोग का प्रभाव चेहरे और गर्दन पर ज्यादा दिखाई देता है। ज्यादातर ये रोग अनुवांशिक होता है, मगर कई बार किसी इंफेक्शन के कारण या लंबे समय तक बहुत ज्यादा शारीरिक मेहनत के कारण भी ये रोग हो जाता है।

क्यों होता है म्यास्थीनिया : ब्लड में एसीटाइलकोलीन रेसेप्टर नामक केमिकल तत्व की कमी के कारण यह रोग होता है। यह केमिकल तत्व शरीर की मांसपेशियों को एक्टिव और एनर्जी से भरपूर बनाए रखता है। इस तत्व की कमी के कारण मांसपेशियां ढीली और सुस्त हो जाती है, जिसके चलते थोड़ा सा चलने या छोटा-मोटा काम करने पर बहुत ज्यादा थकान का अनुभव होता है।

क्या हैं इस रोग के लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में म्यास्थीनिया में बालों में कंघा करने में दिक्कत महसूस होना।
- बहुत ही हल्के सामान को उठाने पर थककर चूर हो जाना।
- सीढ़ियों पर 2-3 कदम चढ़ने पर या साधारण चलने पर कठिनाई महसूस होना।
- रोग बढ़ जाने पर आंखे की पलकें ऊपर की तरफ उठना बंद कर देना।
- दोनों आंखों को काफी देर तक खुली रखना मुश्किल।
- आंखों का पूरी तरह से बंद करना कठिन।
- आंखों को केंद्रित करने की क्षमता खोना।
- चेहरे का बिलकुल भावरहित व शून्य हो जाना।
- होंठ बाहर की तरफ ज्यादा निकल आना।

कितना खतरनाक है म्यास्थीनिया : म्यास्थीनिया रोग कई बार जानलेवा हो सकता है। दरअसल अगर शुरुआत में ही लक्षणों को पहचान कर इसका इलाज सही समय पर न किया जाए, तो खाना खाने में और सांस लेने में कठिनाई और बढ़ जाती है और एक स्थिति ऐसी आ जाती है कि मरीज की जान खतरे में पड़ जाती है। इसलिए म्यास्थीनिया रोग के शुरुआती दिनों में ही इलाज की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर देना चाहिए।

क्या है म्यास्थीनिया का कारण : म्यास्थीनिया रोग का मुख्य कारण सामने की चेस्ट के अंदर एक विशेष ग्रंथि यानी थाइमस ग्लैंड का आकार में बड़ा होना है। यह थाइमस ग्लैंड चेस्ट के अंदर दिल के बाहरी सतह पर होती है। अक्सर इस थाइमस ग्लैंड में ट्यूमर होता है, जिसके कारण ये आकार में बड़ी हो जाती हैं। म्यास्थीनिया रोग के 90 प्रतिशत मरीजों में यह थाइमस ग्लैंड ही जिम्मेदार होता है, बाकी 10 प्रतिशत मामलों में इसके लिए ऑटो इम्यून रोग जिम्मेदार होते हैं।

रेसिपी

पम्पकीन ओमभाल

- 4 कप कद्दू , पम्पकीन के टुकड़े
- 1/4 कप गुड़ ■1/4 कप इमली का पानी
- 2 सुखी लाल मिर्च ■नमक स्वाद के अनुसार
- 1 तेज पत्ता ■1 छोटा चमच्च राइ
- 1 बड़ा चमच्च किशमिश ■1/2 छोटा चमच्च नींबू का रस ■1 बड़ा चमच्च तेल ■1/2 छोटा चम्मच सौंफ

विधि

पम्पकीन ओमभाल बनाने के लिए सबसे पहले नॉन स्टीक पेन में इमली का पानी लें और पम्पकीन के टुकड़े डालकर मध्यम आंच पर पम्पकीन गलने तक पकाए। पके हुए पम्पकीन को थोड़ा कद्दूकस कर लें। कढ़ाई में तेल डालें। राई, तेज पत्ता, सौंफ, लालमिर्च और किशमिश डाले। राई तड़कने पर पम्पकीन डालें। नमक और गुड़ डालकर गाढ़ा होने तक पकाएं। गेस बंद कर नींबू का रस मिलाएं और परोसें। नागालैंड स्टाइल पम्पकीन को नागा स्टाइल चिकन करी और चावल के साथ परोसें।

बंगाली स्टाइल छोलार दाल

- 1 कप चना दाल ■1/2 कप नारियल बूरा
- 1 बड़ा चम्मच घी ■1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर ■1 छोटा चम्मच शक्कर
- नमक स्वाद के अनुसार ■1 बड़ा चम्मच घी
- 3 सुखी लाल मिर्च ■2 लौंग
- 1 इंच दालचीनी ■1 तेज पत्ता
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 2 हरी मिर्च, लंबाई में दो भागो में कटी हुई
- 1 इंच अदरक छीलकर किसा हुआ

विधि

सबसे पहले चना दाल को धोकर घंटे भर के लिए भिगो दीजिए। अब चना दाल को 1-1/2 कप पानी के साथ पका लीजिए। एक पैन में घी डालकर मध्यम आंच पर गरम कर लें। अब नारियल के टुकड़ो को हल्का भूरा होने तक पकाएं। गैस को बंद कर लें और नारियल के टुकड़ों को एक कटोरी में एक तरफ रख लें। दाल पक जाने पर, एक सॉस पैन में निकाल लें। हल्दी पाउडर, नमक और शक्कर दाल में मिलाएं। दाल को धीमी आंच पर पकने दें, जब तक दाल गाड़ी न हो जाए और पानी न सोक लें। जब तक दाल के तड़के की तैयारी कर लें। तड़के के लिए, छोटे पैन में घी गरम कर लें। अब उसमें जीरा डाले और तड़कने दें। अब सुखी लाल मिर्च, लौंग, दालचीनी, हरी मिर्च और किसा हुआ अदरक डालें और मेहक आने तक पकने दें। अब गैस बंद कर लें। अब तड़के को उबलते हुई दाल में तले हुए नारियल बूरे के साथ डाले। अच्छे से मिलाकर 1 से 2 मिनट तक उबालें और गैस बंद कर लें। बंगाली स्टाइल छोलार दाल को बैगन और चावल के साथ दिन के खाने के लिए परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

काकुरो पहेली - 2040

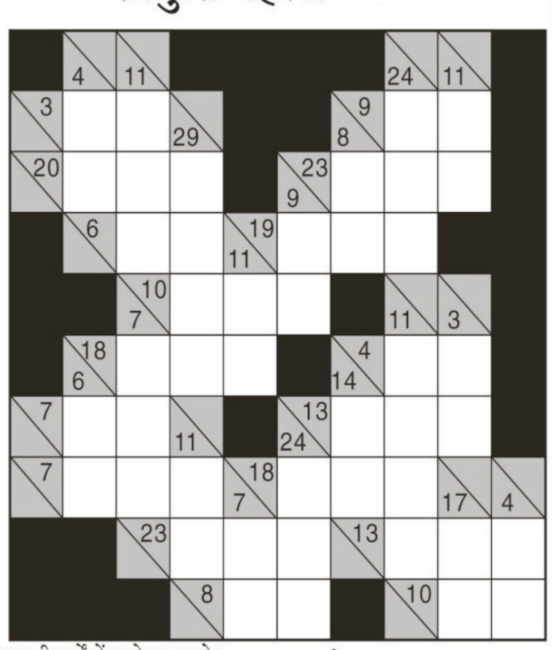

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

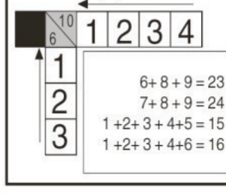

काकुरो - 2039 का हल

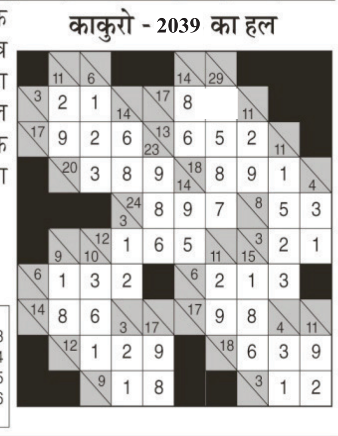

फिल्म वर्ग पहेली- 2040

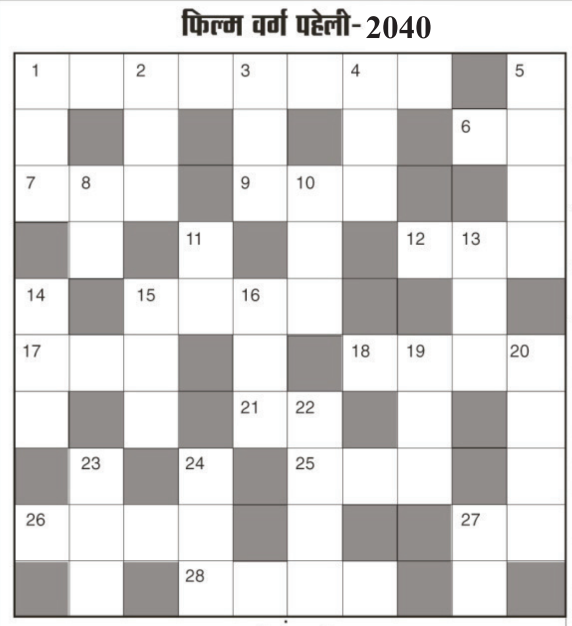

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2039

सूडोकु -2040

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 2039 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 2040

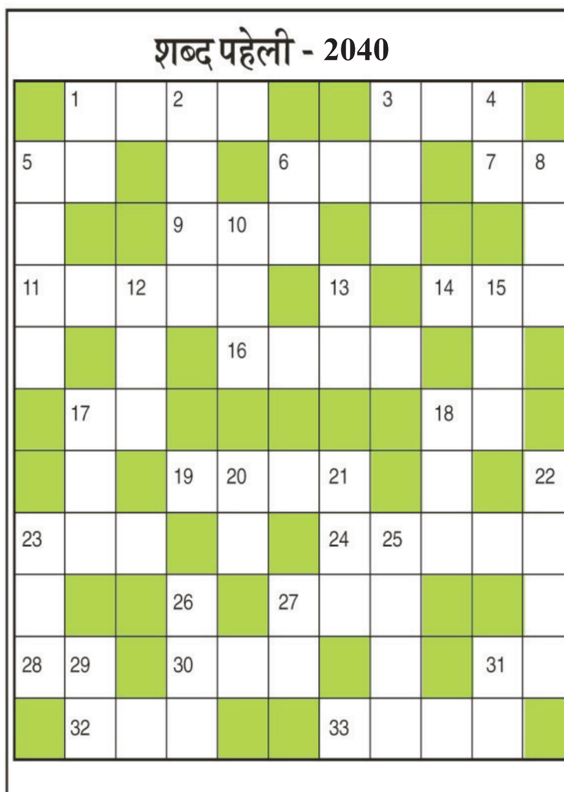

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -2039 का हल

पश्चिम बंगाल का चुनाव सत्ता का नहीं, बांग्ला स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा का है : सम्राट चौधरी

एजेंसी

हावड़ा । बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने हावड़ा के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विधानसभा के प्रत्याशियों के भव्य नामांकन समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव सत्ता का नहीं, बल्कि बांग्ला स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा का है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में बंगाल की अस्मिता और पहचान की रक्षा के लिए काम किया जाएगा, लेकिन ममता बनर्जी के शासन में राज्य को अराजकता और लूट का शिकार बनाया गया है। हम बंगाल की पहचान की रक्षा करेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि तानाशाह ममता दीदी की सरकार में बंगाल आज असुरक्षा और अराजकता के भयावह दौर से गुजर रहा है। ना बेटियां सुरक्षित, ना व्यापारी, ना ही लोकतंत्र। यह चुनाव सत्ता का नहीं, बल्कि बांग्ला स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा का है। बंगाल विकास में देश का अग्रणी राज्य बनेगा, और ये सिर्फ भाजपा ही कर सकती है।उन्होंने कहा कि बंगाल को धीरे-धीरे, लेकिन अस्थिरता के माहौल में लूटा गया है, और इसके लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार है। हमें इसे ठीक करना होगा।

राहुल गांधी ने केरल की नर्सों से की बातचीत, स्वास्थ्यकर्मियों को आने वाली चुनौतियों पर चर्चा

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल की नर्सों के साथ बातचीत की। इस दौरान राहुल गांधी ने उन्हें स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की नींव बताया। उन्होंने आगे कहा कि उनका समर्पण, निस्वार्थ भाव और सहानुभूति ही वह चीज है, जिसके कारण परिवार अपने प्रियजनों को उनकी देखभाल में छोड़कर सुरक्षित महसूस करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, 'नर्सें हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की नींव हैं। उनका समर्पण, निस्वार्थ भाव और सहानुभूति ही वह वजह है जिससे परिवार अपने प्रियजनों को उनकी देखभाल में सौंपते हुए सुरक्षित महसूस करते हैं। केरल की नर्सें पूरी निष्ठा के साथ इस भावना को दर्शाती हैं। हाल ही में, उनमें से कुछ के साथ बातचीत करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। हमारे लोगों और हमारे देश के लिए वे जो कुछ भी करती हैं, उसके लिए मैं उनका तहे दिल से आभारी हूं।' राहुल गांधी की यह टिप्पणी एक वीडियो बातचीत के दौरान सामने आई, जिसमें राहुल गांधी ने नर्सों के एक समूह के साथ बातचीत की और भारत में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े पेशेवरों को पेश आने वाली वास्तविकताओं और चुनौतियों पर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान, नर्सों ने कई व्यवस्थागत मुद्दों को उजागर किया, जिनमें समय की कमी, कर्मचारियों की कमी और करियर में आगे बढ़ने के सीमित अवसर शामिल थे।

भाजपा ने विश्व मंच पर बढ़ाया भारत का सम्मान, हर क्षेत्र में हुआ अभूतपूर्व विकास : अनुराग ठाकुर

शिमला। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व विकास और वैश्विक प्रतिष्ठा हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसने हमेशा देशहित से ऊपर राजनीति को रखा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया, जबकि भाजपा सरकार ने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 55 करोड़ से अधिक लोगों को प्रति वर्ष ?5 लाख तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया गया है। साथ ही अब 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी इस योजना में शामिल कर सामाजिक सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। आर्थिक मोर्चे पर सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि 2014 से 2026 तक भारत ने औसतन 6.5फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर बनाए रखी है। महंगाई दर भी अधिकांश समय भारतीय रिजर्व बैंक के 2-6फीसदी के लक्ष्य के भीतर नियंत्रित रही, जो मजबूत आर्थिक प्रबंधन को दर्शाता है।

भाजपा सरकार मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के निर्माण में देरी कर रही: अशोक गहलोत

जयपुर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के धीमे निर्माण को लेकर भाजपा नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा प्रशासन इस क्षेत्र की आकांक्षाओं की रक्षा करने में विफल रहा है। अपनी 'इंतजार शास्त्र' डिजिटल सीरीज के 16वें अध्याय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि 500 ?करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट सरकारी उदासीनता का शिकार हो गया है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं है, बल्कि मारवाड़ के प्रति एक सोची-समझी सौतेली व्यवहार है। उन्होंने आगे कहा कि 31 मार्च, 2027 की प्रोजेक्ट पूरा होने की डेडलाइन अब सिर्फ कागजों पर एक सजावट जैसी लगती है। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रति दूरदर्शिता की कमी दिखाने के बाद, सरकार अब मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी की भी अनदेखी कर रही है।

संघ प्रमुख डॉ भागवत ने वृंदावन में संत मलूक दासजी महाराज के 452वें जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने वृंदावन के मलूकपीठ आश्रम में आयोजित संत मलूक दासजी महाराज के 452वें जयंती महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।उन्होंन संत शिरोमणि मलूकदास महाराज की समाधि पर पूजा-अर्चना भी की और यहां की दिव्य रज को अपने माथे से लगाया।उन्होंने एकता का संदेश भी दिया। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत के मलूकपीठ आश्रम पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। समारोह में पूजा अर्चना करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ मोहन भागवत ने मंच से संतों संग एकता का संदेश दिया। इस आयोजन की विशेष बताते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर प्रख्यात योग गुरु स्वामी बाबा

रामदेव भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी सभी संतों को नमन किया। इस धार्मिक समारोह में गीतामनीषी ज्ञानानंद महाराज ने संत शिरोमणि मलूकदास महाराज के व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि मलूकदास महाराज दिव्य संत थे। गीतामनीषी ज्ञानांद महाराज उन्होंने संघ प्रमुख का मलूकपीठ आश्रम में प्रथम बार आगमन पर स्वागत किया। इस अवसर पर मलूकपीठाधीश्वर आचार्य राजेंद्रदास महाराज ने आरएसएस प्रमुख डॉ भागवत को ठाकुर जी की छवि भेंट की। डॉ भागवत के आगमन को लेकर मलूक पीठ परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। जयंती समारोह के इन कार्यक्रमों में आज शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। उनके दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन और संगठन पूरी तरह सतर्क है। उल्लेखनीय है कि वृंदावन के मलूक पीठ (वंशीवट) में 7 अप्रैल 2026 को संत मलूक दास जी महाराज का 452वां जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस आयोजन में अष्टयाम लीला, समाधि पूजन, और प्रमुख संतों की उपस्थिति के साथ आध्यात्मिक चर्चाएं हो रही हैं। 30 मार्च से चल रहा यह आयोजन 8 अप्रैल तक चलेगा और इस महोत्सव में प्रतिदिन भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित हैं।

पश्चिम बंगाल के आसनसोल में प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा, तैयारियां तेज

एजेंसी

आसनसोल। पश्चिम बंगाल के चुनावी महासंग्राम के बीच नौ अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आसनसोल के पोलो ग्राउंड स्टेडियम में एक बड़ी चुनावी जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। इस जनसभा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री की इस रैली को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जनसभा को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। पोलो ग्राउंड स्थित स्टेडियम परिसर को बड़े पैमाने पर सजाया और व्यवस्थित किया जा रहा है ताकि हजारों की संख्या में पहुंचने वाले लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। मंच निर्माण, बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग और मीडिया कवरेज के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। भाजपा के स्थानीय नेताओं के अनुसार, इस जनसभा के जरिए पार्टी आसनसोल क्षेत्र और आसपास की विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पार्टी को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी की इस रैली से कार्यकर्ताओं में जोश बढ़ेगा और मतदाताओं पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

आयोजन स्थल से लेकर हेलीपैड तक पूरे क्षेत्र को हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आसनसोल कोर्ट क्षेत्र से लेकर गैलेक्सी मॉल इलाके तक को आंशिक रूप से नो-एंट्री जोन घोषित किया गया है। इस दौरान आम आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है और जरूरत के अनुसार यातायात व्यवस्था में बदलाव किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु चुनाव : संपत्ति के मामले में विजय पीछे, लीमा रोज़ सबसे अमीर उम्मीदवार

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उम्मीदवारों द्वारा घोषित संपत्तियां चर्चा का केंद्र बन गई हैं। इसी क्रम में तिरुचिरापल्ली जिले के लालगुडी विधानसभा क्षेत्र से अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) की उम्मीदवार लीमा रोज़ राज्य की सबसे अमीर प्रत्याशी के रूप में सामने आई हैं।

लीमा रोज़ की ओर से दाखिल शपथपत्र के अनुसार, उनकी कुल व्यक्तिगत संपत्ति लगभग 1,060 करोड़ रुपये है। इसमें करीब 139 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और लगभग 909 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। वहीं, उनके पति मार्टिन की संपत्ति इससे कई गुना अधिक है। उनके नाम पर लगभग 3,262 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 877 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति दर्ज है, यानी कुल मिलाकर उनके नाम करीब 4,139 करोड़ रुपये की संपत्ति है। इसके अलावा, उनके बेटे डाइसिना मार्टिन के नाम पर भी करीब 700 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसमें 225 करोड़ रुपये की चल और 439 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां शामिल हैं। इस तरह पूरे परिवार की कुल संपत्ति लगभग

6,000 करोड़ रुपये आंकी गई है।

नकदी की बात करें, तो लीमा रोज़ के पास 5 लाख रुपये, जबकि उनके पति के पास करीब 56 लाख रुपये नकद हैं। आभूषणों में लीमा रोज़ के पास 19,233 ग्राम सोना, 1,31,813 ग्राम चांदी, 1,217 कैरेट हीरे और 32 ग्राम प्लेटिनम है। वहीं उनके पति और बेटे के पास भी सोना-चांदी के बड़े भंडार का उल्लेख किया गया है। इस चुनाव में संपत्ति के मामले में दूसरे स्थान पर अभिनेता से राजनेता बने तमिलागा वेट्री कज़गम (टीवीके) के संस्थापक विजय हैं, जिनकी घोषित संपत्ति करीब 660 करोड़ रुपये है। लीमा रोज़ की संपत्ति उनसे लगभग 9 गुना अधिक बताई जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, तमिलनाडु के इतिहास में यह बेहद दुर्लभ है कि किसी उम्मीदवार ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की हो। लालगुडी सीट पर लीमा रोज़ की मजबूत दावेदारी ने अन्य राजनीतिक दलों के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। आगामी चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि इतनी बड़ी आर्थिक ताकत चुनावी परिणामों को किस हद तक प्रभावित कर पाती है।

बिहार के मोतिहारी में बीते 06 दिनों में जहरीली शराब से 11 लोगों की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार के मोतिहारी जिले में जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते छह दिनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। सोमवार देर रात रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा वार्ड नंबर 29 निवासी जितेंद्र शाह की मौत के साथ यह आंकड़ा और बढ़ गया।

जितेंद्र शाह की मौत ने उनके परिवार को पूरी तरह झकझोर दिया है। वह अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे और उनके निधन से उनकी पांच बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया है। मृतक की बेटी रानी कुमारी ने समाचार से बातचीत में आरोप लगाया कि 1 अप्रैल की रात पड़ोसी संजीत शाह ने उनके पिता को शराब पिलाई, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और अंततः उनकी मौत हो गई। उन्होंने इसे आपसी दुश्मनी का मामला बताया है। वहीं, पत्नी ललीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार यही कह रही हैं कि अब परिवार का पालन-पोषण कैसे होगा, क्योंकि घर में पांच बेटियां

हैं और जितेंद्र ही एकमात्र कमाने वाले थे। इस जहरीली शराब कांड में मौतों का सिलसिला 2 अप्रैल से शुरू हुआ था। 4 अप्रैल तक चंदू कुमार, प्रमोद कुमार, परीक्षण मांझी, हीरालाल भगत, लालकिशोर राय, संपत साह और लड्डू साह की मौत हो चुकी थी। इसके बाद 5 अप्रैल को मो. इलियास अंसारी, लड्डू साह (बालगंगा) और जोधा मांझी की मौत हुई। 6 अप्रैल की रात जितेंद्र शाह की मौत के साथ कुल मृतकों की संख्या 11 हो गई है।

प्रशासन को आशंका है कि मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है, क्योंकि करीब 15 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से 6 लोगों की आंखों की रोशनी जाने की भी सूचना है, जो इस घटना की भयावहता को दर्शाता है। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात ने बताया कि इस मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक चौकीदार भी शामिल है। दो आरोपितों ने अदालत में आत्मसमर्पण किया है। इन पर जहरीली स्प्रिट बेचने का आरोप है। पुलिस सभी आरोपितों से पूछताछ कर रही है और अदालत के निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चुनाव 26 : तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राज्यभर में 7,454 नामांकन दाखिल, टीवीके नेता विजय ने दो सीट से किया नामांकन

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। अब तक कुल 7,454 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। इनमें 6,095 पुरुष, 1,356 महिलाएं और 2 ट्रांसजेंडर उम्मीदवार शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने जानकारी दी है कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 30 अप्रैल से शुरू हुई थी और अंतिम तिथि 6 अप्रैल थी। इस दौरान राज्य में कुल 7,454 नामांकन दाखिल हुए हैं। इनमें 6,095 पुरुष, 1,356 महिलाएं और 2 ट्रांसजेंडर उम्मीदवार शामिल हैं। राज्य में सबसे अधिक नामांकन करूर विधानसभा क्षेत्र में दर्ज किए गए, जहां 108 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं विल्लिवक्कम और राधापुरम में दो ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों ने भी नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने बताया कि चेन्नई में 16 विधानसभा क्षेत्रों के लिए

कुल 628 नामांकन प्राप्त हुए हैं। इस बीच आज नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की जाएगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 9 अप्रैल है। उसी दिन अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। 9 अप्रैल की शाम तक यह आधिकारिक घोषणा हो जाएगी कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कितने उम्मीदवार मैदान में हैं। उल्लेखनीय है कि नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया के पहले ही दिन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कोलाथूर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया था। इसी तरह तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) के नेता विजय ने 31 मार्च को पेरंबूर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया था। इसके अलावा उन्होंने 2 अप्रैल को तिरुचि पूर्व (ईस्ट) सीट से भी नामांकन दाखिल किया है। नामांकन के अंतिम दिन विपक्ष के नेता एदप्पाड़ी के. पलनीस्वामी ने अपना नामांकन दाखिल किया।

इसके अलावा उपमुख्यमंत्री उधयनिधि स्टालिन ने चेपॉक-त्रिप्लिकेन सीट से और नाम तमिझर कच्ची के नेता सीमैन ने कारैकुडी सीट से नामांकन दाखिल किया। इसी तरह डीएमके के मंत्री दुरैमुरुगन ने कातपाड़ी, आई. पेरियासामी ने आथूर, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन ने सत्तूर और पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी ने कोयंबटूर दक्षिण सीट से नामांकन दाखिल किया।

उप्र एटीएस ने शामली से चार संदिग्धों को उठाया

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने शामली जिले में अलग-अलग जगहों पर छापेमार कर एक महिला समेत चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इन लोगों पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। जानकारी के अनुसार सहारनपुर से आई एटीएस टीम ने मंगलवार की सुबह शामली जनपद में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की है। कैराना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चार संदिग्धों को उठाया है। पूछताछ के बाद टीम चारों को अपने साथ ले गई। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि राशिद और उसकी पत्नी समेत चार लोगों को कार सवार युवक अपने साथ ले गए हैं। राशिद नकली करेंसी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है।

स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने मामले से कुछ भी बताने से इनकार किया है। एटीएस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। एटीएस ने यह कार्रवाई कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद की है।

मुख्य सचिव ने की ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट और मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं शहरी वार्ड अभियान की तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों व पशुपालकों को नए तरीकों व तकनीकों से अवगत करवाने, नवाचार को बढ़ावा देने, किसानों की बाज़ार तक पहुंच सुनिश्चित करने साथ ही, कृषि व पशुपालन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) का आयोजन 23 से 25 मई 2026 को करने जा रही है। मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों का इस आयोजन में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए https://gram-rajasthan.in पोर्टल बनाया गया है। हाइब्रिड मोड पर हुई इस बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, एडीजी (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल, सभी विभागों के शासन स?चिव, विभागाध्यक्ष, सम्भागीय आयुक्त, रेंज आईजी, जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन के लिए सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही, ग्राम 2026 के लिए 'आपणो खेत आपणो खाद अभियान' 6 अप्रेल से 30 अप्रेल

तक आयोजित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य बायोफर्टिलाईजर और ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ ही किसानों को रजिस्ट्रेशन के लिए जागरूक करना भी है। इसी के साथ 1 से 15 अप्रेल तक 'धरती माता बचाओ अभियान' भी आयोजित किये जा रहा है। इस का उद्देश्य फर्टिलाईजर का सन्तुलित उपयोग और इसकी कालाबाजारी रोकना है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक और जिला स्तर पर प्रगतिशील और स्टार्टअप करने वाले किसानों को सम्मानित किया जायेगा। मुख्य सचिव ने गर्मी के मौसम में पेयजल की आपातकालीन तैयारियों के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया और कहा कि पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश की अक्षरशः पालना में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंपों के निरीक्षण एवं उनमें से खराब पाए गए हैंडपंपों के मरम्मत का कार्य कर उन्हें दुरुस्त करने के लिए राज्यव्यापी विशेष अभियान 5 अप्रैल को चलाया गया था। जिसके तहत 3 हजार 55 हैण्डपम्पों का निरीक्षण किया एवं 604 खराब पाये गए हैण्डपंपों में से 290 हैण्डपंपों को मौके पर ही मरम्मत कार्य कर ठीक किया गया। इन्दिरा गांधी नहर के क्षेत्रों में डिग्गियों को भरने हेतु ट्रेक्टर स्थापित बरमा को किराये पर लेने का कार्य पूर्ण नहरबंदी (11 अप्रेल से 10 मई) के दौरान आवश्यकता अनुसार उपयोग में लिया जायेगा। इस दौरान विभागीय डिग्गीयों में पानी की उपलब्धता की प्रतिदिन मॉनिटरिंग होगी। सीएस ने 10 अप्रेल से पूर्व सभी विभागीय डिग्गियों को भरना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने राज्य के प्रत्येक ग्रामीण और शहरी वार्ड का सर्वांगीण विकास के लिए 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं शहरी वार्ड अभियान' को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने इस अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार कर अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अभियान का संचालन राज्य की सभी ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में किया जा रहा है।

मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने टीकमगढ़ में अपने बंगले के सामने दुकान लगाकर बेचा पोहा-जलेबी

एजेंसी

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की फायरब्रांड नेता उमा भारती टीकमगढ़ जिला मुख्यालय पर पोहा-जलेबी बेचती नजर आईं। उन्होंने टीकमगढ़ में एक दिन पहले हटाए गए छोटे दुकानदारों को वापस बुलाकर अपने बंगले के बाहर सड़क किनारे हाथठेले पर दुकान लगाई और पोहा-जलेबी बेची।

टीकमगढ़ नगर पालिका की टीम ने सोमवार को सिविल लाइन रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया था। इस दौरान जेसीबी से कई छोटी दुकानें और हाथठेले हटा दिए गए थे। उमा भारती ने इस कार्रवाई का विरोध किया था और छोटे दुकानदारों को हटाने को गलत बताया था। इसी को लेकर मंगलवार सुबह वे सिविल लाइन रोड स्थित बंगले से निकलकर हाथठेले पर पहुंचीं। यहां खुद पोहा-जलेबी बेचकर दुकानदारों का समर्थन किया। उन्होंने हाथठेला वालों से दोबारा सड़क किनारे ठेले लगाने को कहा।उमा भारती ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि टीकमगढ़ नगर पालिका एवं विधान सभा भाजपा के पास नहीं है, अन्यथा यह अन्याय

पूर्ण कार्रवाई कल नहीं हो पाती? कल जहां से गरीबों के ठेले या तो तोड़ दिए गए या हटा दिए गए, उनके आसपास चारों तरफ साधन सुविधा संपन्न लोगों के घर एवं रेस्टोरेंट अतिक्रमण के नियमों का उल्लंघन कर नगरीय प्रशासन को उसकी हैसियत बताते हुए अभी भी चुनौतीपूर्ण मुद्रा में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी सुधार समाज के समर्थ व्यक्ति पर सबसे पहले एवं गरीब व्यक्ति पर सबसे आखिरी में लागू हो, यही हमारी भाजपा का आदर्श है।उन्होंने कहा कि अचानक टीकमगढ़ शहर में शाम को गरीब लोगों की दुकाने जेसीबी के द्वारा नगर प्रशासन ने तोड़नी शुरू की। इसकी जानकारी मिलते ही मैं तुरंत उस स्थान पर पहुंची, तब तक दुकानें टूट चुकी थीं। दुकानें यानी छोटे-छोटे ठेले, जो जेसीबी के द्वारा तोड़ दिए गए एवं गरीब लोगों का सामान तहस-नहस कर दिया गया। हमारे भाजपा टीकमगढ़ के नगर पालिका पार्षद दल ने मुझे जानकारी दी है कि जैसा निर्णय हुआ था, यह उसके विपरीत हुआ है। जो तय हुआ था कि पहले नगर में दो-तीन जगह चिन्हित करेंगे, वहां पर थोड़ी बहुत सुविधाओं का निर्माण करेंगे, फिर इन सभी दुकानदारों को चेतावनी दी जाएगी और फिर इनको शिफ्ट कर दिया जाएगा, इसकी जगह पर बिना चेतावनी के गरीब लोगों की आजीविका नष्ट कर दी गई। मैंने प्रशासन से आग्रह किया है कि शर्मनाक, अमानवीय कार्रवाई को तुरंत रोक कर जो पार्षद दल की बैठक में तय हुआ था, उसका अनुसरण करिए। मैंने इसकी जानकारी हमारे प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को भेज दी है। उन्होंने कहा कि टीकमगढ़ नगर प्रशासन ने गरीब लोगों की जो छोटी-छोटी दुकाने तोड़े जाने की कार्यवाही की और मैं स्वयं सड़कों पर जाकर उन गरीब लोगों से मिली। मैंने दुकानदारों से वचन लिया है कि वह गंदगी नहीं होने देंगे एवं प्रशासन भी प्रयास करेगा।

उप्र कैबिनेट : आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत उप्र के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 स्थलों का होगा सौंदर्यीकरण

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने राज्य में डॉ. भीम राव आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत देश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 आंबेडकर स्थलों का विकास और सौंदर्यीकरण कराएगी। लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। कैबिनेट बैठक के बाद उप्र सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने लोकभवन के मीडिया सेंटर में पत्रकारों उक्त जानकारी दी। मंत्री अरुण ने बताया कि इस योजना के तहत समाज के विकास में अहम योगदान देने वाले पुरुष और स्त्रियों से जुड़े सभी स्थान का विकास जाएगा। ऐसे सभी स्थानों का विकास होगा, जहां डॉ. आंबेडकर या अन्य जिन्होंने समाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और उनकी मूर्तियां लगी हैं। उन स्थलों का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से छतरी, चहारदीवारी, हरियाली आदि व्यवस्था की जाएगी। एक मूर्ति स्थल पर अधिकतम 10 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका डिजाइन मानक तैयार किया जाएगा। स्थानीय मूर्ति कला का भी ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 403 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे 10 स्थलों का चिन्हित कर विकास किया जाएगा। इन पर कुल मिलाकर 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस योजना में उन्हीं मूर्तियों को शामिल किया जाएगा जो 25 दिसंबर 2025 तक लगाई जा चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही ऐसे सामाजिक न्याय के प्रणेता संत रविदास, संत कबीरदास, ज्योतिबा फूले और महर्षि बाल्मीकि की मूर्ति स्थलों को भी इस योजना में लिया जाएगा। प्रथम चरण में सार्वजनिक स्थलों पर लगी मूर्तियों के सौन्दर्यीकरण के लिए कार्य किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मंजूरी मिली है। कैबिनेट बैठक में जनपद बलिया में बहुप्रतीक्षित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) स्थापना के सम्बंध में प्रस्ताव को अनुमोदन मिला है। 14.05 एकड़ भूमि कारागार विभाग की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित की गई है। इस पर 437 करोड़ की अनुमानित लागत आएगी। यह मेडिकल कॉलेज महर्षि भृगुजी के नाम पर स्थापित होगा। महर्षि भृगु शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय इसका नाम रहेगा। इसके अलावा पूर्वी पाकिस्तान(बांग्लादेश) से विस्थापित हिन्दू बंगाली परिवारों को जनपद कानपुर देहात में पुनर्वास के लिए लीज रेंट एवं पट्टे के प्रारूप निर्धारण प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिली है।

केकेआर और सुपरजायंट के बीच आज होगा मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम गुरुवार को यहां के ईडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ उठाकर सत्र में पहली जीत करना रहेगा। इस सत्र में अब तक हुए तीनो ही मैचों में केकेआर हारी है। इससे वह काफी दबाव में है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब तक असफल रही है। अभी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच 6 मैच हुए हैं जिसमें से 2 केकेआर जबकि 4 सुपर जायंट्स ने जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी मुकाबला पिछले आईपीएल सत्र में कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ही खेला गया था जहां लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने 238 रनों का स्कोर करके केकेआर पर 4 रनों से जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में भी सुपर जायंट्स का पलड़ा भारी नजर आता है। सुपर जायंट्स ने पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत के फार्म हासिल करने से भी टीम का हौंसला बढ़ा है। वहीं केकेआर के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम के अन्य खिलाड़ियों से उन्हें सहयोग नहीं मिला है। इस मैच में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैदान पर टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना अधिक पसंद करती है। यहां टी20 में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 163 रन रहा है। केकेआर की टीम से फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी, ब्लेसिंग मुज़ारबानी अहम खिलाड़ी होंगे जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में मिचेल मार्श, एडेन मार्करम और मोहम्मद शमी पर सभी की नजरें रहेंगी।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, कैमरून ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, ब्लेसिंग मुज़ारबानी, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- वरुण चक्रवर्ती।

लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), एडेन मार्करम, मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, आवेश खान, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी। इम्पैक्ट प्लेयर- मोहसिन खान/मणिमरण सिद्धार्थ।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष शेट्टी ने ली शि फेंग को हराया

निंगबो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने चीन के निंगबो में खेले जा रहे बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बुधवार को दूसरे राउंड में जगह बनाने के लिए ली शि फेंग को सीधे गेम में हराकर शानदार जीत हासिल की।

आयुष ने निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 51 मिनट तक चले मैच में चीनी खिलाड़ी को 21-13, 21-16 से हराया। 2023 ऑल इंग्लैंड ओपन के विजेता के साथ आयुष का यह करियर का पहला मुकाबला था। अब वह क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया के नंबर 20 ताइपे के ची यू जेन से खेलेंगे। यह पहली बार नहीं है कि आयुष ने अपने से बेहतर रैंक वाले खिलाड़ी को हराया हो। पिछले साल, उन्होंने यूएस ओपन के सेमी-फाइनल में चीनी ताइपे के दुनिया के नंबर 6 चाउ टिएन-चेन को हराया था और कनाडा के ब्रायन यांग को हराकर खिताब जीता था। इससे पहले, भारत की टॉप मिक्स्ड डबल्स जोड़ी, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो ने पहले दिन अपने कैंपेन की जीत से शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के फुवानत होरबानलुएकिट और बेन्यापा एम्साई को 21-14, 11-21, 21-15 से हराया।

दूसरे मिक्स्ड डबल्स नतीजों में, अशीथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश मलेशिया के वोंग टिएन सी और लिम चियू सिएन से 21-16, 21-15 से हार गए, जबकि रोहन कपूर और गड्डे रुथविका शिवानी आठवीं सीड गोह सून हुआत और लाई शेवोन जेमी से 21-13, 21-19 से हार गए। इस बीच, टॉप इंडियन सिंगल्स प्लेयर्स, पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन, दिन में बाद में एक्शन में होंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु अपने कैंपेन की शुरुआत मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ राउंड ऑफ 32 में करेंगी। तीन और इंडियन विमेंस एकल खिलाड़ी – उन्नति हुड्डा, मालविका बंसोड़, और तन्वी शर्मा भी मेन ड्रॉ में हैं और उनके बुधवार को अपने कैंपेन शुरू करने की उम्मीद है। पुरुषों के एकल में, थॉमस कप विनर एच.एस. प्रणय वियतनाम के गुयेन हाई डांग के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

वैभव के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वैभव को पिछले सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने शामिल किया था और से ही उन्होंने आक्रामक शतक लगाकर अपनी अलग पहचान बनायी थी। इससे पहले रॉयल्स के ही संजू सैमसन भी इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स चले गये थे। वैभव ने आईपीए में गत दिवस 14 गेंदों पर ही 39 रन बनाकर एक बार फिर अपने को साबित किया था। इसके बाद से ही उनपर कई टीमों की नजरें लग गयी। जिस प्रकार उन्होंने जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के लगा दिये उससे उनकी प्रतिभा का अंदाजा होता है। पूर्व चयनकर्ता परांजपे का कहना है कि वैभव जल्द ही मुंबई की ओर से खेल सकते हैं।

इससे साफ नजर आता है कि राजस्थान रॉयल्स अपने युवा उभरते सितारों को अपने साथ बरकरार नहीं रख पाती। जोस बटलर को रिलीज करने का उनका फैसला आज भी हैरान करता है। इसी प्रकार सैमसन को भी सीएसके ने लिया। ऐसे में अगर वैभव को भी मुंबई अपनी ओर खींच ले तो किसी को हैरान होने की जरुरत नहीं है। राजस्थान ने वैभव को 2025 के केवल सिर्फ 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये कीमत आज के वैभव को देखते हुए काफी कम है। वह आज अगर नीलामी में उतरते हैं तो उन्हें मोटी रकम मिल सकती है। ऐसे में अगले साल होने वाली नीलामी में मुंबई इंडियंस की नजरें उनपर रहेंगी। लंबे समय से ये माना जा रहा था कि यशस्वी मुंबई इंडियंस के निशाने पर रहेंगे। अब जब सूर्यवंशी 15 साल के हो गए हैं तो बीसीसीआई के नियमों के अनुसार वह सीनियर टीम के लिए खेलने के योग्य हैं। इससे भी उनकी मांग बढ़ जाएगी क्योंकि उन्होंने इंडिया ए और अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में जाकर शतक लगाये हें।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे: सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है।

आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्राइक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

हरभजन सिंह ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किये

सीकर। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किये। हरभजन ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। हरभजन सुबह ही मंदिर पहुंच गये थे। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत सत्कार किया। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की और स्वास्तिक बनाकर बाबा श्याम से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्र रहे। हरभजन पिछले एक महीने में दूसरी बार खाटूश्यामजी पहुंचे हैं। इससे अंदाजा होता है कि यहां उनकी कितनी आस्था है। इससे पहले वह 9 मार्च को भारतीय टीम की टी-20 विश्व कप जीत के बाद भी भगवान के दर्शन कर धन्यवाद देने पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जीत का श्रेय भगवान को देते हुए आभार जताया था। मंदिर कमेटी की ओर से हरभजन सिंह का विशेष सम्मान किया गया। कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने उन्हें बाबा श्याम का पवित्र मोरपंख, प्रसाद, दुपट्टा, निशान और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान हरभजन सिंह ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए किए गए इंतजाम काफी बेहतर। उन्होंने कमेटी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। हरभजन करीब एक घंटे तक मंदिर में रुके और इस दौरान उन्होंने मंदिर कमेटी के कार्यालय में भी कुछ समय बिताया। उनके यहां देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह छा गया। लोग उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें सुचारू रूप से दर्शन करवाए गए।

आईपीएल2026 : ऑरेंज कैप और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों का कब्जा

गुवाहाटी । इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के खिलाड़ियों को कब्जा जमा लिया हैं। राजस्थान रॉयल्स (RR) सलामी के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 11-ओवर के मैच में मात्र 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोक डाले। इस पारी के साथ टूर्नामेंट में तीन पारियों में उनके 170 रन हो गए हैं और अब उनके पास ऑरेंज कैप है। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जायसवाल की विस्फोटक पारी ने उन्हें समीर रिजवी के रनों से दस रन आगे पहुंचा दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के इस बल्लेबाज ने दो मैच जिताने वाली पारियों के साथ सीजन की शानदार शुरुआत की है और वह 160 रन पर हैं। उन्होंने हालिया मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 90 रन बनाए थे। अब तक छह अन्य बल्लेबाज भी 100 रन के पार पहुंच चुके हैं, जिनमें हाइनरिक क्लासन (सनराइजर्स हैदराबाद), वैभव सूर्यवंशी (RR) और रोहित शर्मा (MI) शामिल हैं। वहीं पर्पल कैप की बात की जाए ऋरका ही एक खिलाड़ी रवि बिश्नोई आगे है। एमआई के खिलाफ दो ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लेने के बाद उनके कुल विकेट सात हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 41 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अब चार अन्य गेंदबाज दूसरे स्थान पर बराबरी पर हैं, जिनके पांच-पांच विकेट हैं- विजयकुमार वैशाक (पंजाब किंग्स), अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स), नांद्रे बर्गर (आरआर) और जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)।

रिंकू को ऊपरी क्रम पर भेजे केकेआर : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने आईपीएल सत्र में लगातार हार से परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने को कहा है। गांगुली के अनुसार टीम को बल्लेबाजी में आ रही परेशानियों को कम करने के लिए उप-कप्तान रिंकू सिंह को ऊपरी क्रम पर भेजना चाहिए। केकेआर अब तक इस सत्र में अपने सभी तीनों ही मैच हारी है। इससे उनका केवल एक अंक ही है। वह भी उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह मैच नहीं होने से मिला है। केकेआर को अब गुरुवार को सुपर जायंट्स से खेलना है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा, रिंकू को बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे भेजा जा रहा है जबकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। मेरा मानना है कि कप्तान आजिंक्य रहाणे कुछ बदलाव करते हुए रिंकू को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजें। रिंकू ने आईपीएल के 2023 सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। तब वह पांच छक्के लगातकर रातो-रात स्टार बन गये थे। रिंकू ने आईपीएल के 2024 में भी केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं इस बाहर केकेआर की पारी रहाणे और फिन एलन कर रहे हैं। वहीं कैमरन ग्रीन को तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है पर वह असफल रहे हैं। । अंगकृष रघुवंशी का नंबर उनके बाद आत है। वहीं रिंकू को नंबर 5 पर उतारा जा रहा है। रिंकू ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 21 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए और उसके बाद ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 गेंदों पर 35 रन बनाए थे।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

-13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉर्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

पिछले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

मोनाको । जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ़ 64 मिनट लगे - उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए। यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, 'मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में।' जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोर्ट स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे। अगर उन्हें सात बार के मेजर विजेता के साथ रैंकिंग में अपनी जगह बदलनी है, तो उन्हें कम से कम सेमीफ़ाइनल तक पहुंचना होगा और फिर मोंटे कार्लो में अल्काराज के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अगले राउंड में सिनर का मुकाबला अर्जेंटीना के फ़्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जबकि अल्काराज़ या तो अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी या फ़्रांस के टेरेंस एटमैन के साथ खेलेंगे।

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पड़िकल

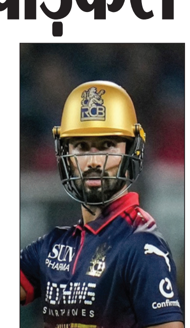

बेंगलुरु (एजेंसी)। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतिर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मुश्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है। उन्होंने कहा, जब फ्रेंचाइजी आप पर पैसा खर्च करती है और आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो लगता है कि आप उन्हें निराश कर रहे हैं। स क्रिकेटर ने कहा, उस खराब सत्र ने मुझे और बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि विफल होने से ही उन्हें कड़ी मेहनत की प्रेरणा मिली। इससे उनका मनोबल भी बढ़ा है।

सूर्यवंशी ने बुमराह को भी सोचने पर मजबूर कर दिया :डेल स्टेन

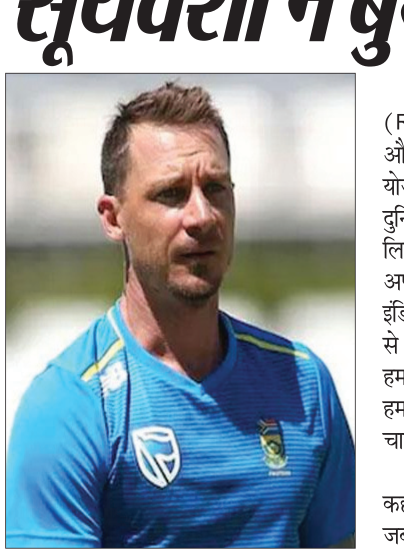

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (RR) के सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ सही गेंदबाजी योजना बनाना बेहद ही मुश्किल है। यहां तक कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए भी यह एक टेढ़ी खीर है। IPL 2026 में अपना लगातार दूसरा मैच गंवाने के बाद मुंबई इंडियंस (MI) के कोच माहेला जयवर्धने ने ऋक्र से मैच हारने के बाद कहा, 'हां, मुझे लगता है हमारे पास कुछ योजनाएं थी, लेकिन सच कहूं तो हम उन्हें उस तरीके से लागू नहीं कर पाए जैसा हम चाहते थे।'

मैच के बाद प्रेस कॉफ्रेंस में जयवर्धने ने कहा, 'हमें इस खतरे का अंदाजा था, खासकर जब बारिश के कारण मैच 11-11 ओवर का हो गया और शुरुआत में हमें खुलकर खेलने की छूट मिली। हमें सुनिश्चित करना था कि पहले चार-पांच ओवर हमारे लिए अहम हों। मुझे लगा कि हमने उनकी शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की। लेकिन हां, हमने अपनी लाइन-लेंथ मिस की और उन्होंने बहुत अच्छा खेला।'

पहले बल्लेबाजी करने उतरी RR ने दीपक चाहर के पहले ओवर से 22 रन बनाए और पांच ओवर में उनकी टीम 80/1 तक पहुंच गई। जयवर्धने ने यह सही कहा कि MI ने वापसी की। छठे से दसवें ओवर के बीच सिर्फ 52 रन बने और आखिरी ओवर में 18 रन। लेकिन शुरुआत में हुआ नुकसान MI के लिए भारी साबित हुआ। हालांकि RR की बल्लेबाजी में जायसवाल स्टार रहे, जिन्होंने 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाए। लेकिन उतना ही असर सूर्यवंशी की पारी का भी रहा। उन्होंने 14 गेंदों पर 39 रन बनाए।

डेल स्टेन ने कहा कि गेंदबाज, यहां तक कि बुमराह जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी, सूर्यवंशी के खिलाफ थोड़ा मानसिक दबाव में आ सकते हैं। स्टेन ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, 'सच कहूं तो उन्होंने गेंदबाजों में थोड़ा डर पैदा कर दिया है कि वह आपके पीछे बाउंड्री के लिए ही जाएगा। खासकर बुमराह की सूर्यवंशी को डाली गई पहली गेंद, जो मिड-ऑन के ऊपर गई। बुमराह की वह गेंद स्लॉट में थी। बुमराह के खिलाफ ऐसा करना बहुत दुर्लभ है। महान बुमराह भी मन में सोच रहे होंगे कि 'गलती मत करना; क्योंकि अगर गलती हुई, तो यह खिलाड़ी मुझे छक्का मारेगा।' सूर्यवंशी फिलहाल वही कर रहे हैं। दरअसल आपको बहुत बड़ी गलती करने की भी जरूरत नहीं है। वह आपको छोटी गलतियों पर भी सजा दे सकते हैं। स्टेन ने गेंदबाजों की मानसिकता पर कहा, 'आप देख सकते हैं, जब वैभव ने छक्का मारा, तो वह (बुमराह) थोड़ा हंसे और जैसे कहा, 'मुझे पता था अगर मैं गलती करूंगा तो ऐसा ही होगा। और वही हुआ। यह लड़का डरता नहीं है। अगर आप हाफ-वॉली डालते हैं, तो वह आपको मैदान के बाहर मार देगा। इसलिए अपनी लेंथ पीछे खींचो और अच्छी लेंथ डालो, तब शायद आप उस पर नियंत्रण पा सकते हैं। लेकिन अगर आप चूक गए, तो गेंद दूर जाएगी। फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं, बुमराह या कोई आम गेंदबाज। यह बेहतरीन बल्लेबाजी है।'

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम, रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी। भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे खेले जाएंगे।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी।' मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, 'आप सबसे बढ़िया हैं... बॉस।' फराह खान ने लिखा, 'अरे वाह।'

'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी, अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा।

फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी

अनन्या पांडे फिल्मों के अलावा सीरीज का भी हिस्सा बन रही हैं। अपनी अपकमिंग एक सीरीज की शूटिंग एक्ट्रेस ने खत्म कर ली है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपकमिंग सीरीज की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी। सीरीज की शूटिंग खत्म होने का जश्न भी मनाया है।

अनन्या पांडे जल्द ही सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक स्टाइलिश लड़की के रोल में हैं, जिसकी लाइफ में कई दिक्कतें आती हैं लेकिन वह अपने ही अलग अंदाज में इनका हल तलाश लेती है। इस सीरीज में अनन्या पांडे के साथ इस बार श्रुति हासन भी नजर आएंगी। 'कॉल मी बे 2' को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया है। इससे पहले भी अनन्या पांडे करण जौहर प्रोडक्शन के कई प्रोजेक्ट्स कर चुकी हैं। 'कॉल मी बे 2' के अलावा अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' भी कर रही हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं सप्तमी गौड़ा

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म 'पॉपकॉर्न मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में 'द राइज ऑफ अशोका' में नजर आने के बाद 'उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो 'सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती, जो मौका मिलता है उसका फायदा उठाती हूं

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।' अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।' अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।'

'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

'पुष्पा 3: द रैम्पेज'

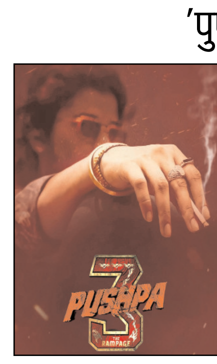

'पुष्पा 3: द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

AA22×A6

AA22×A6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीतांजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

कैसे बनाएं अपने आपको क्रिएटिव...

हम सभी एक जुदा अंदाज में जीना चाहते हैं, लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं। मगर कैसे?

लाइफ को क्रिएटिव बनाने की इस इच्छा को पूरी करना चाहते हैं तो इसके लिए प्रयास भी आप ही को करना होगा। यह प्रयास कुछ अलग किस्म के होंगे, जैसे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर कुछ नया करने की कोशिश करें।

आपकी तरह सोचने वाले लोगों से मिले-जुलें और अपने आइडियाज शेयर करें। इन चीजों से धीरे-धीरे लाइफ में बदलाव आने लगेंगे।

सीखें कुछ नया

लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले यह बात समझ लें कि सीखने की कोई सीमा तय नहीं होती है। नई-नई चीजें सीखें। कुछ नया सोचें या फिर पुरानी चीजों को नए तरीकों से करने के बारे में सोचें। कुछ नया सोचने के लिए इमेजिनेशन होना जरूरी है। हर वक्त नया सोचने के प्रयास से इमेजिनेशन पावर बढ़ती है, जो क्रिएटिविटी के लिए बहुत जरूरी है।

नई चीजें सीखते हुए अकसर असफलता का डर होता है। इस डर को मन से निकाल दें। याद रखें, क्रिएटिव लोगों में यही खास बात होती है कि वो कभी भी असफलताओं से डरते नहीं हैं। कुछ नया सीखने का जज्बा इस डर से बड़ा होता है।

अब आपको कोई चीज क्यों रोके? तो फिर अब हर हफ्ते कम से कम एक नई चीज सीखने की कोशिश करें। छोटी-छोटी चीजों से शुरू करें जैसे कि कोई नई डिश बनाएं या फिर अपने कमरे को किसी नए तरीके से सजाएं।

क्रिएटिव लोगों से जुड़ें

क्रिएटिव लोगों से मिलते-जुलते रहें, मिलने का समय न हो तो किसी भी अन्य तरीके से जुड़ें। इससे आपको प्रेरणा मिलेगी। इस तरह लोगों से जुड़ने पर आप अपने आइडियाज बेझिझक शेयर कर सकते हैं और नई बातें भी जान सकेंगे।

क्रिएटिव लोगों से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपने शौक के अनुरूप कोई क्लब या ग्रुप जॉइन कर लें। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स पर आप अपना खुद का ग्रुप बनाकर लोगों को इनवाइट कर सकते हैं, डिसकशन्स कर सकते हैं।

इस तरह के ग्रुप्स एक बढ़िया सपोर्ट सिस्टम की तरह काम करते हैं। साथ ही आपकी लाइफ को क्रिएटिव बनाने में सहायक भी होते हैं।

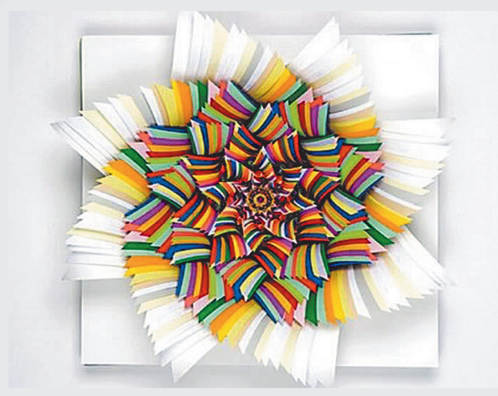

सिर्फ 15 दिनों में चेहरा खूबसूरत बनाएं जानिए कैसे

हम अपना चेहरा चमकाने के लिए ब्यूटी पार्लर के मोहताज होते हैं या फिर कुछ घरेलू उपचार का सहारा लेते हैं। यहां तक कि आधुनिक तकनीक से बोटोक्स की भी शरण में चले जाते हैं। यहां पेश है कुछ ऐसे उपाय जिसके लिए ना महंगी दवाई की जरूरत है ना ही फेसपैक और पार्लर के नखरों की।

प्रस्तुत है चेहरे के कुछ ऐसे व्यायाम जिन्हें आप आसानी से कहीं भी और कभी भी कर सकते हैं और बढ़ा सकते हैं अपने चेहरे की रौनक। इन्हें हम फेशियल योगा का नाम दे सकते हैं। प्रत्येक फेशियल योगा 8-10 से 20 बार प्रतिदिन 5 से 7 मिनट तक करें। इससे आपको 15 दिन में ही फर्क नजर आने लगेगा।

फेशियल योगा स्टेप्स

1 गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें।
2 भौहें सिकोड़ें, माथे पर आड़े व खड़े सल डालें।
3 गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें।
4 आंखों को दोनों दिशा में गोल घुमाएं।
5 आंखों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें।
6 सुबह व रात आंखों को ठंडे पानी से धोएं।
7 नथुने फुलाएं व ढीला छोड़ दें।
8 पूरा मुंह खोलें व बंद करें।
9 जबड़ा दाएं-बाएं हिलाएं।
10 होठों को सिकोडें व फैलाएं।
11 दांत दिखाएं व बंद करें।
12 मुंह से फुग्गा फुलाएं।
13 दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं।
14 गर्दन की चमड़ी को खीचें, जबड़ा टाइट करें।
15 दस तक गिनते हुए गर्दन को पीछे ले जाएं।
16 मुंह में पानी भरकर हिलाएं।
17 सोने के पहले प्रतिदिन चेहरे को साफ करें। यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो डीप क्लीजिंग मिल्क से साफ करें।

व्यायाम के अतिरिक्त संतुलित खान-पान आपकी त्वचा में असली चमक लाता है। अतः भोजन में दूध, दही, सलाद, फल, हरी सब्जियां अवश्य लें। पर्याप्त पानी पिएं, सूर्य की तेज किरणों से बचें व धूप का चश्मा लगाएं।

तपती गर्मी में पाएं खिली-खिली ताजगी

गर्मी में अगर आप अगर बहुत थकान महसूस कर रहे हैं तो पानी के छींटों से आप फ्रेश महसूस करेंगे। सादा पानी भी आपकी त्वचा को तरोताजा रखता है। वह एक प्राकृतिक मॉइस्चराइज़र की तरह काम करता है। खीरे के जूस को आप चेहरे पर लगाएं तो इससे चेहरे पर ठंडक महसूस होगी तथा सनबर्न (धूप की जलन) की समस्या से बचे रहेंगे।

* ऑफिस से जब आप लौट कर आते हैं तब आप अपने पैर, हाथ, हल्के गुनगुने पानी में डाल कर रखें जिससे आपकी सारी थकान कम हो जाएगी। अगर आप चाहें तो इस पानी में थोड़ा सा नमक भी डाल सकते हैं। इससे पैर कोमल हो जाते हैं। आप सोफ्टनर से पैरो के तलवे को साफ कर सकते हैं। 10 से 15 मिनट तक अपने पैर को पानी में डालकर रखें इससे शरीर का रक्तसंचार भी बढ़ेगा।

* एक बोतल में आप थोड़ा सा कोलोन या परफ्यूम की थोड़ी सी बूंदों को लेकर अधिक मात्रा पानी के साथ उसे मिला दें, स्प्रे बोतल की तरह इसे इस्तेमाल कर आप रिफ्रेश हो सकते हैं।

* त्वचा के मुंहासों के लिए चन्दन तथा गुलाब के जल से पेस्ट बनाकर अपने चेहरे पर लगाएं। इस समस्या से आपको राहत मिल सकती हैं। रात भर इसे रखें तथा दूसरे दिन इसे धो लें।

* चेहरा केवल ऊपर से साफ नहीं होता हैं बल्कि इसे भीतर से भी साफ करना चाहिए। इसके लिए आप नींबू का रस तथा चीनी को मिलाकर अपने चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ें। इससे आपकी त्वचा भीतर से साफ हो जाएगी तथा चेहरे के झुलसे हुए दाग में भी आराम पड़ेगा।

* केले को लेकर आप इसे दूध के साथ मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं तो आपका चेहरा कोमल होगा और इस पर निखार आ जाएगा।

* हल्दी के साथ दूध को मिलाकर लगाएं तो आपकी झुलसी हुई त्वचा की समस्या हल होगी तथा फेशियल बाल कम हो सकते हैं।

अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहन दीजिए

भले ही आज स्मार्ट फोन और टैबलेट की जनरेशन (पीढ़ी) अपने ज्ञान की क्षमताओं में एक कदम आगे है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे को शुरुआती सालों से ही पढ़ने के लिए प्रोत्साहित और तैयार करें। माता-पिता की बहुत-सी जिम्मेदारियां होती हैं जिसमें से एक है कि वे अपने बच्चे की पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ाएं। कैसे आप पढ़ने में उनकी रुचि बढ़ा सकते हैं :-

उनकी पसंदीदा किताब लें – अगर आपके बच्चे का कोई पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर है तो उसे टीवी देखने देने की बजाय किताब गिफ्ट करें। किताबों की दुकानें बहुत से कार्टून किताबों से भरी हैं। ये समान रूप से आकर्षक हों, नए के साथ पिक्टोरियल हों तो ध्यान जोड़े रखती हैं।

उनके लिए पढ़ें – अगर आप अपने बच्चों के लिए फैरी टेल या कार्टून की किताबें लाई हैं तो आप उन्हें अपने बच्चों के लिए पढ़ें। हो सकता है शुरुआत में बच्चे रुचि न लें तो आप उसे खुद पढ़ना शुरू करें। इससे आपके बच्चों में जिज्ञासा बढ़ेगी कि किताब में ऐसा क्या है, जो आप इसे पढ़ रहे हैं और उसे प्रोत्साहित भी करेगा। इसके बाद आप बच्चों को इस प्रक्रिया में शामिल कर सकते हैं।

किताबों से सुनाएं – कहानियों को रोमांचक तरह से सुनाएं। जरूरी नहीं है कि कहानी जैसी लिखी है आपको वैसे ही सुनानी है। आप उसमें कुछ अपने बचपन की दिलचस्प बातें जोड़ सकती हैं या फिर कहानियों के किरदार की तुलना अपने बच्चों से कर सकती हैं। यह बच्चों को जोड़े रखता है।

पूरी प्रक्रिया का आनंद लें। यह न सोचें कि यह थकाऊ प्रक्रिया है। इससे आपका बच्चा रुचि खो सकता है। हमेशा चार्ज अप लगें।

छह चीजों से चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें- गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा – इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा- इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा- नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा- खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटाामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं- चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

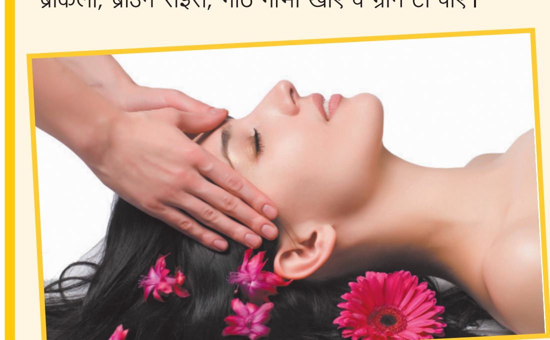

मां बनने के एक साल के अंदर घटाएं वजन

मां बनने के एक साल के अन्दर महिलाओं ने अगर अपने वजन पर नियंत्रण नहीं किया तो उन्हें हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी कई बीमारियां घेर सकती हैं।

ब्रिटिश दैनिक में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा में टोरंटो के माउंट सिनाई अस्पताल के मधुमेह केंद्र ने अपने नए शोध में यह बताया है कि महिला के लिए मां बनने के बाद के पहले तीन महीने सुरक्षित होते हैं क्योंकि इस दौरान उनके शरीर में उतने बदलाव नहीं होते इसलिए हृदयरोग, मधुमेह या उच्च रक्तचाप का खतरा इस दौरान उतना अधिक नहीं रहता है।

शोध पत्रिका डायबिटीज केयर में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक तीन महीने के बाद पूरे साल तक मां के शरीर में तरह-तरह के बदलाव होते हैं। इस दौरान उनके शरीर में उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्राल और इंसुलिन की सक्रियता काफी बढ़ जाती है और उनके हृदय संबंधी रोग से ग्रसित होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

शोध के दौरान 300 गर्भवती महिलाओं पर पूरे नौ महीने और बच्चे के जन्म के एक साल बाद तक निगरानी की गई और उनकी नियमित जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि अगर बच्चे को जन्म देने के एक साल के अंदर मां ने अपने वजन को कम नहीं किया तो उसके मधुमेह से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने पाया कि बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर तीन चौथाई मांओं ने अपने वजन पर काबू पा लिया और उनका कोलेस्ट्राल तथा रक्तचाप का स्तर सामान्य रहा, लेकिन जिन एक तिहाई महिलाओं का वजन इन दौरान बढ़ गया उनके मधुमेह और हृदय रोग से पीड़ित होने की संभावना भी काफी बढ़ गई। शोधकर्ता डॉक्टर रवि रत्नाकरन ने कहा कि इस शोध के कारण अब महिलाओं को बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर वजन घटाने की सलाह दी जाती है।